फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 72 संख्याः 330 प्रभात जयपुर, मंगलवार 5 जुलाई, 2022 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.00 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

Emperor Akbar's Anger!!

Akbar's wrath did not abate, despite the whipping of two Rajputs who had been tardy in appearing, & their retainers. He next turned his attention to a more consequential target-the Kachwaha boy's uncle.

Theater: Lapat: Igniting the Fire Within

निकट भविष्य में ऑयल की कीमत 380 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचेगी

अमेरिका के जाने-माने बैंक, जे.पी. मॉर्गन के इस आकलन से भारी संख्या में इकॉनमिस्ट सहमत हैं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 जुलाई। अमेरिका के जाने माने बैंक जे.पी. मार्गन ने सुझाव दिया है कि पैट्रोल की कीमतें जल्दी ही 380 डॉलर प्रति बैरल डॉलर प्रति बैरल तक जा सकती हैं। बैंक ने अपनी भविष्यवाणी ऑयल मार्केट्स के ट्रैण्ड्स और बड़े उत्पादकों की सप्लाई के आधार पर की।

इसका वैश्विक अर्थव्यवस्था पर विध्वंसकारी असर पड़ सकता है। भारत विशेष रूप से बुरी तरह से प्रभावित होगा क्योंकि देश को अपने ऑयल तथा गैस उपभोग का 75 से 80 प्रतिशत आयात करना होता है। देश को पैट्रोलियम पदार्थों की सतत सालानी का हमेशा ध्यान रखना पड़ता है।

करीब 4सौ डॉलर प्रति बैरल की ऑयल कीमत किसी भी सूरत में भारतीय अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती हैं। भारत की बात छोड़िए, जो कि अब भी एक बेहतर स्थिति में हैं, कई अन्य उभरते व गरीब देश फिर से घोर गरीबी का शिकार हो सकते हैं।

- ऑयल की कीमत में इतनी भारी वृद्धि का मुख्य कारण है, रूस और यूरोपियन यूनियन के बीच चल रही आर्थिक युद्ध सी स्थिति।
- यूरोपियन यूनियन व अमेरिका द्वारा रूस से व्यापार करने के खिलाफ प्रतिबंध लगाने से, ऑयल की आवक कम हो गयी है बाजार में तथा कीमत धीरे-धीरे बढ़ रही है। पर जैसे ही विश्व की इकॉनमी की स्थिति में थोड़ा भी सुधार हुआ, ऑयल की कीमत में भारी उछाल आयेगा।
- रूस के साथ व्यापार पर लगे प्रतिबंध का भी उतना प्रभाव नहीं पड़ रहा। क्योंकि रूस सीधे ग्राहकों को ऑयल सप्लायी कर रहा है, हालांकि सप्लायी उतनी नहीं, जितनी प्रतिबंधों से पहले थी।
- पर, रूस ने ऑयल की कीमत बढ़ाकर अपनी आमदनी को गिरने नहीं दिया है और लम्बे समय तक युद्ध लड़ने की स्थिति में है।
- यूरोपियन यूनियन व अमेरिका ऑयल की कीमत पर सीलिंग लगाने की सोच रहे हैं, रूस को और दिक्कत में डालने के लिये।

जे.पी. मॉर्गन ने ध्यान दिलाया है कि ऑयल तथा गैस की सप्लाई में आ रहे व्यवधान मनोवेग बढ़ा रहे हैं और कीमतें वर्तमान में ऊपर जा रही हैं। तथापि इन मनोभावों में रूपान्तरण हो सकता है और वैश्विक अर्थव्यवस्था में थोड़ा सुधार आने पर तेल की कीमतें बढ़ सकती हैं।

आयल मार्केट की खबरों ने संकेत दिया किया कि ग्लोबल ऑयल मार्केट्स में कीमतें कम होने का मनोभाव ऑयल की कीमतों में तेजी का मार्ग प्रशस्त कर रहा है। ऐसा मुख्यत: कोविड् वैश्विक महामारी के संभावित अंत और वैश्विक अर्थव्यवस्था में पुन: रिकवरी की बातों के कारण है।

इसके साथ ही रूस पर लगे व्यापक प्रतिबंध वहां से बाजारों में ऑयल के संभावित निर्यात के एक बड़े हिस्से को चलन से बाहर रखे हुए है। वास्तव में रूस अपने उत्पादित तेल को बेच रहा है, हालांकि ऐसा उत्पादक और खरीदारों के बीच प्रत्यक्ष सम्पर्कों के कारण ही हो रहा है।

रूस पर लगे प्रतिबंध वैश्विक बाजारों को नुकसान पहुंचाने लग गए हैं और पश्चिमी देशों की अर्थव्यवस्थाएं भी तंगहाली में आ रही हैं। ऐसा रूस की नीति के कारण भी है जो यूक्रेन का समर्थन करने के कारण पश्चिमी देशों को दण्ड देना चाहता है।

प्रतिबन्ध लगाये जाने के परिणाम स्वरूप, अपनी नीतियों और रूख को बदलने के बजाय, रूस पश्चिमी को किये जाने वाले निर्यातों को नियन्त्रित करने में पहले से दोगुनी कमी कर रहा है। वह ऐसा आसानी से कर सकता है

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पत्रकारिता

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो

नई दिल्ली, 4 जुलाई। देश की राजधानी में पत्रकारों ने सोमवार को चिंता प्रकट करते हुए कहा कि सरकार को अपनी कानून प्रवर्तन एजेन्सियों को मनमाने तरीके से काम करने से रोकना

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- देश की राजधानी में प्रैस क्लब में हुई पत्रकारों की बैठक में केन्द्र सरकार से अपील की गई कि पत्रकारों के खिलाफ मनमानी कार्यवाही बंद की जाए।

बैठक रद्द

जयपुर, 4 जुलाई (का.प्र.)। राष्ट्रपति पद के लिये विपक्ष के संयुक्त उम्मीदवार यशवंत सिन्हा के बीमार होने के कारण 5 जुलाई को जयपुर के होटल क्लार्क आमेर में होने वाली विधायक दल की बैठक को रद्द कर दिया गया है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- कांग्रेस विधायक दल की 5 जुलाई की बैठक और भोज को रद्द कर दिया गया है। राष्ट्रपति पद के प्रत्याशी यशवन्त सिन्हा के प्रचार हेतु आगमन पर बैठक होनी थी।

द्रौपदी मुर्मू की उम्मीदवारी पर भाजपा व यशवंत सिन्हा में लेई-देई शुरू

सिन्हा ने कहा, द्रौपदी मुर्मू विश्वास दिलायें कि वे ''रबड़-स्टाम्प'' राष्ट्रपति नहीं होंगी

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 जुलाई। भाजपा, जो बयानों और टिप्पणियों को संदर्भ से अलग हटाकर, तोड़ने-मरोड़ने में सिद्धहस्त है, ने आज राष्ट्रपति पद के लिये विपक्ष के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा की इस अपील को तोड़ने-मरोड़ने की कोशिश की, जिसमें उन्होंने अपनी प्रतिद्वंदी द्रौपदी मुर्मू से कहा था कि वे यह पक्का करें कि राष्ट्रपति निर्वाचित हो जाने की स्थिति में वे ''रबर स्टाम्प राष्ट्रपति'' नहीं बनेंगी।

सिन्हा की इस अपील से परेशान एवं उत्तेजित होते हुये, भाजपा के शीर्ष नेतृत्व ने राष्ट्रीय महासचिव सी.टी. रवि से कहा कि वे राष्ट्रपति चुनाव में संयुक्त विपक्ष के उम्मीदवार पर उनकी ''रबर स्टाम्प राष्ट्रपति'' वाली टिप्पणी को लेकर, पलटवार करें।

रवि ने सिन्हा के शब्दों को तोड़ते-मरोड़ते हुये, आज कहा कि यह सोच ही कि एक आदिवासी महिला राष्ट्रपति पद के लिये सामर्थ्यवान नहीं है, व्यक्ति की ''घिनौनी मानसिकता'' को दर्शाती है।

रवि उस प्रश्न पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे थे, जो सिन्हा द्वारा भाजपा के नेतृत्व वाले एन.डी.ए. की प्रत्याशी द्रौपदी मुर्मू से की गई अपील से संबंधित था कि द्रौपदी मुर्मू, जो ओडिशा के आदिवासी समुदाय हैं, यह आश्वासन दें कि वे ''रबर स्टाम्प राष्ट्रपति'' नहीं बनेंगी।

रवि ने कहा, ''निश्चित रूप से, देश को रबर स्टाम्प राष्ट्रपति नहीं चाहिये, लेकिन इसके साथ ही, अपने दम पर आगे बढ़ी एक आदिवासी महिला, जो अपनी सामर्थ्य सिद्ध कर चुकी हैं, के खिलाफ एक झूठे दुष्प्रचार में लिप्त होने की मानसिकता खतरनाक है। ऐसी मन:स्थिति खतरनाक होती है जिसमें व्यक्ति केवल स्वयं को ही (किसी चीज या पद के) काबिल मानता है।''

बेंगलुरू में मीडियाकर्मियों से बात करते हुये, वे मुर्मू के विश्वासोत्पादक गुणों को साबित करते रहे ताकि जनता में उनके प्रति हमदर्दी की भावना पैदा हो तथा लोगों को यह लगे, मानो सिन्हा ने उन्हें पीड़ा पहुँचाई है, उन पर अत्याचार किया है। रवि ने कहा, ''मुर्मू, जो

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव ने प्रत्युत्तर में कटाक्ष किया कि, सिन्हा का यह सोचना कि, वो ही निष्पक्ष व योग्य राष्ट्रपति हो सकते हैं, कोई आदिवासी महिला नहीं, एक विकृत सोच का द्योतक है।
- यशवन्त सिन्हा ने यह भी कहा कि, भाजपा, ई.डी. व इन्कम टैक्स को उपयोग कर रही है, अपने प्रतिद्वंद्वियों को ठिकाने लगाने के लिये। भाजपा के महासचिव ने कहा, जो ईमानदारी से व्यापार/काम करते हैं उन्हें ई.डी./आयकर का कोई भय नहीं होता। पर, जो भ्रष्ट हैं उन्हें जरूर ई.डी. व इन्कम टैक्स का भय सताता रहता है।

जापान में लू

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 4 जुलाई। जापान सबसे भीषण गर्मी का सामना कर रहा है। वहां के अधिकारी जनता से अनुरोध कर रहे हैं कि वे लू से बचने के लिए अपने एयर कंडीशनर्स चालू रखें। द न्यूयॉर्क टाइम्स की एक खबर कहती है कि ऐसा करने से पावर सप्लायी में कमी आ सकती है।

जापान की वृद्ध आबादी लू और थकावट के प्रति विशेष रूप से संवेदनशील है और अधिकारियों ने लू को कई मौतों का कारण माना हैं।

- जापान अब तक की सबसे भीषण गर्मी का सामना कर रहा है, वहां भारी लू चल रही है।

अस्तपतालों में भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या बढ़ रही है। अधिकारियों ने बताया कि हाल ही के दिनों में लू और थकावट के लक्षणों वाले 4 हजार 5 सौ से अधिक लोगों को एम्बूलैंसों में अस्पताल ले जाया गया। यह आंकड़ा एक वर्ष पूर्व की इसी अवधि से चार गुना अधिक है। अधिकांश मरीज 65 से अधिक उम्र के थे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'कांग्रेस के नेताओं-कार्यकर्ताओं को डिज़ायर की आवश्यकता क्यों पड़े'

कांग्रेस के विधायक वेद प्रकाश सोलंकी ने उठाया डिज़ायर सिस्टम पर सवाल

जयपुर, 4 जुलाई (का.प्र.)। राजस्थान में सरकार ने तबादलों से बैन हटा दिया है और इन दिनों मंत्री-विधायकों के यहां तबादला कराने के इच्छुक कर्मचारियों और उनके परिजनों का आना-जाना लगा हुआ है, लेकिन कांग्रेस सरकार में परंपरा बन चुकी है जिसके तहत तबादला चाहने के इच्छुक कर्मचारियों को क्षेत्रीय विधायक,या हारे हुए कांग्रेस उम्मीदवार की डिजायर कराना जरूरी होता है, अन्यथा उसकी ट्रांसफर एप्लीकेशन को कचरे के डिब्बे में डाल दिया जाता है। इसी डिजायर सिस्टम को लेकर कांग्रेस के विधायक वेद प्रकाश सोलंकी ने सवाल उठाए हैं और कहा है कि जो कार्यकर्ता लंबे समय से पार्टी में काम कर रहा है, उसे अपने परिजनों का काम कराने के लिए किसी भी विधायक की डिजायर की जरूरत नहीं होनी चाहिए।

- सोलंकी ने कहा, पार्टी का लंबे समय से कार्यकर्ता हो, पूर्व प्रधान हो, ब्लॉक अध्यक्ष हो उसके लिए डिज़ायर की जरूरत क्यों।
- वेद सोलंकी बोले- मुख्यमंत्री बहुत बातें कहते हैं, सभी से हम सहमत हों, जरूरी नहीं।

प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में जनसुनवाई के बाद सोलंकी ने कहा कि ''प्रदेश कांग्रेस में जनसुनवाई शुरू हुई है, इसका मैं स्वागत करता हूं। यहां बहुत सारे लोगों का काम हो रहा है और यह भी देख रहा हूं कि कई पुराने कार्यकर्ता अपने परिजनों के तबादले कराने को लेकर परेशान हो रहे हैं, लेकिन हर विभाग के मंत्री की ओर से तबादला कराने के लिए डिजायर मांगी जा रही है।'' वेद सोलंकी ने कहा कि ''मेरा मानना है और मैं हमेशा कहता रहा हूं कि जो कांग्रेस कार्यकर्ता लंबे समय से पार्टी में काम कर रहा है, जो ब्लॉक अध्यक्ष रहा हो, प्रधान रहा हो, पूर्व विधायक हो, पार्टी का प्रत्याशी बनने से रह गया हो, लेकिन पार्टी का चेहरा हो, ऐसे लोगों के लिए अपने परिजनों का तबादला कराते समय किसी भी विधायक की डिजायर की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए।''

यदि कांग्रेस से यह सिस्टम हट जाएगा तो कार्यकर्ताओं का मनोबल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'वैभव गहलोत क्या रामेश्वर डूडी की राजनीतिक हत्या करना चाहते हैं?'

आर.सी.ए. से नागौर जिला क्रिकेट संघ के निलंबन के बाद सचिव राजेन्द्र सिंह ने आरोप लगाया

जयपुर, 4 जुलाई (का.प्र.)। राजस्थान में क्रिकेट की लड़ाई के जरिए अब राजस्थान कांग्रेस के भीतर का संघर्ष भी तेज हो सकता है। राजस्थान क्रिकेट संघ के अध्यक्ष एवं मुख्यमंत्री के पुत्र वैभव गहलोत ने जिस नागौर क्रिकेट संघ को निलंबित किया है, उसके अध्यक्ष रामेश्वर डूडी हैं, जो फिलहाल राजस्थान सरकार में ना सिर्फ कैबिनेट मंत्री हैं, बल्कि बीकानेर संभाग के जाट नेता भी है।

नागौर, श्रीगंगानगर और अलवर जिला क्रिकेट संघ के निलंबन के बाद नागौर जिला क्रिकेट संघ के सचिव राजेंद्र सिंह नंदू ने आरोप लगाया है कि रामेश्वर डूडी नागौर जिला क्रिकेट संघ के अध्यक्ष हैं और उनकी राजनीतिक हत्या करने के लिए ही नागौर जिले को निलंबित किया गया है। उल्लेखनीय है कि जिस समय रामेश्वर डूडी आरसीए अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ना चाहते थे, उस समय भी उन्हें नामांकन भरने से वंचित किया गया था। ऐसे में अब जब डूडी की अध्यक्षता वाले जिले का निलंबन हुआ है तो कांग्रेस में इसे लेकर संघर्ष हो सकता है।

- आर.सी.ए. को भ्रष्टाचार का अड्डा भी बताया, नागौर क्रिकेट के सचिव राजेन्द्र सिंह नंदू ने।

सोमवार को राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की विशेष जनरल बॉडी की हंगामेदार मीटिंग में सबसे पहले नागौर, श्री गंगानगर और अलवर जिलों के संघों को निलंबित करने का फैसला किया गया। इस दौरान नागौर जिला संघ के सचिव राजेंद्र सिंह नांदू ने आरसीए को भ्रष्टाचार का अड्डा बताते हुए खूब हंगामा किया। उन्होंने कहा कि ''राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन भ्रष्टाचार का अड्डा बन गई है और जिस भी क्रिकेट संघ का पदाधिकारी इनके खिलाफ बोलता है,, यह लोग उस पर कार्रवाई करने लग जाते हैं। राजेंद्र ने कहा कि, हम नियमों के आधार पर सलैक्ट होकर यहां पहुंचे हैं। लेकिन यह लोग भूल गए कि वक्त सबका आता है। जब हमारा वक्त आएगा तब हम उनके काले कारनामों को सार्वजनिक कर इनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करेंगे।''

दूसरी ओर इन आरोपो पर आरसीए अध्यक्ष वैभव गहलोत ने कहा कि इन लोगों के काम की वजह से आरसीए पर बीसीसीआई का एक लंबा बैन लग चुका है। ऐसे में हम नहीं चाहते की दोबारा ऐसी कार्रवाई का सामना करना पड़े। इसलिए जब तक जिला संघों को लेकर इनका स्पष्ट जवाब नहीं मिलता है। तब तक इन तीनों ही जिला संघों को निलंबित करने का सर्व सम्मति से फैसला लिया गया है।

वैभव गहलोत ने बताया कि मीटिंग में जिला संघों को मिलने वाली राशि को बढ़ाकर 3 लाख से 5 लाख करने का

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

दुरात्मा के लिए देश भक्ति अंतिम शरण है। –जॉन्सन

जनता की समस्याओं से बेखबर सरकार

लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था में सरकार से यह अपेक्षा रहती है कि वह जनता की समस्याओं को अच्छी तरह समझे और उनके निराकरण का निरंतर प्रयास करे। वर्तमान समय में इसका विपरीत होता दिखाई देता है। जनता की समस्याओं से सरकार का कोई संबंध नहीं रहा है और सरकार केवल घोषणा मात्र करके अपने कर्तव्य की इतिश्री मान लेती है। आम जनता दिन-प्रतिदिन समस्याओं से जूझती है किन्तु उसके कानों पर जूं तक नहीं रेंगती। इसे स्पष्ट करने के लिए कुछ उदाहरण देना उपयुक्त होगा।

वर्षा का मौसम प्रारंभ हुआ ही है किंतु सड़कें जगह-जगह पर टूट गई हैं और पानी के निकास की समुचित व्यवस्था न होने से सड़क पर चलते समय यह पता नहीं रहता कि पानी के नीचे खड्डे तो नहीं है। वाहन चालक अथवा पैदल व्यक्ति दुर्घटनाग्रस्त होने की आशंका से ग्रस्त रहता है। वर्षों से यह समस्या चली आ रही है। बरसात का पानी जमा हो जाता है और घंटों तक वह यातायात को बाधित कर देता है। दुनिया देश के कई शहरों में देखा गया है कि चाहे कितनी भी बरसात हो, पानी के निकास की व्यवस्था इतनी अच्छी होती है कि कुछ ही समय बाद सड़कों पर पानी नहीं रहता। इससे जहां आवागमन सुगमता से चलता रहता है, वहीं सड़कें भी लंबे समय तक अच्छी बनी रहती हैं। इस छोटी सी समस्या का, पता नहीं क्यों, तथाकथित उच्च शिक्षित इंजीनियर अभी तक समाधान नहीं कर पाए हैं।

वर्षा ऋतु में सड़क के टूटने से कितनी दुर्घटनाएं होती हैं, यह जानकारी सरकार द्वारा सार्वजनिक की जाए, तो वह चौंकाने वाली होगी। सड़कें यदि वर्षा के पहले ठीक कर दी जाएँ और पानी के निकास की उचित व्यवस्था हो तो कोई कारण नहीं कि जयपुर एवं अन्य शहरों में पानी के भराव की और सड़कों के टूटने की समस्या का निराकरण न हो सके।

इसी प्रकार, प्रतिवर्ष नालों की सफाई समय पर न होने की समस्या मीडिया द्वारा सामने लाई जाती रही है किंतु स्थिति ऐसी होती है 'जैसे ढाक के तीन पात'। नाले सामान्यतया मॉनसून आने के बाद नालों की सफाई का काम प्रारंभ किया जाता है। नाले से निकाली गई गंदगी के ढेर नालों के पास कई दिनों तक वहां से नहीं उठाए जाते, जिससे वह पुनः बह कर नालों में चली जाती है।

जनता की समस्याओं से सरकार को कोई वास्ता नहीं है, इसका एक और उदाहरण शिक्षा विभाग ने प्रस्तुत किया है। शिक्षा विभाग के द्वारा इस बार सभी सरकारी स्कूल के विद्यार्थियों को निशुल्क यूनिफार्म वितरण की घोषणा की गई थी। सत्र प्रारंभ होने के बाद भी अभी तक लगभग 70 लाख बच्चों के लिए यूनिफॉर्म उपलब्ध होना तो दूर, इसके लिए कपड़ा क्रय करने की प्रक्रिया भी पूरी नहीं हो पाई है। ऐसी स्थिति में अभिभावकों के पास अपने स्वयं के स्तर पर यूनिफॉर्म बनवाने के अतिरिक्त कोई विकल्प नहीं बचा है। आधा सत्र पूरा होने के बाद यदि यूनीफॉर्म दी जाएगी तो उसका उद्देश्य कितना पूरा हो पाएगा, यह संदेहास्पद है।

इसी तरह, कोरोना के कारण बच्चों के शैक्षणिक स्तर में हुए हुई कमी को पूरा करने की दृष्टि से राजस्थान शैक्षिक अनुसंधान परिषद के द्वारा कई प्रकार की शैक्षिक सामग्री तैयार कराई गई जिनमें वर्कशीट भी सम्मिलित है। वर्कशीट एवं अन्य सामग्री पर्याप्त संख्या में अब तक विद्यालयों में पहुंच जानी चाहिए थी। वास्तविकता यह है कि, यह अभी तक किसी भी विद्यालय में नहीं पहुंचाई गई है। कुछ स्वैच्छिक संस्थाओं द्वारा प्रायोगिक रूप से कुछ सरकारी विद्यालयों में इसको प्रारंभ करने का प्रयास किया गया तो उन्हें अपने ही स्तर पर इन वर्कशीट की व्यवस्था करने हेतु बाध्य होना पड़ा। सरकार को यह ध्यान रखना होगा कि यदि वह वास्तव में जनता के हित में कोई घोषणा करती है, तो उसके लिए आवश्यक व्यवस्था समय पर की जाना सुनिश्चित करे, अन्यथा उसका उद्देश्य पूरा नहीं होगा। साथ ही इस पर किया गया व्यय भी व्यर्थ ही जाएगा। सरकार में किसी को इससे किसी को कोई लेना-देना नहीं कि भारत की जनता से वसूल की गई धनराशि किस प्रकार से बर्बाद होती है?

इस स्थिति से यह स्पष्ट होता है कि समय पर कार्य पूरा होने के लिए किसी की जिम्मेदारी एवं जवाबदेही तय नहीं है। अधिकारी गण काम न करके भी न केवल नौकरी में बने रहते हैं बल्कि पदोन्नित भी प्राप्त करते रहते हैं। कार्य के प्रति उनकी उदासीनता, जनता के लिए कितनी कष्टकारी होती है, यह अनुभव करने के उन्हें कभी-कभार, सामान्य नागरिक के रूप में सरकारी कार्यालयों में जाकर रखकर अनुभव करने का प्रयास करना चाहिए।

कुछ वर्ष पूर्व स्वच्छ भारत अभियान प्रारंभ होने के बाद भी जयपुर शहर में गली-गली में गंदगी के ढेर पढ़े हुए हैं। इनके कारण प्रतिवर्ष अनेक प्रकार की बीमारियां होती हैं जिनके इलाज के लिए न केवल नागरिकों को अपनी जेब से धनराशि खर्च करनी होती है और परेशानी उठानी पड़ती है, अपितु सरकार को भी सरकारी अस्पतालों के माध्यम से इलाज करने पर बहुत बड़ी धनराशि इस पर व्यय करनी पड़ती है। इन सब से बचा जा सकता है, यदि स्थानीय निकाय समय-समय पर सभी मोहल्लों-गलियों में गंदगी के ढेर को समय पर निस्तारित करें। आज के वैज्ञानिक युग में यह पता करना कठिन नहीं है कि प्रतिदिन कितना ठोस कचरा एक शहर में उत्पादित होता है एवं उसके निस्तारण के लिए क्या एवं कैसी व्यवस्था है? क्या हम सरकारी अधिकारियों से इतनी भी अपेक्षा नहीं कर सकते कि वह गंदगी को तत्काल उपयुक्त साधनों से निर्धारित स्थान तक ले जाएं।

अधिकारियों को चाहिए कि वह सामान्य नागरिकों से संपर्क बनाए रखें एवं एक समानुभूति का भाव रखते हुए अपने विभाग से संबंधित समस्याओं को कम से कम करने हेतु व्यवहारिक दृष्टिकोण अपनाएं। यदि जनता की समस्याएं दूर होंगी और उनके काम सरलता से होंगे तो निश्चित रूप से न केवल जनता को राहत मिलेगी, अपितु सरकार की छवि एक ऐसी सरकार की बनेगी जो जनता की समस्याओं से बेखबर नहीं है।

पार्किंग व्यवस्था की भी हालत बेहाल है पूरे शहर में सड़कों की चौड़ाई का लगभग आधा अथवा दो तिहाई भाग अनधिकृत रूप से पार्किंग किए गए वाहनों में चला जाता है। साथ ही, दुकानदारों द्वारा अपने निर्धारित सीमा से बाहर सामान का प्रदर्शन करने से स्थिति और विकट हो जाती है। क्या यह संभव नहीं कि गहरी पीली रेखा सड़क के दोनों और खींच ली जाए और उसके बाहर जैसे कोई वाहन दिखे उसे तत्काल क्रेन के द्वारा वहां से हटवा लिया जाए। जो लोग निर्धारित पार्किंग व्यवस्था का उपयोग करना भी चाहते हैं तो वह भी सही जानकारी के अभाव में ऐसा नहीं कर पाते। आज, किसी को नहीं पता कि कहां वाहन पार्क किए जा सकते हैं और कहां नहीं? कभी खाली सड़कों से वाहनों को उठा लिया जाता है और अधिकांश समय अत्यंत भीड़ भरी सड़कों पर अनधिकृत वाहनों के विरुद्ध कोई कार्यवाही नहीं की जाती। व्यापारियों के वाहन दिन भर वहीं दुकान के समक्ष बाहर खड़े रहेंगे तो ग्राहकों के वाहन कहां पर पार्क किए जाएंगे, इस बारे में कोई ध्यान नहीं दिया जाता। इसका नुकसान दुकानदारों को ही अधिक उठाना पड़ता है। शहर में पार्किंग स्थान पर्याप्त मात्रा में बनाने की बात कई वर्षों से की जा रही है किंतु अभी तक इस बारे में कोई ठोस प्रगति नहीं हुई है। वाहनों की खरीद पर को नियंत्रित करने की कोई व्यवस्था नहीं है। कहने को तो, वाहनों के पंजीकरण के समय वाहनों को सड़क पर पार्क नहीं करने से संबंधित नियम बनाया हुआ है और एक नए वाहन के पंजीकरण के समय वाहन मालिक से एक प्रमाण पत्र लिया जाता है कि उसके पास अपने वाहन को पार्क करने के लिए उसके मकान में पर्याप्त स्थान है। इसके बावजूद लगभग 80 प्रतिशत वाहन सड़कों पर ही रहते हैं। उनके द्वारा झूठे शपथ पत्र दिया जा रहे हैं जिन पर कोई ध्यान नहीं देता, क्योंकि सरकार को जन समस्याओं को हल नहीं करना है अपितु हल करने का दिखावा करना है।

आश्चर्य तो यह है कि सरकार नागरिकों के समस्याओं को दूर करने के बजाय उनके लिए कई प्रकार की नई-नई समस्याएं अवश्य खड़ी कर देती हैं। उदाहरण के लिए, हाल ही में विवाह के पंजीकरण के संबंध में यह आदेश पारित किया गया कि नवविवाहित लड़के और लड़की दोनों का जन आधार धार कार्ड जब तक नहीं होगा तब तक उनका विवाह का पंजीकरण नहीं किया जा सकता है। यह उल्लेखनीय है कि जन आधार कार्ड केवल राजस्थान में ही लागू होता है और अन्य किसी राज्य में इस प्रकार की कोई अवधारणा नहीं है। हमारे एक परिचित के पुत्र के विवाह के बाद अनेक प्रयास के बावजूद संबंधित नगर निगम में इस आधार पर पंजीकरण से इंकार कर दिया गया कि वधू का आधार कार्ड नहीं था। वह चूंकि उत्तर प्रदेश की निवासी थी, उसका जन आधार कार्ड बन ही नहीं सकता था। पूरे देश में जब आधार कार्ड को पहचान पत्र की तरह स्वीकार कर लिया है तो फिर राजस्थान में सामान्य कार्यों के लिए जन आधार कार्ड की अनिवार्यता बेतुकी लगती है। स्पष्ट है, जिन लोगों ने भी आदेश जारी किया उन्होंने वास्तविकता को जानने की और पता करने की कोई कोशिश नहीं की। क्या वे यह मानते थे कि राजस्थान में प्रत्येक शादी केवल राजस्थान के ही लड़के अथवा लड़की के बीच में होगी? यदि नहीं, तो इस प्रकार का आदेश जारी करने से जनता को कितनी बड़ी परेशानियां हुई हैं उसकी कल्पना उन्होंने क्यों नहीं की? इस आदेश से विशेषकर उन लोगों को परेशानी हुई जिनको विवाह प्रमाण पत्र बनवाना था। हमारे परिचित ने तो यही अच्छा समझा कि वह उत्तर प्रदेश में जाकर उस शहर से विवाह प्रमाण पत्र बनवा ले जहां की लड़की थी। वहां पर यह विवाह प्रमाण पत्र एक ही दिन में बना दिया गया क्योंकि वहां पर जन आधार कार्ड की अनिवार्यता नहीं थी। मीडिया ने यह बात उठाई तो फिर अंततः सरकार को यह आदेश वापस लेना पड़ा, किंतु प्रश्न यही है कि ऐसा बेतुका आदेश जारी ही क्यों हुआ?

उदयपुर की नृशंस हत्या की घटना के बाद इन्टरनेट पर कई दिन तक रोक रही जिसके कारण आम जनता को अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ा। यह तो वैसे ही हुआ जैसे बालों में जूं होने पर सिर ही काट दिया जाय।

सरकार वास्तव में जनसमस्याओं के प्रति यदि संवेदनशील है और उनका निराकरण करने हेतु इच्छुक है तो बहुत सरल तरीका अपना सकती है। कोई भी नया आदेश जारी करने से पूर्व उसकी व्यवहारिकता एवं उसका नागरिकों पर होने वाले प्रभाव का आकलन करने हेतु कुछ स्वैच्छिक कार्यकर्ताओं के माध्यम से इसका परीक्षण करा लिया जाए। यदि एक सामान्य व्यक्ति की तरह ऐसा करने में वे सफल हो जाते हैं और उन्हें कोई परेशानी नहीं होती तो फिर उसे पूरे राज्य में लागू करना चाहिए। अधिकारियों को चाहिए कि वह सामान्य नागरिकों से संपर्क बनाए रखें एवं एक समानुभूति का भाव रखते हुए अपने विभाग से संबंधित समस्याओं को कम से कम करने हेतु व्यवहारिक दृष्टिकोण अपनाएं। यदि जनता की समस्याएं दूर होंगी और उनके काम सरलता से होंगे तो निश्चित रूप से न केवल जनता को राहत मिलेगी, अपितु सरकार की छवि एक ऐसी सरकार की बनेगी जो जनता की समस्याओं से बेखबर नहीं है।

वर्तमान स्थितियों और अनुभव के आधार पर तो यही कहा जाएगा कि सरकार आम नागरिक की समस्याओं से बिल्कुल बेख़बर है।

–अतिथि सम्पादक,
राजेन्द्र भाणावत
(पूर्व आई.ए.एस. अधिकारी)

नव-सामंतों का अहंकार एवं अनुशासनहीनता

भारतीय प्रशासनिक एवं पुलिस सेवा के नव-सामंतों (अधिकारियों) का अभिमान जनता को सरेआम रोज अपमानित कर रहा है। आजादी के आजादी के बाद जब राजा का चयन जनता के मतदान से होने लग गया फिर भी जनता विवश है, सचिवालय और सरकारी कार्यालयों में अपमानित होने के लिए। जनता का सौभाग्य केवल यह है कि उसके मतों से चुना हुआ राजा (राजनीतिज्ञ) जरूर उसको अपमानित नहीं कर रहा है। आम जनता के लिए राजनीतिज्ञों के द्वार 24 घण्टे खुले हैं। राजनीतिज्ञ को पता है हर पाँच वर्ष में उसे जनता की महरबानी की आवश्यकता होती है।

तकलीफ की वजह राजनीतिज्ञ नहीं उसके अधीनस्त काम करने वाले अधिकारी है। जिन्हे हर पाँच वर्ष में किसी प्रकार की परीक्षा से नहीं गुजरना है। व्यवहार में सभी सरकारी आदेश अधिकारियों के हस्ताक्षर से ही जारी होते है। वर्तमान व्यवस्था में नव-सामंत स्वाभाविक रूप से ताकतवर हैं। यही ताकत उनके अभिमान का कारण बन जाती है। इन्होने अपने लिए सर्विस रूल्स ऐसे बना रखे हैं कि खुले आम रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़े जाने के बावजूद भी दो-चार वर्षों में पुनः उसी कुर्सी पर नजर आते हैं। जनता को अपमानित करना तो जैसे कोई अपराध ही नहीं है। राजकीय सुविधाओं का दुरूपयोग तो इनका जन्मसिद्ध अधिकार हो गया है।

भारतीय प्रशासनिक एवं पुलिस सेवा के अधिकारियों ने देश में एक ऐसा वातावरण बनाया कि जैसे यह मुल्क इन्ही के बलबुते पर चल रहा है। इस खेल में मीडिया का भी इन्हें भरपूर सहयोग मिला है। समस्त असफलताओं एवं गलतियों के लिए राजनीतिज्ञों को जिम्मेदार ठहराने में तो जैसे इन्होंने पीएच.डी. कर रखी है। राजनीतिज्ञों की इमेज को खराब एवं कमजोर करने में नव-सामन्तों की प्रभावी भूमिका है। जब कि धरातल पर सच्चाई का एक मामूली उदाहरण पर्याप्त है कि किसी आपातकाल में आप दिन में 12 बजे जिलाधीश को फोन करें, फोन उठाने की सम्भावना जीरो है। जबकि रात्रि में 12 बजे भी किसी विधायक या सांसद को फोन करो, फोन उठाने की सम्भावना पूरी है।

अभी हाल ही में वो भी कहीं दूर दराज़ नहीं देश की राजधानी दिल्ली में एक आई.ए.एस. अधिकारी एवं उनकी आई.ए.एस. पत्नी ने अपने पालतू कत्ते को स्टेडियम में घुमाने के लिए निर्धारित समय से पहले सांय 7 बजे स्टेडियम को बन्द करने के आदेश निकाल दिये। अपने अहंकार में सैकड़ों खिलाड़ियों के खेल को नजरअन्दाज कर दिया। आभार है उन राजनीतिज्ञों का जिन्होंने तत्काल सत्ता में मदहोश दोनों अधिकारियों का स्थानान्तरण क्रमशः लद्दाख और अरूणाचल प्रदेश कर दिया। परन्तु प्रायः इस प्रकार के अहंकार का इलाज समय पर नहीं किया जाता है। इसलिए यह रोग लगातार बढ़ रहा है।

डॉ. कैलाश सोडाणी

- **आज खुले आम रिश्वत लेते हुए पकड़े जाने के बावजूद भी अधिकारी दो-चार वर्षो में पुनः उसी कुर्सी पर नजर आते हैं**

आप इनकी गाड़ियों को अमूमन नो पार्किंग जॉन में ही पायेंगे। चौराहों पर लाल बत्ती इनके लिए नहीं होती है। सिनेमाघर हो या अजायबघर नव-सामन्तों का बिना टिकिट प्रवेश, फाइव स्टार होटल में भोजन व्यवस्था आदि अनेक तरह की सुविधाएं फ्री में प्रदान कराना जैसे स्थानीय पुलिस की संवैधानिक जिम्मेदारी है। सर्किट हाऊस में आवंटित रूम में प्रायः इनके ड्राइवर एवं गनमेन ही ठहरते है। साहब तो किसी फार्म हाऊस या कोठी की शोभा बढ़ाते हैं, जहाँ श्रेष्ठ सुविधाओं के साथ-साथ निजता भी मिलती है। यह निजता इनके कार्य-कलापों के लिए अत्यन्त आवश्यक है। शहर पुलिस की कमी से परेशान है परन्तु अधिकारियों के घरों पर 5-10 कांस्टेबल स्थायी रूप से सेवा में लगे हुए हैं।

आजकल नव-सामंतों को सामंतशाही की समयावधि की समाप्ति के पश्चात् राजनीति में प्रवेश का बुखार चढ़ रहा है। सनद रहे कि आपका यह कोमल शरीर राजनीति की कठोर डगर के लिए नहीं बना है।

हमारक प्रजातंत्र की परिपक्वता के शिखर पर नव-सामंतों का यह अभिमान, अहंकार, भ्रष्टाचार, सरकारी सुविधाओं के दुरूपयोग की आदत एवं प्रजातंत्र के असली मालिक जनता को अपमानित करने की मानसिकता सरासर गलत है। इलाज की तत्काल आवश्यकता है। अन्यथा प्रजातंत्र ही अर्थहीन हो जायेगा। निःसंदेह भारतीय प्रशासनिक एवं पुलिस सेवा में चयनित अधिकारी प्रतिभा के धनी है, उनकी मेहनत एवं लगन स्वागत योग्य है। फिर आखिर गड़बड़ कहाँ हुई है? चयन के पश्चात् मंसूरी के जिस संस्थान में प्रशिक्षण दिये जाने की व्यवस्था है, वहाँ कोई कमी जरूर है। शायद अंग्रेजों के राज की परम्पराएं अभी भी जीवित हो। संस्थान को अपना पाठ्यक्रम बदलना होगा। नव-सामंतों के जेहन में राष्ट्रीयता एवं राष्ट्रप्रेम का भाव उतारना होगा। वहीं भाव इनके अहंकार को समाप्त करेगा। साथ ही राजनीतिज्ञों एवं मीडिया को भी मजबूती से अपनी भूमिका निभानी होगी।

डॉ. कैलाश सोडाणी,
पूर्व कुलपति,
एमडीस वि. वि अजमेर

सिरोही में फौजी ने 2100 पेड़ वितरण कर मनाया जन्मदिन

अनिल फौजी व उनकी टीम ने पेड़ लगाओ जीवन बचाओ मुहिम के तहत पांच हजार से अधिक पेड़ लगाये।

पाटन, (निसं)। उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत सिरोही में जनहितेषी संस्था के संस्थापक अनिल फौजी ने अपने जन्मदिन पर अपने निवास स्थान पर 2100 पेड़ वितरण कर जन्मदिन मनाया। अनिल कस्वा भारतीय तिब्बत सीमा सुरक्षा बल में कार्यरत हैं अपने देश की सेवा के साथ साथ प्रकृति की सेवा में भी तत्पर रहते हैं।

वे देशवासियों से निवेदन करते हैं कि वो अधिक से अधिक पेड़ लगाएं। जनहितेषी संस्था द्वारा पेड़ लगाओ जीवन बचाओ मुहिम के तहत 5 हजार से अधिक पेड़ ग्रामीणों के सहयोग से आवश्यक जगहों पर लगाये गये है।

इस वर्ष संस्था के द्वारा 2100 पेड़ पौधे वितरण किये जा चुके हैं तथा बारिश के मौसम में लगभग 2100 और वितरण किये जायेंगे। पेड़ वितरण में सिरोही सरपंच जयप्रकाश कस्वा, कविता सामोता, नगेन्द्र महावा, दीपक शर्मा, जयचंद रोहिलाण, अशोक मिठारवाल, विरेन्द्र शेखावत, तेजपाल अठावाल, विनय धरड़, सतीश काजला, लोकेश ताखर, शीशराम सेवग, मनोज गुर्जर, धर्मपाल, यश स्वामी, श्रीराम लांबा ने भी संस्था को पेड़ वितरण में सहयोग दिया।

नगर परिषद ने पॉलीथिन जब्त कर जुर्माना लगाया

भीलवाड़ा में पुलिस ने प्लास्टिक विक्रय करने वाले दुकानदारों के खिलाफ छापेमार कार्रवाई कर प्लास्टिक की थैलियां जब्त की।

भीलवाड़ा, (निसं)। 1 जुलाई से देशभर में पूर्ण रूप से बैन की गई सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ नगर परिषद ने सोमवार को अभियान की शुरुआत करते हुए प्लास्टिक विक्रय करते दो दुकानदारों के यहां छापेमारी करते हुए 65 किलो प्लास्टिक की थैलियां जब्त की हैं। दोनों पर 32 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया गया है। इस कार्यवाही से प्लास्टिक की थैलियों का कारोबार करने वाले व्यापारियों में हडकंप मच गया।

- **दोनों दुकानदारों पर 32 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया**

जानकारी के अनुसार नगर परिषद के दस्ते ने सोमवार सुबह छीपा बिल्डिंग के नजदीक नागौरी प्लास्टिक पर छापा मारा जहां 40 किलो प्रतिबंधित प्लास्टिक की थैलियां मिलीं। परिषद के अधिशासी अभियंता अखेराम बगडोदिया ने 11 हजार रुपए का जुर्माना किया। बाद में यह टीम इंदिरा मार्केट पहुंची जहां ब्यावर वाले हलवाई के सामने वर्धमान प्लास्टिक की तलाशी लेने पर वहां 25 किलो प्रतिबंधित प्लास्टिक की थैलियां मिली।

जेईई-मेन जून सैशन के 16 सवालों के जवाब पर आपत्ति

कोटा, (निसं)। एनटीए द्वारा आयोजित जेईई-मेन जून के प्रश्नपत्र, आंसर की और रिकॉर्डेड रेस्पांस जारी कर दिए गए स्टूडेंट्स ने अपने रिकॉर्डेड रेस्पांस और आंसर की का मिलान किया।

स्टूडेंट्स की कई सवालों पर आपत्तियां भी रही। इन सवालों के जवाबों को लेकर स्टूडेंट्स ने एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के सब्जेक्ट एक्सपर्ट्स से चर्चा की और उसके बाद ऐसे सवालों के जवाब सामने आए जिसमें एनटीए और एलन के एक्सपर्ट्स और स्टूडेंट्स की राय अलग थी। एलन कॅरियर इंस्टीट्यूट के निदेशक डॉ. बृजेश माहेश्वरी ने बताया कि शनिवार रात्रि एनटीए द्वारा 29 जून को आयोजित अंतिम दिन की जेईई मेन परीक्षा की गलत आंसर की जारी कर दी गई थी। ऐसे में स्टूडेंट्स को परेशानी का सामना करना पड़ा। इसके बाद एनटीए ने रविवार दोपहर संशोधित आंसर की जारी की। एनटीए ने आंसर की पर आपत्ति दर्ज कराने के लिए स्टूडेंट्स को सोमवार शाम 5 बजे तक का समय दिया था। डॉ माहेश्वरी ने बताया कि 7 दिनों में 14 पारियों में हुई परीक्षाओं में 9 सवालों के जवाब ऐसे थे जिनके एलन के जवाब कुछ और थे और एनटीए द्वारा जारी की गई आंसर की में जवाब कुछ और दिए गए थे। इसके अलावा कुल सात सवालों को बोनस अंक के लिए चैलेन्ज किया गया था। एलन एक्सपर्ट्स द्वारा प्रश्नपत्र का अध्ययन कर आंसर की तैयार की जा चुकी है। स्टूडेंट्स अपनी आंसर की का मिलान कर सकते हैं।

सबसे ज्यादा आपत्तियां कैमिस्ट्री में :- स्टूडेंट्स ने सबसे ज्यादा आपत्तियां कैमिस्ट्री के पेपर में जताईं। विद्यार्थियों ने कुल नौ आपत्तियां दर्ज कराते हुए आंसर की को चैलेंज किया। जबकि दो प्रश्नों को बोनस अंकों के लिए चैलेंज किया है। 24 जून सुबह की पारी में सेक्शन बी में प्रेक्टिकल ऑर्गेनिक कैमिस्ट्री के प्रश्न को बोनस अंक के लिए चैलेंज किया है। शाम की पारी में सेक्शन बी में सॉल्युशन पर आधारित प्रश्न के आंसर को चैलेंज किया है। 25 जून शाम की पारी में सेक्शन ए में पीरियोडिक प्रोपर्टीज पर आधारित प्रश्न और 26 जून को सुबह की पारी में सेक्शन ए में पॉलीमर पर आधारित प्रश्न व शाम की पारी में सेक्शन बी में केमिकल बॉन्डिंग के प्रश्न व 27 जून सुबह की पारी में सेक्शन बी में स्टीरियोआईसोमेरिज्म पर आधारित प्रश्न, शाम की पारी में सेक्शन बी में इलेक्ट्रोकैमस्ट्री पर आधारित प्रश्न के आंसर को चैलेंज किया है। 29 जून शाम की पारी में सेक्शन ए में सरफेस कैमिस्ट्री के प्रश्न को बोनस अंक व सेक्शन बी में आइसोमेरिज्म के प्रश्न के आंसर को चैलेंज किया है।

- **स्टूडेंट्स ने एलन एक्सपर्ट्स से चर्चा करने के बाद दर्ज कराई आपत्तियां**
- **सात सवालों को बोनस अंक के लिए चैलेन्ज किया**

मैथ्स व फिजिक्स में ये आपत्तियां :- 24 जून सुबह की पारी में फिजिक्स के पेपर में सेक्शन ए में इलेक्ट्रोमैग्नेटिक वेव्ज पर आधारित प्रश्न को बोनस अंक के लिए चैलेंज किया है। जबकि शाम की पारी में सेक्शन बी में मॉडर्न फिजिक्स पर आधारित प्रश्न को चैलेंज किया गया। वहीं 26 जून शाम की पारी में सेक्शन ए में केटीजी पर आधारित प्रश्न को बोनस अंक के लिए चैलेंज किया है। 28 जून को शाम की पारी में सेक्शन ए में इलेक्ट्रोमैग्नेटिक इंडक्शन पर आधारित प्रश्न के आंसर को चैलेंज किया है। जबकि 25 जून को सुबह की पारी में सेक्शन बी में बाइनोमियल थ्योरम पर आधारित प्रश्न व 27 जून शाम की पारी में सेक्शन ए में डेफिनेट इंटीग्रेशन पर आधारित प्रश्नएवं 29 जून को शाम की पारी में सेक्शन बी में वेक्टर्स पर आधारित प्रश्न को बोनस अंकों के लिए चैलेंज किया है।

राशिफल मंगलवार 5 जुलाई, 2022

पंडित अनिल शर्मा

आषाढ़ मास, शुक्ल पक्ष, षष्ठि तिथि, मंगलवार, विक्रम संवत 2079, पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र दिन 10:30 तक, व्यतिपात योग दिन 12:13 तक, कौलव करण प्रातः 7:01 तक, चन्द्रमा सांय 4:52 से कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थितिः सूर्य-मिथुन, चन्द्रमा-सिंह, मंगल-मेष, बुध-मिथुन, गुरू-मीन, शुक्र-वृष, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

आज रवियोग दिन 10:30 तक और त्रिपुष्कर योग रात्रि 7:29 से सूर्योदय तक है। बुध अस्त पूर्व में सांय 5:35 पर होगा। आज कुमार षष्ठि व्रत, कसुम्बा और कर्दभ षष्ठि, व्यतिपात पूण्य, श्री महावीर स्वामी गर्भ कल्याणक (जैन) है।

श्रेष्ठ चौघड़ियाः चर 9:07 से 10:49 तक। लाभ-अमृत 10:49 से 2:14 तक, शुभ 3:52 से 5:38 तक।

राहूकालः 3:00 से 4:30 तक। सूर्योदय 5:42, सूर्यास्त 7:21

मेष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में शुभ कार्य के लिए बाहर जाने का कार्यक्रम बन सकता है।

वृष
परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता अभी यथावत बनी रहेगी।

मिथुन
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों का प्रभाव-प्रभुत्व बढ़ेगा।

कर्क
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगा।

सिंह
व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक सुविधाएं बढ़ेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। परिवार में मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

कन्या
आर्थिक मामलों में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। धन हानि का भय है। अनावश्यक धन खर्च होगा। व्यावसायिक खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा।

तुला
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी। परिवार में चल रहे आपसी मतभेद समाप्त होंगे।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को अतिरिक्त जिम्मेदारी मिल सकती है। परिवार में शुभ कार्य सम्पन्न हो सकते हैं।

धनु
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे। नवीन कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

मकर
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। परिवार में वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा।

कुंभ
परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

मीन
विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

प्रदेश की ब्यूरोक्रेसी में बड़ा फेरबदल, तैंतीस आईएएस के तबादले

जयपुर समेत सात जिलों के कलेक्टर बदले

■ पांच आईएएस को अतिरिक्त चार्ज सौंपा, एक को एपीओ किया

जयपुर, (का.सं.)। राज्य सरकार ने ब्यूरोक्रेसी में बड़ा फेरबदल कर सोमवार को भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के 33 अफसरों के तबादले किए, जबकि पांच को अतिरिक्त चार्ज सौंपा है। इसके साथ ही जयपुर समेत सात जिलों के कलेक्टर बदले हैं। वहीं एक अफसर को एपीओ किया गया है।

वीना प्रधान को आयुक्त, विभागीय जाँच विभाग, जयपुर, कैलाश चन्द्र मीणा को संभागीय आयुक्त, जोधपुर, प्रतिभा सिंह को निदेशक, पंचायतीराज, जयपुर, विजय पाल सिंह को प्रबन्ध निदेशक, राजस्थान पर्यटन विकास निगम, जयपुर, कुमारी रेणू जयपाल को आयुक्त, महिला अधिकारिता विभाग, राजस्थान, जयपुर, रश्मि गुप्ता को निदेशक, जल ग्रहण विकास एवं भू संरक्षण विभाग, जयपुर, विश्राम मीणा को मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जयपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड एवं आयुक्त, नगर निगम, जयपुर हैरिटेज, जयपुर, प्रकाश राजपुरोहित को जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, जयपुर, डॉ.जितेन्द्र कुमार सोनी को जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट,अलवर, विश्व मोहन शर्मा को संयुक्त शासन सचिव, राजस्व विभाग, राजस्थान, जयपुर, नकाते शिवप्रसाद मदन को प्रबन्ध निदेशक, राजस्थान राज्य औद्योगिक विकास एवं विनियोजन निगम (रीको) एवं पदेन आयुक्त, दिल्ली-मुंबई औद्योगिक कोरिडोर, जयपुर, संदेश नायक को निदेशक, स्वच्छ भारत मिशन, जयपुर, अनिल कुमार अग्रवाल को जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, धोलपुर, ओम प्रकाश कसेरा को आयुक्त (विनियोजन एवं अप्रवासी भारतीय), निवेश संवर्धन ब्यूरो, राजस्थान, जयपुर, आशीष गुप्ता को आयुक्त एवं संयुक्त शासन सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी एवं संचार विभाग एवं प्रबन्ध निदेशक, राजकॉम्प इन्फो सर्विसेज लिमिटेड, जयपुर, डॉ. प्रदीप के.गवांडे को प्रबन्ध निदेशक, राजस्थान राज्य खान एवं खनिज निगम लिमिटेड एवं निदेशक, पैट्रोलियम, उदयपुर, डॉ.मनीषा अरोड़ा को अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक, राजस्थान हथकर्घा विकास निगम, राजस्थान जयपुर, डॉ. इंद्रजीत यादव को जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, डूंगरपुर, टीना डाबी को जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, जैसलमेर, प्रताप सिंह को प्रबन्ध निदेशक, राजस्थान राज्य खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति निगम, जयपुर, अमित यादव को संयुक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी, स्टेट हैल्थ एश्योरेन्स ऐजेन्सी, राजस्थान, जयपुर,डॉ.रविन्द्र गोस्वामी को जिला कलेक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, बूंदी, अर्तिका शुक्ला को मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद कम-अतिरिक्त जिला कार्यक्रम समन्वयक, ई.जी.एस. एवं पदेन मुख्य परियोजना अधिकारी (माडा), अलवर, अवधेश मीणा को आयुक्त, जोधपुर विकास प्राधिकरण जोधपुर, डॉ. गौरव सैनी को सहाय मुख्य कार्यकारी अधिकारी, स्टेट हैल्थ एश्योरेन्स ऐजेन्सी, राजस्थान, जयपुर, सुशील कुमार को आयुक्त नगर निगम, अजमेर, देवेन्द्र कुमार को संयुक्त शासन सचिव कार्मिक (क-1) विभाग, राजस्थान, जयपुर, श्रीनिधि बी टी को मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद कम-अतिरिक्त जिला कार्यक्रम समन्वयक ई.जी.एस. एवं पदेन मुख्य परियोजना अधिकारी (माडा), भरतपुर, टी शुभमंगला को मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद कम-अतिरिक्त जिला कार्यक्रम समन्वयक, ई.जी.एस. एवं पदेन मुख्य परियोजना अधिकारी (माडा), सिरोही के पद पर लगाया है।

राजेन्द्र किशन को विशिष्ठ शासन सचिव, संस्कृत शिक्षा विभाग, राजस्थान जयपुर, ओमप्रकाश बुनकर को जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट, कोटा, नलिनी कठोलिया को प्रबन्ध निदेशक, ग्रामीण अकृषि क्षेत्र विकास अभिकरण, जयपुर, हरिमोहन मीणा को निदेशक, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग एवं पदेन संयुक्त शासन सचिव राजस्थान, डॉ. जोगा राम, आई.ए.एस., शासन सचिव, स्वायत्त शासन विभाग, राजस्थान, जयपुर अपने पद के कार्य के साथ-साथ अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक, जयपुर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड, राजस्थान, जयपुर के पद का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया है।

वहीं हेमन्त कुमार गैरा प्रमुख शासन सचिव,कार्मिक विभाग, राजस्थान, जयपुर को महानिदेशक हरीशचन्द्र माथुर राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान एवं पदेन प्रमुख शासन सचिव, प्रशिक्षण राजस्थान, जयपुर (अग्रिम आदेशों तक), डॉ. पृथ्वी राज शासन सचिव, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, राजस्थान जयपुर को मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, राजस्थान जयपुर (अग्रिम आदेशों तक), जितेन्द्र कुमार उपाध्याय को निदेशक, सिविल एविएशन, जयपुर एवं उप मुख्य प्रोटोकॉल अधिकारी, सामान्य प्रशासन विभाग एवं कन्ट्रोलर, सर्किट हाऊस, जयपुर, कुमार पाल गौतम को संयुक्त शासन सचिव, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग एवं मिशन निदेशक, जल जीवन मिशन, राजस्थान, जयपुर के अतिरिक्त कार्यभार सौंपा हैं।

इसी प्रकार नारायण सिंह चारण, आर.ए.एस., मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद-कम-अतिरिक्त जिला कार्यक्रम समन्वयक, ई.जी.एस. एवं पदेन मुख्य परियोजना अधिकारी (माडा),सिरोही को आगामी आदेशों तक पदस्थापन आदेश की प्रतीक्षा में रखा जाता है।

जयपुर में कलेक्ट्री से एम.आई. रोड तक भारी ट्रेफिक जाम, लोग परेशान

जयपुर कलेक्ट्री सर्किल से एम.आई.रोड तक ट्रेफिक जाम की समस्या विकराल रूप ले चुकी है। आये दिन वाहनों का लंबा रैला यहां दिनभर रैंग-रैंगकर आगे बढ़ता है। इस समस्या से लोग परेशान है, लेकिन ट्रेफिक पुलिस और शहर के विकास का खाका तैयार करने वाले जिम्मेदार अफसरों का इस ओर कोई ध्यान तक नहीं है।

सजा सुनाई

जयपुर। पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने साढे सत्रह साल की पीड़िता से छेड़छाड़ के आरोपी रिश्तेदार को तीन साल की सजा सुनाई है।

डॉ. सतीश पूनिया आज से उदयपुर और राजसमंद प्रवास पर रहेंगे

जयपुर। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया 5 जुलाई को उदयपुर और 6 जुलाई को राजसमंद जिले के प्रवास पर रहेंगे। डॉ. पूनिया 5 जुलाई को दोपहर 2:45 बजे उदयपुर पहुंचेंगे, जहां स्वर्गीय कन्हैयालाल साहू के निवास पर पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। शाम को नाथद्वारा पहुंचकर भगवान श्रीनाथजी के दर्शन कर प्रदेश की खुशहाली एवं तरक्की की कामना करेंगे। 6 जुलाई को डॉ. पूनियां सुबह 11 बजे नाथद्वारा में भाजपा राजसमंद जिला कार्यसमिति बैठक को संबोधित करेंगे और दोपहर 1 बजे नाथद्वारा से जयपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

डॉ. राजीव बगरहट्टा ने एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्रिंसीपल का पदभार संभाला

जयपुर,(कासं)। प्रदेश के सबसे बड़े सवाई मानसिंह मेडिकल कॉलेज (एसएमएस) में सोमवार को नवनियुक्त प्रिंसीपल व नियंत्रक डॉ. राजीव बगरहट्टा ने पदभार संभाला लिया। इस अवसर पर उन्होंने हॉस्पिटल के क्राउड मैनेजमेंट के लिए आईटी का सहयोग लेने और के छोटी-छोटी समस्याओं को दूर करने की बात कही।

एसएमएस मेडिकल कॉलेज में कार्डियोलॉजी डिपार्टमेंट के सीनियर प्रोफेसर डॉ. राजीव बगरहट्टा ने पदभार ग्रहण करने के बाद बताया कि वे पिछले 40 साल से एसएमएस से जुड़े है। अब जिस तरह से लोगों की भीड़ यहां बढ़ती जा रही है उसे मैनेज करना एक बड़ी चुनौती है। उन्होंने कहा कि सरकार की मुफ्त दवा व जांच योजना के कारण राजस्थान के अलावा दूसरे राज्यों से बड़ी संख्या में मरीज इलाज के लिए यहां आ रहे है। इस कारण हॉस्पिटल पर मरीजों का भार बढ़ रहा है उसे मैनेज करना हमारी पहली प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने कहा कि इसके लिए हम आईटी का सहयोग लेंगे, ताकि लोगों को ज्यादा से ज्यादा इन्फोर्मेशन मोबाइल या कम्प्यूटर के जरिए मिल सके। जिससे उन्हें अनावश्यक इधर-उधर भटकना न पड़े। उन्होंने बताया कि अभी ओपीडी रजिस्ट्रेशन से लेकर जांचों की रिपोर्ट्स ऑनलाइन मिल रही है, जिसे और ज्यादा सरल करने की दिशा में काम किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि इन सबके लिए हमें हॉस्पिटल के इंटरनल सिस्टम को भी मजबूत करना होगा।

जयपुर में अब आईपीएस कैलाश चंद्र विश्नोई बने तीसरे एडिशनल कमिश्नर

16 आईपीएस अधिकारियों के तबादले

■ डॉ.राजीव पचार डीसीपी पूर्व, योगेश गोयल डीसीपी दक्षिण, डॉ.वन्दिता राणा को डीसीपी पश्चिम के पद पर लगाया

■ प्रसन्न कुमार खमेसरा को आईजी कोटा, गौरव श्रीवास्तव को आईजी भरतपुर और विकास कुमार को आईजी एटीएस जयपुर के पद तैनात किया

जयपुर,(कासं)। राज्य सरकार ने पुलिस के बेड़े में फेरबदल करते हुए 16 आईपीएस अधिकारियों का तबादला किया है। इसके तहत जयपुर में अब तीन एडिशनल कमिश्नर होंगे। सोमवार को जारी आदेश में आईपीएस कैलाश चंद्र विश्नोई को तीसरे एडिशनल कमिश्नर के तौर पर लगाया गया है। साथ ही जयपुर में ट्रेफिक सहित चार डीसीपी भी बदले हैं। वहीं कोटा व भरतपुर रेंज आईजी और तीन जिलों के एसी भी बदले गए हैं।

आदेश के अनुसार आईपीएस कैलाश चन्द्र विश्नोई को जयपुर पुलिस कमिश्नरेट में अतिरिक्त पुलिस आयुक्त तृतीय लगाया गया हैं। प्रसन्न कुमार खमेसरा को पुलिस महानिरीक्षक कोटा रेंज और गौरव श्रीवास्तव को भरतपुर रेंज का जिम्मा सौंपा गया है। तीन दिन पहले सीआईडी सीबी में लगाए गए पुलिस महानिरीक्षक विकास कुमार को अब एटीएस जयपुर में तैनात किया गया है। इससे पहले वह डीआईजी के रुप में एटीएस में काम कर चुके है।

राजधानी जयपुर में यातायात की जिम्मेदारी संभाल रही आईपीएस श्वेता धनखड़ का तबादला जयपुर मेट्रो रेल कॉरपोरेशन में किया है। इनकी जगह अब डीसीपी ट्रेफिक के पद पर पुलिस उपायुक्त जयपुर ईस्ट प्रहलाद कृष्णियां को लगाया गया है। डॉ. राजीव पचार को पुलिस उपायुक्त पूर्व जबकि डॉ. वंदिता राणा को रिचा तोमर की जगह पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम के पद पर भेजा है। आईपीएस मृदुल कछावा को जयपुर साउथ से झुंझुनू का पुलिस अधीक्षक नियुक्त किया गया है। उनके स्थान पर योगेश गोयल उपायुक्त जयपुर दक्षिण की जिम्मेदारी दी गई है। दो दिन पहले प्रीति जैन को पुलिस अधीक्षक दौसा लगाया गया था। अब उनकी जगह आरपीएस से आईपीएस बने संजीव नैन को पुलिस अधीक्षक दौसा लगाया गया है। प्रीति जैन को अब निदेशक इंटेलीजेंस ट्रेनिंग एकेडमी जयपुर लगाया गया हैं। प्रदीप मोहन शर्मा को कमाडेंट हाड़ी रानी बटालियन अजमेर, अनिल कुमार को पुलिस अधीक्षक प्रतापगढ़, डॉ. अमृता दुहन को पुलिस उपायुक्त जोधपुर शहर (पूर्व), राजकुमार चौधरी को कमांडेट 10 वीं बटालियन आरएसी बीकानेर लगाया गया हैं।

रियाज के साथ वायरल फोटो को कटारिया ने बताया फेब्रिकेटेड

जयपुर। उदयपुर में दिनदहाड़े कन्हैयालाल की हुई निर्मम हत्या के बाद पूरे देश में गुस्सा साफ नजर आ रहा है। मगर इस हत्याकांड के मुख्य आरोपी रियाज के नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया के साथ वायरल फोटो को लेकर भी राजनीति गर्माई हुई है। पूरे मामले को लेकर कटारिया ने कहा है कि यह फोटो फेब्रिकेटेड नजर आ रही है।

कटारिया ने इस मामले में उदयपुर एसपी को पत्र लिखकर मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। इस पर कानूनी कार्यवाही की जाए। मेरी प्रतिष्ठा गिराने का प्रयास किया गया है।

कटारिया ने कहा कि मैं व्यक्तिगत रूप से इस व्यक्ति को नहीं जानता। राजनेताओं के साथ कोई भी कब फोटो खींच लेता है ये ना तो गुलाबचंद रोक सकता है, ना प्रताप सिह खाचरियावास रोक सकता है ना शांति धारीवाल। अल्पसंख्यक मोर्चा भाजपा का अधिकृत विंग है। उन्होंने किसी कार्यक्रम में बुलाया है तो मैं गया होउंगा। लेकिन कल रात मैंने वायरल फोटो को गौर से देखा। इस फोटो को फेब्रिकेटेड बनाने का प्रयास किया गया है। मैं खड़ा हूं। मेरी पगड़ी और शरीर का हर अंग आ रहा है। ऐसा लग रहा है कि किसी ने मामले को घुमाने के लिए यह काम किया है।

उठावना

अत्यंत दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि हमारी पूजनीया **श्रीमती सुशीला देवी करनावट** धर्मपत्नी स्व. श्री माणक चंद जी सा. करनावट का देहावसान दिनांक 3 जुलाई 2022 को हो गया है। उठावना दिनांक 5 जुलाई 2022 को सांय 4 बजे सुबोध पब्लिक स्कूल, संतोकबा दुर्लभजी अस्पताल के पास, भवानी सिंह रोड पर रखा गया है।

शोकाकुल- हीराचन्द, प्रकाश चन्द (देवर), संदीप, सुदीप (पुत्र), प्रदीप, प्रशान्त, जॉय, ऋषि, अरुण, तरुण, रिक्की (भतीजे), श्रीष, दिव्यम, मयंक (पौत्र), रूबी- हेम चन्द जी सुराणा (पुत्री- दामाद), निर्मला दुगड़, मंजू मेहता (ननंद), धर्मेन्द्र टांक (भान्जा)। पीहर पक्षः- श्रवण कुमार लोढा एवं परिवार, दिल्ली।

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

तीये की बैठक

अत्यंत दुख के साथ करना पड़ रहा है कि मेरे छोटे भ्राता पंडित **श्री महेश जी शर्मा** का स्वर्गवास दिनांक 3.7.2022 को हो गया है। जिनकी तीये की बैठक मंगलवार 5.7.2022 को निवास स्थान 5, गौतम कॉलोनी, आकाशवाणी के पीछे, बजरिया, सवाईमाधोपुर पर दोपहर 2 से 3 बजे तक आगमन-प्रस्थान के रूप में रखी गई हैं।

शोकाकुल- परिवारजन- पं. दामोदर प्रसाद गौतम (चाचा), सुरेंद्र शर्मा 'पत्रकार' राष्ट्रदूत (प्रदेश सूचना प्रसारण मंत्री, अ.भा.श्री.गु.ब्र.महासभा) शिवशंकर शर्मा (भ्राता), देवेश शर्मा, विष्णु शर्मा (पुत्र), रोहित शर्मा, सौरभा शर्मा, विवांन (भतीजे) एवं समस्त पिसयागुणया परिवार, सवाई माधोपुर।

आम सभा सूचना

अरिहंत क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसाइटी लि. जयपुर के सभी सदस्यों को सूचित किया जाता है कि वर्ष 2021-22 के वित्तीय विवरणों पर स्वीकृति एवं अन्य विषयों पर विचार हेतु सोसाइटी की साधारण आम सभा की बैठक दिनांक 23.07.2022 को प्रातः 11:00 बजे मित्तल पैराडाईज जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर पर रखी गई है। विस्तृत नोटिस सोसाइटी के नोटिस बोर्ड पर पर चस्पा किया गया है, जिसे किसी भी कार्य दिवस में देखा जा सकता है।

सचिव, अरिहंत क्रेडिट को-ऑपरेटिव सोसाइटी लि.

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि राजस्थान आवासन मण्डल के आवास सं. 63/222 का मूल आवंटन पत्र क्रमांक 1136 दिनांक 06.07.1995 जोकि अजय कुमार घोष के नाम था, जो खो गया है जिसकी F.I.R. LR No. 1478211/2022 दिनांक 13.06.2022 को करा दी गई है। उक्त सम्पति के संबंध में श्रीमती नीरू बैरवा पत्नी श्री बनवारी लाल बैरवा ने S.B.I. में लोन हेतु आवेदन किया है। यदि किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञापन प्रकाशित तिथि से सात दिवस में सम्पर्क करें। **श्रीमती नीरू बैरवा पत्नी श्री बनवारी लाल बैरवा** तीतरिया (चाकसू), जयपुर (राज.) 9571428813

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत-तृतीय राजस्थान आवासन मण्डल

जे.एल.एन. मार्ग, जवाहर सर्किल के पास, जयपुर, दूरभाष संख्या :- 0141-4901853

आम जाहिर सूचना

राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर द्वारा आवास संख्या- 6/MB/382 इन्दिरा गांधी नगर, जगतपुरा, जयपुर, क्षेत्रफल 129.760 वर्ग मीटर का आवंटन श्री कृष्ण कुमार सक्सैना पुत्र श्री नाथू राम को किया गया था। जिसका आवंटन कम कब्जा पत्र कमांक 2889 दिनांक 23.10.2008 जारी किया गया था। उनके द्वारा उक्त आवास का भौतिक कब्जा दिनांक 05.03.2009 को प्राप्त कर लिया गया। श्री कृष्ण कुमार सक्सैना की मृत्यु दिनांक 13.12.2017 को हो जाने के पश्चात श्रीमती केला देवी पत्नी स्व. श्री कृष्ण कुमार सक्सैना के द्वारा क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, शपथ पत्र, घोषणा पत्र एवं मृत्यु प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर उक्त आवास का हस्तान्तरण अपने नाम से करने का निवेदन किया गया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति/बैंक/संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में अधोहस्ताक्षर कर्ता के कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त आवेदनकर्ता- **श्रीमती केला देवी पत्नी स्व. श्री कृष्ण कुमार सक्सैना** के पक्ष में उक्त आवास के हस्तान्तरण की कार्यवाही कर दी जावेगी।

सम्पदा प्रबंधक- वृत तृतीय, रा.आ.मण्डल, जयपुर

कार्यालय उप आवासन आयुक्त, वृत्त-तृतीय राजस्थान आवासन मण्डल, वृत-तृतीय

जे.एल.एन.मार्ग जवाहर सर्किल के पास, जयपुर 0141-4901853

आम जाहिर सूचना राजस्थान आवासन मण्डल, जयपुर द्वारा कार्यालय आदेश क्रमांक 4536 दिनांक 28.9.2015 जारी कर, आवास संख्या -3MB-13 इन्दिरा गांधी नगर जगतपुरा, जयपुर का हस्तान्तरण श्रीमती जया आसनानी पत्नी श्री श्याम लाल आसनानी पक्ष में किया गया था। श्रीमती जया आसनानी की मृत्यु दिनांक 7.5.2021 को हो जाने के पश्चात् श्री श्याम लाल आसनानी पुत्र श्री स्व.श्री सतराम दास आसनानी के द्वारा क्षतिपूर्ति बन्धक पत्र, शपथ पत्र, वसीयतनामा एवं मृत्यु प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर, उक्त आवास का हस्तान्तरण अपने नाम से करने का निवेदन किया गया है। अतः उक्त आवास के हस्तान्तरण के संबंध में किसी भी व्यक्ति/बैंक/संस्था को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन के 07 दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साक्ष्य सहित अपनी आपत्ति प्रस्तुत कर देवें, अन्यथा उक्त अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होने पर उक्त आवेदनकर्ता श्री श्याम लाल आसनानी पुत्र श्री स्व. श्री सतराम दास आसनानी के पक्ष में उक्त आवास के हस्तान्तरण की कार्यवाही करदी जावेंगी।

सम्पदा प्रबंधक, वृत तृतीय, रा. आ. मण्डल, जयपुर

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, की मेरे अभिभाष्य हेमराज पुत्र काम सैन निवासी-एल-277, तेली पाडा, शास्त्री नगर, जयपुर ने अपने पुत्र तरूण कश्यप को अपनी चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है, अब उसके किसी भी लेन देन से मेरे अभिभाष्य का को सरोकार नहीं होगा। वह स्वयं ही उत्तरदायी होगा। सूचित रहे।

के.के.भाटी एडवोकेट, मो.9314884745

कार्यालय नगर निगम ग्रेटर, जयपुर

(पं.दीनदयाल उपाध्याय भवन, लालकोठी, टोंक रोड, जयपुर-15)

क्रमांक-एफ-13( )उपा.आयो-II/ननिज/2022/755 दिनांक-4/7/22

सार्वजनिक सूचना भूखण्ड सं.77 बी, श्रीराम नगर बी, कालवाड रोड, झोटवाडा (संयुक्त गृह निर्माण सहकारी समिति लि.) जयपुर का जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा श्रीमती हेमलता यादव पत्नी स्व.श्री जौहरी लाल यादव को क्षेत्रफल 383.50 वर्गगज भूमि का पट्टा विलेख जारी किया गया था। प्रकरण में अब आवेदक द्वारा प्रार्थना पत्र, शपथ पत्र (अण्डटेकिंग), रजि. पट्टा मय साइट प्लान की फोटोप्रति, मूल आवंटी द्वारा अपंजीकृत वसीयतनामा द्वारा श्री रघुवीर सिंह पुत्र स्व.श्री जौहरी लाल के पक्ष में वसीयत की गई एवं अन्य चैन दस्तावेजों की फोटोप्रतियों के आधार उक्त भूखण्ड का नाम हस्तान्तरण चाहा है। आवेदक द्वारा उपलब्ध कराई गई मूल दस्तावेजों की फोटोप्रतियों के आधार पर श्री रघुवीर सिंह पुत्र स्व.श्री जौहरी लाल के पक्ष में उक्त भूखण्ड का कुल क्षेत्रफल 383.50 वर्गगज का नाम हस्तान्तरण जारी किया जाना है। उक्त भूखण्ड के नाम हस्तान्तरण बाबत किसी भी व्यक्ति, संस्था, फर्म, कम्पनी को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन की तिथि से 07 कार्य दिवस में अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय (उपायुक्त, आयोजना-द्वितीय) में प्रस्तुत करें। अन्यथा निर्धारित अवधि की समाप्ति के बाद विधिवत नियमानुसार पत्रावली नाम हस्तान्तरण की कार्यवाही सम्पादित कर ली जावेगी।

उपायुक्त (आयोजना द्वितीय) नगर निगम ग्रेटर, जयपुर

NAME CHANGE

I have changed my name ANAND KUMAR KASANA TO ANAND KASANA S/o Ratan lal kasana for All purpose. R/o B-24. Shivaji Marg, Brahmpuri Thana, Govind Nagar Vistar, Jaipur. Raj.- 302002

मैंने अपना नाम दिनेश कुमार शर्मा से बदलकर दिनेश शर्मा पुत्र शुभकरण शर्मा रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जावे। निवासी 182, शिव नगर-1, मुरलीपुरा स्कीम, जयपुर

विवाहोपरान्त मैंने अपना नाम GEETA MENGHANI पुत्री श्री लीलाराम मेंघानी से बदलकर DEEPIKA KHEMCHANDANI धर्मपत्नी श्री जयकुमार खेमचन्दानी निवासी- 62-63C, श्री चन्द्र नगर, जलमहल, गुर्जर घाटी, आमेर रोड, जयपुर रख लिया है। भविष्य में मुझे दीपिका खेमचन्दानी के नाम से जाना पहचाना जावे।

मैंने अपना नाम नितेश से बदलकर नितेश धवन पुत्र श्री मनोहर लाल रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाए निवासी विला 126-बी, कृषि नगर विस्तार, वाटिका रोड, वाटिका, जयपुर 303905

अफवाह के चलते दो कांस्टेबलों पर जानलेवा हमला, आरोपी गिरफ्तार

कलेक्टर-एसपी के साथ भारी पुलिस जाब्ता तैनात

भीम, (निसं)। उदयपुर में कन्हैयालाल साहू की हत्या के बाद टोगी में दो जनों की गिरफ्तारी के बाद कथित तौर पर निर्दोष को पुलिस द्वारा पकड़ने और अफवाह के चलते छठे दिन भी भीम के बाजार बंद रहे। सांसद दीया कुमारी के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं ने एसडीएम उम्मेदसिंह राजावत को ज्ञापन देकर निर्दोष लोगों को छोड़ने की मांग उठाई।

तनावपूर्ण हालात को देखते हुए सुबह से कलेक्टर नीलाभ सक्सेना व जिला पुलिस अधीक्षक सुधीर चौधरी मय जाब्ते के भीम थाने पर डटे रहे। इस बीच बदनौर चौराहे पर तैनात कांस्टेबल वजेराम व प्रकाश पर एक व्यक्ति ने धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिससे एक कांस्टेबल का हाथ कटकर अलग हो गया, जबकि दूसरे कांस्टेबल की अंगुली कट गई। घटना के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी चुनसिंह के पुत्र को गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल भीम कस्बे में शांति व्यवस्था कायम है और एसपी सुधीर चौधरी ने आमजन से शांति व्यवस्था कायम रखने की अपील की।

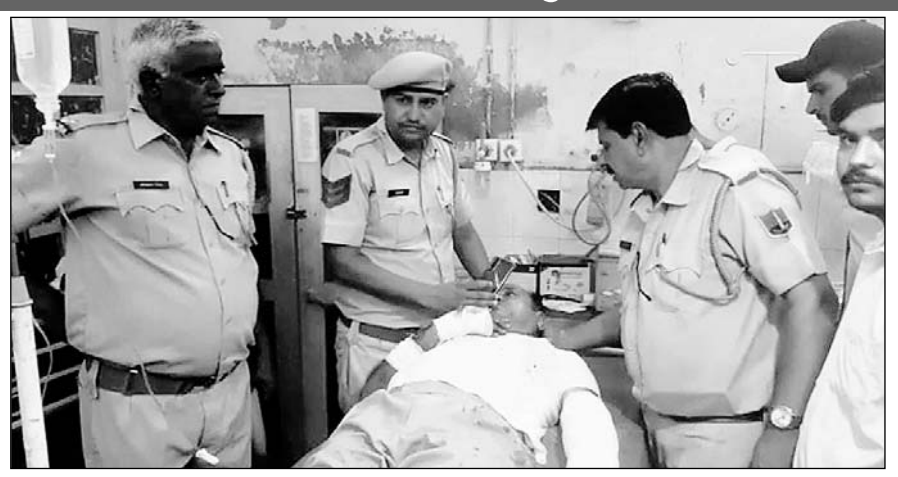

घायल कांस्टेबल का पुलिस की मौजूदगी में अस्पताल में उपचार कराया।

कुछ देर खुला बाजार, फिर हो गया बंद :- भीम कस्बे में सुबह 8 बजे से बाजार खुल गए। उसके बाद भाजपा द्वारा निर्दोष लोगों को छोड़ने की मांग को लेकर बड़ी तादाद में भाजपा कार्यकर्ता भीम के उपखंड कार्यालय के बाहर एकत्रित हुए। भारी भीड़ के चलते अशांति की आशंका के चलते 11 बजे बाद पहले बस स्टैंड से उपखंड कार्यालय तक मुख्य सड़क की दुकानें बंद हो गई। उसके बाद बदनौर चौराहे पर कांस्टेबल पर जानलेवा हमले की सूचना कस्बे में फैलने के साथ ही पूरा कस्बा बंद हो गया।

भाजपा द्वारा भीम चलो अभियान का आव्हान करने के बाद कानून एवं शांति व्यवस्था को देखते हुए भारी भीड़ एकत्रित न हो। इसको लेकर राजसमंद, पाली, अजमेर व भीलवाड़ा जिले की सीमा के सभी रास्तों पर पुलिस तैनात कर दी गई। युवाओं की भीड़ को कस्बे में प्रवेश से रोक दिया। हालांकि कस्बे व आस -पास के क्षेत्रीय लोगों ने सांसद दीया कुमारी के नेतृत्व में उपखंड कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन सौंपे।

सुधीर चौधरी, जिला पुलिस अधीक्षक राजसमंद का कहना है कि किसी भी आरोपी से कस्बे में माफी मंगवाने की अफवाह झूठी है। ऐसा कोई मामला नहीं है और न ही किसी निर्दोष व्यक्ति को पुलिस द्वारा पकड़ा गया। बेवजह कतिपय लोगों द्वारा निर्दोष लोगों को पकड़ने की अफवाह फैलाई जा रही है, जो गलत है। व्यापारी, कस्बेवासी पुलिस का सहयोग करें और कोई भी व्यक्ति भ्रमित नहीं होवे।

अमरसिह रावत, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष भीम का कहना है कि पहले कुछ निर्दोष लोगों को पकड़ा गया था। व्यापार मंडल द्वारा निर्दोष लोगों की सूची उपलब्ध करवाने पर विधायक सुदर्शनसिह रावत की दखल के बाद एएसपी शिवलाल बैरवा व डीएसपी राजेंद्रसिंह द्वारा जांच के बाद निर्दोष को छोड़ दिया। साथ ही व्यापारी अब बाजार खोलने को तैयार हैं। आज भी बाजार खोल दिए, मगर सांसद के ज्ञापन देने के दौरान भीड़ के आने व कांस्टेबल पर फिर हमला होने से व्यापारी घबरा गए और दुकानें बंद की हैं। अब बुधवार से बाजार खोल दिया जाएगा।

■ **भीम के बाजार छठे दिन भी बंद रहे**

आमजन भी किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान नहीं देवे।

सुदर्शनसिंह रावत, विधायक भीम का कहना है कि भीम कस्बा शांतिपूर्ण है, पुलिस ने अच्छा कार्य किया है और पुलिस पर हमला करना निंदनीय है। युवा के साथ आमजन किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान नहीं देवे और शांति व्यवस्था बनाए रखें।

पूर्व विधायक हरिसिंह रावत का कहना है कि भीम पुलिस के जवानों पर जो असामाजिक तत्वों द्वारा धारदार हथियार से हमला हुआ है उसकी में घोर निंदा करता हूं इसके दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए।

पुलिस कर्मी का जेएलएन में उपचार जारी :- राजसमंद के भीम कस्बे में सोमवार को दिन दहाड़े बदनौर चौराहे पर ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी पर अज्ञात बदमाश ने धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले में हेड कॉन्स्टेबल भजेराम का हाथ बुरी तरह जख्मी हो गया। घायल को इलाज के लिए ब्यावर रैफर किया गया है, जहां उपचार के बाद अजमेर के जवाहर लाल नेहरू अस्पताल में रैफर कर दिया गया।

एमबीबीएस करवाने के नाम पर दो युवकों से 15 लाख की ठगी

शहर के प्रतापनगर पुलिस थाना क्षेत्र निवासी है पीड़ित

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर शहर के प्रतापनगर पुलिस थाना क्षेत्र में रहने वाले एक युवक और उसके दोस्त को एमबीबीएस की डिग्री दिलाने के नाम पर हरियाणा के एक व्यक्ति ने 15-16 लाख की ठगी कर डाली । तीन साल तक चाइना में डिग्री करवाई। कोविड के चलते मामला ठंडा पड़ने पर यूक्रेन से करवाने का प्रलोभन दिया गया मगर डिग्री नहीं मिल पाई। अब पीड़ित के पिता ने इस बारे में धोखाधड़ी की रिपोर्ट दी है।

थानाधिकारी देवीचंद ढाका ने बताया कि घटना में प्रतापनगर के दाउ की ढाणी गेट संख्या तीन के सामने रहने वाले धर्मेंद्र सोनी पुत्र सत्यप्रकाश सोनी की तरफ से मामला दर्ज करवाया गया है। इसमें बताया कि हरियाणा रोहतक निवासी सतीश शर्मा नाम के एक शख्स से संपर्क हुआ था। परिवादी ने बताया कि उसके पुत्र को एमबीबीएस की डिग्री कराने की बात को लेकर सतीश शर्मा से बात की गई। तब उसने डिग्री कराने के लिए हामी भरी। इसके लिए उसने 15-16 लाख का खर्चा होना बताया था। तब परिवादी के पुत्र और उसके दोस्त दोनों को एमबीबीएस की डिग्री दिलाने के नाम पर रूपए लिए गए।

इनको चाइना से डिग्री दिलाने की बात की। तीन साल तक कोर्स भी चला, मगर बीच में कोविड फैलने के चलते कोर्स अधूरा रह गया। स्थानीय स्तर पर पता लगा कि चाइना की डिग्री मान्य नहीं है, तो आरोपी सतीश शर्मा ने अन्य देश से डिग्री दिलाने को कहा। इस पर उसने यूक्रेन से डिग्री दिलाने की बात की। दो साल का कोर्स कराने को कहा था मगर यहां पर भी वह जालसाजी करता रहा और रूपए ऐंठता रहा। थानाधिकारी ढाका ने बताया कि परिवादी ने अपने पुत्र और उसके दोस्त को एमबीबीएस की डिग्री के नाम पर 15-16 लाख रूपए ऐंठने का आरोप लगाते हुए अब केस दर्ज कराया है।

नूपुर शर्मा की हत्या की धमकी

अजमेर, (कासं)। अजमेर के दरगाह पुलिस थाने के हिस्ट्री शीटर सलमान चिश्ती ने भाजपा की राष्ट्रीय निलंबित प्रवक्ता नूपुर शर्मा को जान से मारने की धमकी देने का सोशल मीडिया पर वायरल हुये विडियो के बाद पुलिस ने चिश्ती के खिलाफ मामला दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया है।

पुलिस सलमान चिश्ती की तलाश में भी जुट गई है। सोशल मीडिया पर वायरल हुआ हिस्ट्रीशीटर चिश्ती का यह वीडियो 2.50 सैकंड का है, जिसमें वह रोते हुए नूपुर शर्मा की हत्या की धमकी दे रहा है। बताया जाता है कि वीडियो सप्ताह से अधिक समय पुराना है। दरगाह थाना पुलिस ने इस मामले में देर शाम मामला दर्ज कर सलमान चिश्ती की तलाश शुरू कर दी है।

ढाई महीने बाद ही बदले अलवर के कलेक्टर

अलवर, (निसं)। अलवर कलेक्टर शिव प्रसाद नकाते का ढाई महीने में ही ट्रांसफर हो गया। जिन्होंने 19 अप्रैल 2022 को ही कुर्सी संभाली थी। अब अचानक उनको तबादला जयपुर कर दिया है। अलवर में जितेंद्र कुमारी सोनी को कलेक्टर लगाया गया है। अलवर कलेक्टर शिव प्रसाद को 15 अप्रैल 2022 को अलवर लगाया गया था।

नवनियुक्त कलेक्टर जितेंद्र सोनी

जिन्होंने 19 अप्रैल को कार्यभार ग्रहण किया था। अब 4 जुलाई 2022 को उनको अलवर से जयपुर ट्रांसफर कर दिया है। अब अलवर के नए कलेक्टर के रूप में जितेंद्र कुमार सोनी को लगाया गया है। शिव प्रसाद नकाते को राजस्थान राज्य औद्योगिक विकासएवं विनयोजन निगम में प्रबंध निदेशक लगाया है। वहीं जितेंद्र कुमार सोनी को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के निदेशक के पद से अलवर कलेक्टर लगाया गया है। जिला परिषद सीईओ के तौर पर अर्तिका शुक्ला को जिम्मेदारी दी है।

अभिभावकों ने स्कूल को जड़ा ताला, सड़क पर बैठकर पढ़ने लगे बच्चे

सूरतगढ़, (निसं)। सूरतगढ़ से सटे गांव मानकसर के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के कक्षा दसवीं के परीक्षा परिणाम को लेकर ग्रामीणों ने सोमवार को स्कूल खोलने से पहले ताला जड़ दिया। हंगामा होता देख सिटी पुलिस, तहसीलदार और शिक्षा विभाग के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे, जिन्होंने ग्रामीणों से समझाइश की।

■ **कक्षा दसवीं के परीक्षा परिणाम को लेकर ग्रामीणों ने सरकारी स्कूल के ताला जड़ दिया**

दरअसल, गांव के सरकारी स्कूल की कक्षा 10 का विगत 2 सत्र का परीक्षा परिणाम बेहद निराशाजनक आ रहा है। बीते वर्ष जहां 51प्रतिशत के आस-पास रहा था, वहीं इस वर्ष यह 60 प्रतिशत रहा। ऐसे में अभिभावकों ने विद्यालय स्टॉफ पर लापरवाही और शिक्षण कार्य में रूचि नहीं लेने का आरोप लगाते हुए तालाबंदी कर दी। गुस्साए ग्रामीणों ने स्कूल के पूरे स्टाफ को यहां से चलता करने की मांग रख दी। वहीं इस संबंध में स्कूल की प्रधानाचार्या मंजू रांगेरा ने कहा कि विगत दो वर्षों में कोरोनाकाल के चलते विद्यार्थियों को प्रमोट किया गया था । उसके बाद लगे विद्यालय में बच्चों की उपस्थिति भी कम रही थी और जिन का परिणाम बहुत कम रहा है।

ऐसे वे ही बच्चे हैं जो शाला में पहुंचे ही नहीं थे। वहीं हंगामे और तालाबंदी की सूचना पर सीबीईओ, सिटी थाना अधिकारी तथा तहसीलदार मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों से समझाइश की। अधिकारियों ने ग्रामीणों से कहा कि वे 15 दिनों में इस मामले की जांच कर उचित कार्रवाई कर देंगे। तब कहीं जाकर ग्रामीणों ने तालाबंदी समाप्त की।

मासूम के अपहरण व दुष्कर्म के आरोपी को उम्रकैद

बौंली, (निसं)। पॉक्सो एवं परिवार न्यायालय जिला सवाई माधोपुर ने एक तीन वर्षीय मासूम बालिका के अपहरण व दुष्कर्म के आरोपी शंकर खंगार निवासी मैनपुरा थाना सूरवाल को दोष सिद्ध हो जाने पर अंतिम सांस तक आजीवन कारावास व 1 लाख के अर्थदंड से दंडित किया है। पीड़िता व राज्य सरकार की ओर से पैरवी करते हुए विशिष्ट लोक अभियोजक अनिल कुमार जैन ने न्यायालय को अवगत कराया कि फुटपाथ पर जीवन बसर करने वाली पीड़िता ने बताया कि वह अगरबत्ती बेच कर अपना पेट पालन करती है। 22 दिसंबर 2020 को शाम 5:30 बजे पास की झोपड़ी में रहने वाला शिवम मस्ता उर्फ शंकर खंगार निवासी मैनपुरी थाना सूरवाल मेरी चूल्हे के पास आकर बैठ गया एवं मेरी 3 वर्षीय बालिका को दुकान पर टोफी दिलाने के बहाने साथ लेकर चला गया। काफी समय बाद भी जब वह नहीं लौटा तो बच्ची व शंकर को तलाश किया नहीं मिलने पर थाने में मुकदमा दर्ज कराया गया। पुलिस ने दूसरे दिन ही 23 दिसंबर 2020 को आरोपी शंकर खंगार को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया तब से ही आरोपी न्यायिक अभिरक्षा में हैं। न्यायालय ने दोष सिद्ध होने पर आरोपी को उम्रकैद व जुर्माने से दंडित किया।

मंत्री शेखावत ने कन्हैयालाल के परिवार को सांत्वना दी

केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत मृतक कन्हैयालाल के परिवार से मिले और उन्हें सांत्वना दी।

उदयपुर, (निसं)। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्रसिंह शेखावत प्रात: डबोक हवाईअड्डे पर पहुंचे जहां भाजपा उदयपुर की और से उनका स्वागत किया गया। वहां से केंद्रीय मंत्री सर्किट हाउस पहुंचे और वहां से सेक्टर 14 स्थित स्व कन्हैयालाल तेली के निवास पर पहुंच पीड़ित परिवार को सांत्वना प्रदान की। मीडिया से बात करते हुए इस घटना को घोर लापरवाही का दु:खद परिणाम बताया। इसके पश्चात इस घटना में घायल ईश्वर के निवास पर पहुंचे और उनसे व परिवारजनों से मिले। यहां से वे पूर्व महापौर रजनी डांगी के पति वीरेन्द्र डांगी जो काफी लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे है उनकी कुशलक्षेम पूछने पेसिफिक हॉस्पीटल पहुंचे और वहां से जोधपुर के लिए प्रस्थान कर गए।

मीडिया प्रभारी चंचल कुमार अग्रवाल ने बताया कि एयरपोर्ट एवं सर्किट हाउस पर भाजपा राष्ट्रीय परिषद सदस्य ताराचंद जैन, भाजपा शहर जिलाध्यक्ष रविंद्र श्रीमाली, देहात जिला अध्यक्ष चंद्रगुप्त सिंह चौहान, महापौर जी एस टांक, उपमहापौर पारस सिंघवी, जिला प्रमुख ममता कुमार पवार उप जिला प्रमुख पुष्कर तेली ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा, मावली विधायक धर्मनारायण जोशी, सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक प्रमोद सामर, पूर्व देहात जिलाध्यक्ष भंवर सिंह पवार, ओबीसी मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष जगदीश शर्मा, भाजपा शहर जिला महामंत्री गजपाल सिंह राठौड, मनोज मेघवाल, प्रदेश आपदा राहत अभियान के संयोजक डॉ जिनेंद्र शास्त्री, पार्षद छोगालाल भोई, महेश त्रिवेदी, डॉ. शिल्पा पामेचा, देवेंद्र साहू, हेमंत बोहरा आदि उपस्थित थे।

मंत्री धारीवाल की नाराजगी के बाद कोटा कलेक्टर हटाए गए

पहली लिस्ट में नाम था नदारद बाद में तबादले के आदेश आए

कोटा, (निसं)। यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल की नाराजगी कोटा जिला कलेक्टर को भारी पड़ गई। यूडीएच मंत्री के नाराजगी जताने के कुछ समय बाद ही जिला कलेक्टर के तबादले के आदेश आ गए।

गौरतलब बात यह है कि जब तबादलों की पहली लिस्ट जारी हुई तो उसमें कोटा जिला कलेक्टर हरिमोहन मीणा का नाम नहीं था परंतु कुछ समय पश्चात ही उनके तबादले के आदेश जारी हो गए। माना जा रहा है कि उनका तबादला यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल की नाराजगी की वजह से हुआ है। सुबह ही निरीक्षण के दौरान उन्होंने यूआईटी सेक्रेटरी से जिला कलेक्टर के द्वारा फाइल रोके जाने पर नाराजगी प्रकट की थी। दरसल प्रदेश के यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल कोटा दौरे पर आए हुए हैं। उन्होंने सोमवार को शहर में चल रहे विकास कार्यों का जायजा लिया। इस दौरान रामपुरा मुक्ति धाम में चंबल रिवरफ्रंट का काम देखते हुए वे नाराज हो गए।

निर्माण कार्य से जुड़ी एक फाइल को लेकर चर्चा चल रही थी। जिसमें जिला कलेक्टर हरिमोहन मीणा के पास फाइल 1 महीने से पेंडिंग होने की बात सामने आई थी। इस पर धारीवाल राजेश जोशी पर भड़क गए। उन्होंने कहा कि क्या आप कलक्टर से डरते हैं। आपको कलेक्टर ने यहां पर लगा रखा है या फिर मैंने। मैंने आपको पदस्थापित करवाया है या कलक्टर ने इस तरह से फाइल को कलक्टर रोक लेता है तो मुझे जानकारी क्यों नहीं दी जाती है। पहले भी मैंने कई बार यह बात आपसे कही है। बड़ तिराहे के नजदीक बन रही लाइब्रेरी के कार्य में देरी के लिए मंत्री ने ठेकेदार को जुलाई तक का समय दिया। उन्होंने कहा कि जुलाई तक काम पूरा नहीं करने पर जुर्माना लगाया जाए। निरीक्षण के दौरान उनके साथ यूआईटी के ओएसडी आरडी मीणा व आर्किटेक्ट अनूप भरतरिया सहित कई अधिकारी मौजूद थे। यूडीएच मंत्री ने लाडपुरा गेट पर भी निरीक्षण किया था। यहां से वे काफिला छोड़ कांग्रेस कार्यकर्ता के घर शादी समारोह में शरीक होने के लिए स्कूटर पर सवार होकर निकल गए। वे कांग्रेस कार्यकर्ता के स्कूटर पर बैठकर विक्रम चौक पहुंचे।

कोटा में सर्किट हाउस से घंटाघर जाने वाली सड़क मार्ग पर गवर्नमेंट कॉलेज के सामने पौधे लगाने के काम में देरी पर मंत्री ने नाराजगी जताई और ठेकेदार को निकम्मा कह दिया।

पावटा-प्रागपुरा बंद पूर्णतया सफल रहा

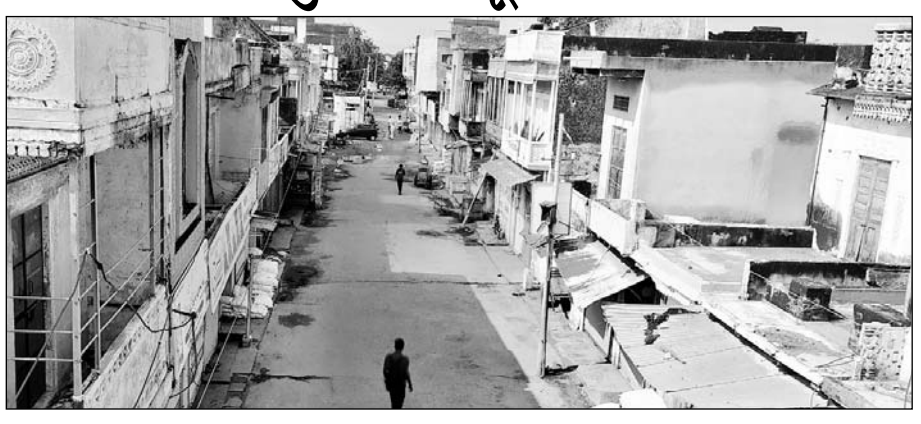

सर्व समाज के बाजार बंद के आव्हान के बाद पावटा-प्रागपुरा के बाजार में पसरा सन्नाटा।

पावटा, (निसं)। पावटा-प्रागपुरा सर्व समाज के नेतृत्व में उदयपुर में घटित कन्हैया लाल हत्याकांड के विरोध में बंद रहा। बंद के आव्हान पर पावटा-प्रागपुरा सहित उपखंड क्षेत्र के सभी व्यापारिक संगठनों ने स्वैच्छिक समर्थन देते हुए व्यापारियों और दुकानदारों ने इमरजेंसी सेवाओं को छोड़कर अपने प्रतिष्ठान बंद रखकर कन्हैयालाल हत्याकांड के खिलाफ रोष प्रकट किया। जिससे कस्बे के बाजारों में सन्नाटा पसरा रहा।

सुबह 9.30 बजे प्रागपुरा रामलीला मैदान में सर्व हिंदू समाज, सामाजिक संगठन व व्यापारिक संगठन एवं जनप्रतिनिधियों और सभी कार्यकर्ता विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, दुर्गा वाहिनी, मजदूर संघ, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद सहित संपूर्ण सामाजिक संगठन के प्रमुख लोग एकत्रित होकर रैली के रूप में प्रागपुरा से पावटा पहुंचे। वहीं पैदल मार्च में सर्व हिंदू समाज के लोग दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की सभी ने सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ कर कन्हैयालाल को 2 मिनिट का मौन रख श्रद्धांजलि देकर पावटा उपखण्ड अधिकारी राजवीर सिंह को विभिन्न मांगों पर कार्यवाही की मांग को लेकर ज्ञापन राष्ट्रपति के नाम सौंपा।

■ **शांतिपूर्ण रैली निकाली, हनुमान चालीसा का पाठ किया**

पावटा प्रागपुरा में बंद को देखते हुए सुबह से ही पुलिस अधिकारी गश्त करते हुए नजर आए। विभिन्न स्थानों पर पुलिस एवं प्रशासन अलर्ट रहे। प्रागपुरा थाना प्रभारी किरण सिंह ने बताया कि शहर में 50 से अधिक पुलिस जवान तैनात रहे। इस मौके पर जिला संघ चालक पुरुषोत्तम कृष्ण मिश्रा, प्रागपुरा मदन सैनी, पावटा प्रधान प्रतिनिधि जगन चौधरी, पावटा प्रागपुरा नगरपालिका चेयरमैन प्रतिनिधि निर्मल पंसारी, वाइस चेयरमैन अशोक सैनी, नरपत सिंह शेखावत, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष कैलाश ताखर, महामंत्री एससी मोर्चा बद्री प्रसाद चौहान, भाजपा एसटी मोर्चा जिला उपाध्यक्ष व व्यावसायिक प्रकोष्ठ के जिला संयोजक कन्हैयालाल मीणा सहित सर्व समाज के लोग मौजूद रहे।

दुकान के बाहर सो रहे दुकानदार की पत्थर मारकर हत्या

कोटा, (निसं)। जिले के छावनी रामचंद्रपुरा में रविवार रात एक व्यक्ति की निर्मम हत्या कर दी गई। बदमाशों ने मृतक के सिर पर पत्थर से हमला किया जिसके चलते उसकी मौत हो गई। घटना रविवार देर रात की है जिसकी जानकारी पुलिस को सोमवार सुबह मिली। जानकारी के अनुसार मृतक का नाम सुरेश धोबी है। सोमवार को स्थानीय लोगों ने उसका शव दुकान के बाहर पड़ा हुआ देखा। इसके बाद लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी।

■ **पुलिस ने फॉरेंसिक और डॉग स्क्वायड की टीम को भी मौके पर बुलाया**

घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को अपने कब्जे में लेकर जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। इसके बाद पुलिस ने फॉरेंसिक और डॉग स्क्वायड की टीम को भी मौके पर बुलाया। पुलिस ने घटना की सूचना परिजनों को दी। छावनी चौकी के प्रभारी कप्तान सिंह का कहना है कि सुरेश ड्राई क्लीनर की दुकान संचालित करता था और उसी दुकान में रहता था। वह बीते 20 सालों से अपने परिवार से अलग रह रहा था। गर्मी की वजह से सुरेश दुकान के बाहर सो रहा था इस बीच यह घटना घटित हो गई।

छह नकाबपोश बदमाशों ने आधे घंटे में की एक्सिस बैंक में एक करोड़ की डकैती

तीन बाइक पर आए थे बदमाश, कर्मचारियों को बंधक बनाकर कैश-गोल्ड ले गए

अलवर, (निसं)। तीन बाइकों पर आए हथियारों के साथ आए 6 बदमाश बैंक से 78 लाख रुपए और 26 लाख रुपए का सोना लूटकर फरार हो गए। बताया जा रहा है कि बदमाशों ने महज 30 मिनट में डकैती को अंजाम दिया।

एक्सिस बैंक में लूट की घटना के बाद पुलिस ने मौका मुआयना किया।

घटना भिवाड़ी के रीको चौक स्थित एक्सिस बैंक ब्रांच की है। भिवाड़ी एसपी शांतनु कुमार ने बताया कि 3 बाइक पर 6 बदमाश आए थे। यहां एक्सिस बैंक कर्मचारियों को बंधक बनाया। पुलिस सीसीटीवी खंगाल कर डकैतों की पड़ताल में लगी है। बैंक कर्मियों ने पुलिस को बताया कि करीब 10 बजे बैंक खुला ही था, डकैत बाइक से आए थे। इनके चेहरे पर मास्क लगा था और उनके पास हथियार थे। बैंक में घुसते ही डकैतों ने कर्मचारियों को बंधक बना लिया और लॉकर की चाबी ले ली। कर्मचारियों ने बताया कि डकैत अपने साथ बैग भी लेकर आए थे। लॉकर में जितने रुपए और गोल्ड मिला वो लेकर फरार हो गए।

एसपी शांतनु कुमार सहित अन्य पुलिस अफसर मौके पर हैं। पूरे इलाके में नाकेबंदी कर दी गई है। बैंक से सीसीटीवी लिए गए हैं। एसपी ने बताया कि बाइक व हुलिया के आधार पर पहचान हो रही है। वे जिस रास्ते से आए थे, उसके बारे में भी जानकारी मिल गई है। टीमों को पीछे लगा दिया गया है और जल्दी आरोपी पकड़े जाएंगे।

लोहे के सरियो से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली में घुसी कार; डॉक्टर की मौत, साथी गंभीर घायल

हादसा इतना भयावह था कि ट्रैक्टर-ट्रॉली में रखा एक मोटा सरिया कार का शीशे तोड़ता हुआ डॉ. प्रवीण व्यास के गाल में घुसकर अंदर से गर्दन तोड़कर बाहर निकल गया क

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। दौसा से शॉपिंग करने जयपुर आए दो डॉक्टर रविवार रात को वापस लौटते समय हादसे का शिकार हो गए। उनकी कार आगे चल रही मोटे सरियों से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली में घुस गई।

एक सरिया कार के शीशे को तोड़ता हुआ डॉक्टर के गाल में घुस गया, जो उसकी गर्दन तोड़ते हुए बाहर निकला। हादसे में डॉक्टर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके साथी डॉक्टर का एसएमएस अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने सोमवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के हवाले कर दिया, जबकि दोनों दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को जब्त कर ट्रैक्टर चालक की तलाश शुरू की है।

थानाधिकारी जयमल सिंह ने बताया डॉ. प्रवीण व्यास (38) निवासी गोविंद नगर, नई मंडी रोड दौसा और डॉ. अमित शर्मा (38) संचालक राय नर्सिंग होम, दौसा रविवार सुबह शॉपिंग करने जयपुर आए थे। यहां से वापस लौटते वक्त रात करीब 11:30 बजे सांगानेरी गेट के पास सरकारी स्कूल के सामने आगे चल रही मोटे सरियों से भरी ट्रैक्टर ट्रॉली में उनकी कार घुस गई। ट्रॉली में रखा एक मोटा सरिया कार के शीशे को तोड़ता हुआ चालक डॉ. प्रवीण व्यास के गाल में घुस गया, जोकि अंदर से गर्दन तोड़ता हुआ बाहर निकल गया। मौके पर ही डॉ. प्रवीण व्यास की मौत हो गई, जबकि डॉ. अमित के सिर में गंभीर चोट आई है। हादसे के बाद चालक ट्रैक्टर छोड़कर मौके से फरार हो गया। दरअसल, ट्रॉली में पुलिया निर्माण के काम में आने वाला मोटा सरिया भरा हुआ था। चालक ने सरियो पर पीछे सावधान करने के लिए किसी तरह का कोई कपड़ा या लाइट नहीं लगाई हुई थी। घटनास्थल पर रोड लाइट भी बंद थी। संभवतया कार चला रहे डॉ. प्रवीण व्यास को दूर से ट्रॉली नजर नहीं आई और जब वह नजदीक पहुंचा तो बहुत देर हो चुकी थी। अचानक कार ट्रॉली में घुस गई और डॉ. प्रवीण व्यास मौत का शिकार हो गए। पुलिस के अनुसार मृतक डॉ. प्रवीण व्यास ने बीडीएस की पढ़ाई की थी। उनकी पत्नी भी टीचर हैं, उनके दो बच्चे हैं। बताया जा रहा है कुछ माह पहले ही बस्सी में लैब टेक्नीशियन की नौकरी लगी थी। वहीं डॉ. अमित का दौसा में राय नर्सिंग होम है।

हादसे में क्षतिग्रस्त कार और ट्रेक्टर-टॉली को पुलिस ने जब्त किया।

- सांगानेरी गेट स्थित सरकारी स्कूल के पास रविवार देर रात हुआ था हादसा, ट्रैक्टर चालक फरार
- दौसा से जयपुर शॉपिंग करने आये थे दोनों डॉक्टर, घायल अमित शर्मा का सवाई मानसिंह अस्पताल में उपचार जारी

टीम मुरथल मैग्नेट्स ने जीता युवा कबड्डी सीरीज समर एडिशन 2022 का खिताब

जयपुर (कासं)। 30 जून से 3 जुलाई तक चले भारत के दूसरे सबसे ज्यादा प्रसिद्ध युवा कबड्डी सीरीज, समर एडिशन 2022 का फिनाले राउंड के साथ शहर में भव्य समापन हुआ।

हरियाणा और राजस्थान के बीच हो रहे इस नेशनल कबड्डी टूर्नामेंट की मेजबानी का मौका इस बार जयपुर को मिला। जहां लगभग 40 दिन से चल रहे इस सीरीज का आयोजन शहर के संस्कार स्कूल में किया जा रहा था। चार राउंड्स में चले इस सीरीज में राजस्थान और हरियाणा से आमंत्रित की गई 11 टीम्स ने पार्टिसिपेट किया। इस दौरान फिनाले मैच में हरियाणा से आई मुरथल मैग्नेट्स ने जीत का ताज अपने नाम किया। 28 मई से शुरू हुए सीरीज के दौरान 11 टीमें, 180 से ज्यादा प्लेयर्स, 124 मैचेस के साथ युवा कबड्डी सिरीज में अपनी जगह बनाने के लिए आपस में भिड़त की। जिस दौरान 11 टीमों में से क्वालीफाई हुई 6 टीमों ने आपस में ट्रॉफी के लिए प्रतिस्पर्धा की। शो के फिनाले मे 6 टीमें मुरथल मैग्नेट्स, हम्पी हीरोज़, काज़ीरंगा राइनोज, अरावली एरोज़, पेरियर पैंथर्स, ताडोबा टाइगर्स फिनाले मैचेस का हिस्सा रही। जहां 30 जून से 30 जुलाई तक हुए 8 फिनाले मैचेस में जीतने वाली विनर टीम मुरथल मैग्नेट्स को 20 लाख, रनरअप टीम पेरियर पैंथर्स को 10 लाख, और थर्ड पोजिशन पर रही टीम हम्पी हीरोज़ को 5 लाख रूपए का सम्मान दिया गया। वहीं चौथे स्थान पर काज़ीरंगा राहिनोस, पांचवे स्थान पर राजस्थान से अरावली एरोज़, छठे स्थान पर ताडोबा टाइगर्स टीम्स रही।

- दूसरे व तीसरे स्थान पर रही पेरियर पैंथर्स और हम्पी हीरोज़
- प्रदेश की अरावली एरोज़ रही सीरीज में पांचवें स्थान पर

हरियाणा और राजस्थान के बीच जयपुर में हो रहे नेशनल कबड्डी टूर्नामेंट में खिलाड़ियों ने दमखम दिखाया।

प्रदेश में करोना से दो लोगों की मौत हुई सोमवार को

राज्य में बीते 24 घंटों में 109 नए संक्रमित मिले, रविवार को 106 रोगी पाए गए थे

जयपुर (कासं)। प्रदेश में करोना संक्रमण से होने वाली मौतों की संख्या बढ़ने लगी है। इसके चलते राज्य में सोमवार को इस बीमारी से दो लोगों की मौत हो गई है। वहीं 109 नए संक्रमित मिले हैं। हालाकि इस बीच रिकवरी में थोड़ा सुधार होने से एक्टिव केस घटकर 891 रह गए हैं।

प्रदेश में सोमवार को करोना से दौसा और करौली जिले में 1-1 मरीज की मौत हो गई है। इसके साथ ही राज्य में अब तक इस बीमारी से 9568 लोगों की मृत्यु हो चुकी है। इनमें दौसा में अब तक 82 जबकि करौली में 85 लोगों की मौत हो चुकी है। राज्य में करोना से सबसे ज्यादा 2114 मौतें जयपुर जिले में हुई है। इधर राज्य में पिछले चौबीस घंटों में 17 जिलों में 109 नए संक्रमित मिले हैं। इससे पहले रविवार को 106 रोगी पाए गए थे। आज राजधानी जयपुर में थोड़ी गिरावट के बाद 29 नए संक्रमित मिले हैं। इसके अलावा बीकानेर में 24, जोधपुर में 10, अजमेर और उदयपुर में 8-8, भीलवाड़ा में 7, सिरोही में 5, अलवर, चित्तौड़गढ़, दौसा और जालोर में 3-3 तथा बांसवाडा, बारां, डूंगरपुर, हनुमानगढ़, करौली और टोंक में 1-1 मरीज मिला है। वहीं 16 जिलों बाड़मेर, भरतपुर, बूंदी, चूरू, धौलपुर, गंगानगर, जैसलमेर, झालावाड़, झुंझुनूं, कोटा, नागौर, पाली, प्रतापगढ़, राजसमंद, सवाई माधोपुर और सीकर में कोई भी नया संक्रमित नहीं मिला है।

प्रदेश में सोमवार को नए संक्रमितों से अधिक रिकवरी हुई है। इस दौरान राज्य में 164 मरीज ठीक हुए हैं। इसके साथ ही एक्टिव केस घटकर 891 हो गए हैं। राजधानी जयपुर में भी आज 87 मरीजों के ठीक होने से एक्टिव केस घटकर 352 रह गए है। जयपुर जिले में सबसे ज्यादा 5 संक्रमित मालवीय नगर में पाए गए हैं। सांगानेर में 4, सिविल लाइन्स में 3, जगतपुरा और सोडाला में 2-2 तथा आमेर, बनीपार्क, चांदपोल, दुर्गापुरा, जमवारामगढ़, जवाहर नगर, झोटवाड़ा, कानोता, खातीपुरा, मानसरोवर, सिरसी और सुभाष चौक में 1-1 नया संक्रमित मिला है।

- जयपुर में थोड़ी गिरावट के बाद 29 नए मरीज मिले
- प्रदेश में सोमवार को 164 मरीजों के ठीक होने से एक्टिव केस घटकर 891 रहे

राजस्थान रोडवेज की जयपुर-कटरा एक्सप्रेस बस कल से शुरू होगी

जयपुर। राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम की एक्सप्रेस बस सेवा जयपुर-कटरा वाया देहली मार्ग पर 6 जुलाई से संचालित किया जावेगा। राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम के अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक संदीप वर्मा ने बताया कि यात्रियों की सुविधा को देखते हुये जयपुर- कटरा वाया देहली मार्ग पर संचालित किया जावेगा। इस बस सेवा का लाभ जयपुर, देहली, लुधियाना, जालन्धर, तथा जम्मू के यात्रियों को भी लाभ मिलेगा। वर्मा ने बताया कि जयपुर- कटरा वाया देहली मार्ग पर जयपुर से प्रात: 6.17 बजे रवाना होकर देहली 13.15, लुधियाना 19.15, जालन्धर 22.10, जम्मू 3 बजे कटरा 4 बजे पहुँचायेगी। वापसी में कटरा से 12.40 बजे रवाना होकर जम्मू 14.50, जालन्धर 21.07, लुधियाना 23 देहली 4, जयपुर 10 बजे पहुँचेगी। जयपुर से कटरा एक्सप्रेस बस सेवा का प्रति यात्री किराया 1085 रूपये निर्धारित किया गया है।

राज्यपाल से भंडारी मिले

जयपुर (कासं)। राज्यपाल कलराज मिश्र से सोमवार को राजभवन में राजस्थान स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुधीर भण्डारी ने शिष्टाचार मुलाकात की।

अधीनस्थ मंत्रालयिक संवर्ग की समस्याओं पर चर्चा

जयपुर। राजस्थान राज्य मंत्रालयिक कर्मचारी संघर्ष समिति के प्रांतीय संयोजक और मार्गदर्शक मंडल, प्रान्तीय सदस्य व सभी जिला संयोजकों की बैठक जयपुर में राजकीय मुद्रणालय स्थित कार्यालय में हुई। प्रदेश प्रवक्ता देवी सिंह नरूका ने बताया कि बैठक में मंत्रालयिक कर्मचारियों की मांगों पर चर्चा हुई। इसके बाद सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव, प्रमुख वित्त सचिव और कार्मिक सचिव को 11 जुलाई को ज्ञापन देकर 31 जुलाई तक सरकार से संघर्ष समिति के साथ वार्ता करने की मांग की जायेगी। अगर सरकार तय अवधि में वार्ता कर उचित समाधान नहीं करती है तो प्रांतव्यापी आन्दोलन करेंगे।

नरूका ने बताया कि बैठक में 1 जुलाई 2013 से कनिष्ठ सहायक को 2400-ग्रेड पे में आरम्भिक वेतन 9840 और 7वें वेतनमान में 25300, सचिवालय के समान सहायक प्रशासनिक अधिकारी को तथा 18 वर्षीय एसीपी में एल-11 (ग्रेड पे 4200), पंचायती राज संस्थाओं में मंत्रालयिक कर्मचारियों के अन्य विभागों के समान पदोन्नति के पदों के सृजन और अर्न्तजिला स्थानान्तरण, गृह जिले से अन्यत्र जिलों में पद स्थापित कार्मिकों के गृह जिले में स्थानान्तरण, एक वर्ष में दो डीपीसी के आदेश जारी करवाने तथा अनुभव में एकबारीय छूट का लाभ 31 मार्च 2023 तक दिए जाने, निदेशालय के गठन में राजस्थान के सम्पूर्ण मंत्रालयिक कर्मियों की वरिष्ठता सूची इकजाई करने तथा सचिवालय को भी इसमें शामिल करने के मुद्दे प्रमुख रहे। इसके अलावा राजस्व मण्डल का विघटन नहीं किए जाने, पेंशन, स्थानीय निधि, अंकेक्षण आदि विभागों को बन्द नहीं किए जाने, पदोन्नति में पद पर कार्यानुभव में कुल सेवावधि पर्याप्त होने पर छूट दिए जाने, अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी से ऊपर के पदों को राज्य सेवा में शामिल किए जाने, संस्थापन अधिकारी से ऊपर उप निदेशक प्रशासन का पद सृजित किए जाने समेत कई मांगों पर गहन विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में राजस्थान राज्य मंत्रालयिक कर्मचारी संघर्ष समिति के प्रांतीय संयोजक मण्डल के सदस्य महेन्द्र सिंह धायल, राजेश पारीक, सूरज प्रकाश टाक, शेरसिंह यादव, देवेन्द्र सिंह नरूका, छोटेलाल मीणा, फतेह बहादुर, उमेश शर्मा, बलराम गुर्जर, कृष्णेन्दु चटर्जी, श्रवण कुमार, मुकेश गुर्जर, दिलीपसिंह राजावत, बल्कार सिंह, गुरजीत सिंह, संदीप चहल, नन्दराम, देवकीनन्दन, जगमोहन अरोड़ा, सुभाष

- कर्मचारी समस्याओं पर सरकार अगर वार्ता नहीं करेगी तो प्रांत व्यापी आंदोलन करेंगे : नरूका

पत्रकार अनुभा जैन रोटरी बैंगलुरु साउथवेस्ट की निदेशक अंतर्राष्ट्रीय सेवा के मानद पद पर नियुक्त'

जयपुर/बैंगलोर। जयपुर की मूल निवासी पत्रकार रोटेरियन अनुभा जैन को रोटरी बैंगलोर साउथवेस्ट, डिस्ट्रिक्ट 3190 में वर्ष 2022-23 के लिए मानद निदेशक अंतर्राष्ट्रीय सेवा और एडिटर बुलेटिन जैसे महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्त किया गया है। बैंगलोर के लवेल रोड में रोटरी हाउस ऑफ फ्रैंडशिप में 2 जून को आयोजित ग्रैंड इंस्टोलेशन सेरेमनी 'संकल्प' में डिस्ट्रिक्ट गर्वनर रोटेरियन जितेन्द्र अनेजा की उपस्थिति में 2022-23 के रोटरी बैंगलरु साउथवेस्ट के नये रोटरी बोर्ड को गठित किया गया। 2022-23 के लिये प्रेसिडेंट के पद पर रोटेरियन संदीप राजा और सचिव के पद पर रोटेरियन सुबोध खांडेकर को नियुक्त किया गया है। इससे पूर्व रोटेरियन अनुभा जैन रोटरी बैंगलोर साउथवेस्ट में वुमन एंपावरमेंट कमेटी की अध्यक्ष एवं निदेशक पब्लिक इमेज भी रह चुकी है। अनुभा एक जानी-मानी पत्रकार लेखिका है। इस मौके पर आई.पी.पी रोटेरियन अमरचंद रान्दड, आई.पी.डी.जी. रोटेरियन डॉ.समीर हरियानी, रोटेरियन डॉ.रूपा हरियानी, वरिष्ठ रोटेरियन भी मौजूद थे।

सार-समाचार

आत्मनिर्भर एनजीओ ने पौधे लगाए

जयपुर (कासं)। आत्मनिर्भर एनजीओ की तरफ से पर्यावरण की सुरक्षा के लिए विद्याधर नगर सेक्टर8 के पार्क में पेड़ लगाए गए और साथ में सिंगल यूज प्लास्टिक बैन के बारे मे जनता ओर बच्चो को जानकारी दी गई जिससे सभी लोग सरकार के इस आदेश को समझे और अपनी जीवनशैली में जल्द से जल्द अपना सके। पार्कों की स्वच्छता को लेकर भी जोर दिया गया और चिप्स पैकेट्स ओर प्लास्टिक बोटेल्स को जहां तहां फेंकने पर रोक लगाने को अपील की गई।मुख्य अतिथि में रामेश्वर सैनी, पार्षद रूप कंवर और हरिओम सिंह चौहान वार्ड न 24 उपस्थित रहे। इस प्रोग्राम में आत्मनिर्भर एनजीओ के अध्यक्ष मोहित माहेश्वरी के साथ सेक्रेटरी प्रवेश सिंह, मीडिया प्रभारी पुष्पेन्द्र शर्मा और अन्य सभी सदस्यों का सहयोग रहा।

डॉक्टर्स म्यूजिक लीग का ऑक्शन

जयपुर। मेडिकोज सोशल एंड वेलफेयर सोसाइटी के तत्वाध्यान में 22 से 24 जुलाई तक होने वाली प्रथम अनूठी डॉक्टर्स म्यूजिक प्रीमियर लीग गायन प्रतियोगिता के लिए 3 जुलाई को ऑक्शन का आयोजन किया गया। इसमें आठ फ्रेंचाइजी-हॉस्पिटल्स ने अपनी टीमें बनाने के लिए चिकित्सक प्रतियोगियों की बोली लगाई। प्रत्येक फ्रेंचाइजी को बोली लगाने के लिए कुल एक करोड पॉइंट्स आवंटित किए गए थे। हर फ्रेंचाइजी ने अपनी अपनी रणनीति के हिसाब से पॉइंट्स खर्च कर आठ-आठ प्रतियोगी खरीदे। ऑक्शन में टीम अक्स लेजर एंड कॉस्मेटिक ने अपने सबसे महंगे खिलाडी डॉ. महेश बागडी को 41 लाख पॉइंट्स, टीम एसआरके हॉस्पिटल ने डॉ. निशा को 53 लाख पॉइंट्स , टीम मंगलम हॉस्पिटल ने डॉ.महेश कडेल को 31 लाख पॉइंट्स , टीम त्यागी आई हॉस्पिटल ने डॉ.प्रियंका पाटीदार को 19 लाख पॉइंट्स, टीम कृष्णा हॉस्पिटल ने डॉ.भूपेन को 32 लाख पॉइंट्स, टीम सीतादेवी हॉस्पिटल ने डॉ.मनीष चंदेल को 32 लाख पॉइंट्स में और टीम आंगन मेडिनोवा ने डॉ.सुनिश गोयल को 13 लाख पॉइंट्स में खरीदा। इस अवसर पर प्रतियोगिता का थीम सॉन्ग "डी एम पी एल मेरी जां" आयोजन में प्रदर्शित करने के साथ ही यू ट्यूब व अन्य सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म पर भी लॉन्च किया गया, जिसे बहुत सराहा गया। ऑक्शन के इस अवसर पर डॉ. अतुल पुरोहित, डॉ.अमित माथुर, डॉ. जितेंद्र मक्कड, डॉ. हरीश भारद्वाज, डॉ. जयंत शर्मा, डॉ. संजीव गुप्ता, डॉ.सुनील अरोरा, डॉ.उत्तम सोनी, डॉ.हर्षुल टाक व शहर के कई अन्य चिकित्सक उपस्थित रहे। डॉ.अनिल यादव के अनुसार यह आयोजन डॉक्टर्स के बीच मेल-मिलाप बढ़ाने व उनके मानसिक तनाव को कम करने का एक अच्छा माध्यम बनेगा। ये प्रतियोगिता कोविड वॉरियर्स को समर्पित है।

इंटनेशनल प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

जयपुर (कासं)। जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, जयपुर में "मानव क्षमताओं का विकास" पर तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें भूटान, इराक, इथियोपिया, ग्वाटेमाला, केन्या, सूडान, ताजिकिस्तान, जाम्बिया, तंजानिया, कोटे डी आइवर, सेंट किट्स एंड नेविस, गुयाना, इरिट्रिया सहित सत्रह देशों के 28 प्रतिभागी शामिल हुए। यह कार्यक्रम भारत सरकार के नीति आयोग के तहत एक स्वायत्त संस्थान, नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ लेबर इकोनॉमिक्स रिसर्च एंड डेवलपमेंट के सहयोग से आयोजित किया गया। जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के निदेशक डॉ प्रभात पंकज ने खुशी और मानसिक कल्याण के महत्व पर अपने विचार साझा किए। टीना जैन, चेयर-एक्जक्यूटिव एज्युकेशन एंड कंसलटेंसी ने कार्यक्रम का समन्वय किया।

बसपा के 12 पदाधिकारी निलंबित

जयपुर (कासं)। बहुजन समाज पार्टी प्रदेश अध्यक्ष भगवान सिंह बाबा ने पार्टी में अनुशासन हीनता बरतने व संगठन विरोधी गतिविधियों के कारण 12 पदाधिकारियों को पार्टी से निष्कासित कर दिया है। इनमें हरीसिंह तैनगुरिया जिला प्रभारी भरतपुर, अमर सिंह बंशीवाल जिला प्रभारी करौली, सुरेन्द्र बासोटिया जिला प्रभारी जयपुर, हनुमान जग्गरवाल जिला प्रभारी जयपुर ग्रामीण, राहुल बैरवा जिला प्रभारी दौसा, श्याम भण्डारी जिला प्रभारी दौसा, देशराज शक्करवाल जिला प्रभारी अलवर, पुखराज मेघवाल जिला प्रभारी नागौर, एच के लहरी जिला प्रभारी कोटा, राधेश्याम मेघवाल जिला प्रभारी चित्तौडगड़, जगदीश चन्द्रपाल जिला प्रभारी उदयपुर, शंकरलाल वर्मा जिला प्रभारी बाडमेर शामिल है।

अग्निवीर वायु भर्ती प्रक्रिया शुरू

जयपुर (कासं)। भारतीय वायुसेना में अग्निपथ स्कीम के तहत ऑनलाइन पंजीकरण शुरू हो गये है जिसके लिये इच्छुक अविवाहित पुरुष उम्मीदवार भर्ती से संबंधित विस्तृत जानकारी भारतीय वायुसेना की आधिकारिक वेबसाईट से प्राप्त कर सकते है। भर्ती के लिए 5 जुलाई सांय 5 बजे तक लॉग इन कर ऑनलाईन पजीकरण कर सकते है। डिफेंस पीआरओ लेफ्टिनेंट कर्नल अमिताभ शर्मा ने बताया कि अविवाहित पुरुष उम्मीदवार जो 29 दिसम्बर 1999 से 29 जून 2005 तक जन्मे है वे इस भर्ती के लिए पात्र होंगे। भर्ती प्रक्रिया हेतु उम्मीदवारों को 12वीं कक्षा या इसके समकक्ष परीक्षा विज्ञान संकाय में गणित, भौतिक और अंग्रेजी विषय के साथ एवं कला तथा वाणिज्य संकाय में किसी भी विषय के साथ 50 फीसदी अंकों के साथ अंग्रेजी विषय में 50 फीसदी अंक होना जरूरी है या 3 वर्षीय इंजीनियरिंग डिप्लोमा धारक या 2 वर्षीय वोकेशनल कोर्स पास उम्मीदवार आवेदन के पात्र है।

मृतक के परिजनों की तलाश

जयपुर (कासं)। अशोक नगर थाना पुलिस अज्ञात मृतक के परिजनों की तलाश में जुटी हुई है। थानाधिकारी ने बताया कि 2 जुलाई को सुबह 11 बजे भोजपुरा रेलवे लाइन के पास 45 वर्षीय अधेड़ युवक अचेत मिला, जिसे एएसआई मुकेश चंद ने सवाई मानसिंह अस्पताल की इमरजेंसी में पहुंचाया। जहां डॉक्टर्स ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को मुर्दाघर में रखवाकर मृतक के परिजनों की तलाश शुरू कर दी है।

अवैध बिल्डिंगों की "सील की डील" पर शिकंजा कसने की तैयारी में राज्य सरकार?

सभी प्राधिकरण, न्यास और निकायों के लिए नई नीति जल्द जारी होगी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। शहरों में अवैध बिल्डिंगों में 'सील की डील' पर शिकंजा करने की तैयारी राज्य सरकार ने कर ली है। जल्द ही नई पॉलिसी को सभी 238 निकायों और 17 नगर विकास न्यास तथा 3 विकास प्राधिकरणों पर लागू किया जायेगा।

सूत्रों के मुताबिक प्रस्तावित नई नीति के मुताबिक अवैध इमारतों की सील खोलने से पहले निर्माणकर्ता से नगरीय निकाय बतौर शुल्क सिक्योरिटी राशि वसूलेंगे। जो कि 100 से 500 रुपए प्रति वर्गफीट तक होगा। साथ ही तय वक्त में अवैध निर्माण हटाने का शपथ पत्र भी लिया जाएगा। अगर निर्धारित समय में भूखंड़धारी अवैध निर्माण हटा लेता है तो उसे शुल्क वापस लौटा दिया जाएगा। तय अवधि में निर्माण नहीं हटाने पर संबंधित निकाय अपने स्तर पर अवैध निर्माण ध्वस्त करेगा और खर्च की वसूली निर्माणकर्ता से करेगा। इस नीति को लेकर अफसरों ने नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल के साथ चर्चा कर ली है। जल्द ही इसके आदेश जारी होंगे। यह नीति सभी प्राधिकरण, न्यास व निकायों में लागू होगी।

सूत्रों की मानें तो आवासीय, कॉमर्शियल, औद्योगिक, संस्थानिक उपयोग के अनुसार अलग-अलग शुल्क तय किया जा रहा है। अगर शुल्क जमा कराने और शपथ पत्र देने के बाद भी भूखंडधारी अवैध निर्माण नहीं हटाता है तो उसका जमा शुल्क जब्त कर लिया जाएगा। साथ ही निर्माणकर्ता के खिलाफ निकाय इस्तगासा भी पेश करेगा। ज्ञात रहे कि राजस्थान विधियां संशोधन अधिनियम 2021 के तहत निकायों को अवैध निर्माण सील करने का अधिकार तो दिया गया, लेकिन उसे खोलने का अधिकार नहीं दिया। इस अधिनियम के तहत राज्य सरकार की सहमति या सरकार के प्राधिकृत अधिकारी की पूर्व अनुमति से ही सील खोलने की प्रक्रिया अपनाई जा रही है। यदि कोई अफसर अपने स्तर पर सील खोलने का निर्णय करता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का प्रावधान है।

- सूत्रों के मुताबिक सील खोलने से पहले निर्माणकर्ता से 100 से 500 रु. प्रति वर्गफीट सिक्यूरिटी राशि वसूलेगा निकाय, तय समय में अवैध निर्माण हटाने पर वापस लौटायी जायेगी रकम
- अगर तय वक्त में अवैध निर्माण नहीं हटाया जाता है तो निकाय प्रशासन भूखंड़धारी द्वारा जमा शुल्क को जब्त करके खुद के स्तर पर इसे ध्वस्त करेगा और खर्च वसूली निर्माणकर्ता से की जायेगी

मॉडल के एक तरफा प्यार में 9वीं पास युवक बना हैकर

जयपुर (कासं)। एक तरफा प्यार में मॉडल युवती (24) को परेशान करने का मामला सामने आया है। युवती की खास फोटो सोशल मीडिया पर डालकर परेशान करने वाला भी उसी की बिल्डिंग में रहने वाला 9वीं क्लास का युवक था, लेकिन युवती को इसकी भनक तक नहीं लगी। खास बात ये है कि दोनों में दोस्ती भी थी। इसके बावजूद युवती को नहीं पता चला कि सोशल मीडिया पर जो युवक उसे परेशान कर रहा है, वो ये ही है। इस पर उसने साइबर थाने में मामला दर्ज करवाया है। इसके बाद आरोपी को बगरू से गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के अनुसार आरोपी गौरव सक्सेना (21) है। जो प्रतापनगर (जयपुर) का रहने वाला है। पीड़ित युवती और आरोपी गौरव दोनों एक ही बिल्डिंग में रहते है। दोनों के फ्लैट ऊपर-नीचे ही है। इस दौरान दोनों की मुलाकात हुई, दोस्ती हो गई। इस दौरान गौरवख मॉडल को कई जगह ऑडिशन के लिए लेकर जाता था। ऑडिशन दिलाते-दिलाते युवक तो युवती से एक तरफा प्यार हो गया। आखिर प्यार का इजहार करने पर युवती ने मना कर दिया। इससे गुस्साए युवक ने इंटरनेट की मदद से युवती का इंस्टाग्राम और फेसबुक आईडी हैक कर ली। युवक आईडी हैक कर युवती के सोशल मीडिया अकाउंट ऑपरेट करता रहा। इस दौरान युवती के मोबाइल से कुछ खास फोटो निकाले लिए। जो मॉडल ने स्पेशल कॉन्ट्रैक्ट के जरिए खिंचवाए थे। इन फोटो को मॉडल सोशल मीडिया पर शेयर नहीं कर सकती थी। युवक सोशल मीडिया के जरिए बार-बार मॉडल को ब्लैमकमेल कर बात करने के लिए दबाव बनाता रहा। युवती को लगा उसका अकाउंट हैक हो गया। युवती ने जब बात करने से मना कर दिया तो फोटो सोशल मीडिया पर डाल दिए। जो युवती ने खास फोटोशूट के लिए करवाए थे। इस पर युवती ने 1 जुलाई को जयपुर कमिश्नरेट के साइबर थाने में मामला दर्ज करवाया। साइबर पुलिस ने जांच पड़ताल आरोपी का आईपी एड्रेस ट्रेस किया तो गौरव सक्सेना के बारे में जानकारी मिली।

समन्वय कमेटी बताए रामगढ़ बांध को लेकर किन आदेशों की पालना नहीं हुई : हाईकोर्ट

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने रामगढ़ बांध क्षेत्र में अतिक्रमण को लेकर पांच सदस्यीय समन्वय कमेटी का गठन किया है। अदालत ने कमेटी को कहा है कि वह चार्ट पेश कर बताए कि रामगढ़ बांध को लेकर अब तक हाईकोर्ट ने क्या-क्या आदेश दिए हैं और उनकी पालना में क्या कार्रवाई की गई।

इसके अलावा चार्ट में यह भी बताने को कहा है कि अब तक किन आदेशों की पालना नहीं हो पाई है। अदालत ने कमेटी को इस संबंध में एक माह में बैठक करने के बाद अगले 45 दिनों में यह रिपोर्ट तैयार कर पेश करने को कहा है। जस्टिस एमएम श्रीवास्तव और जस्टिस शुभा मेहता की खंडपीठ ने यह आदेश प्रकरण में लिए गए स्वप्रेरित प्रसंज्ञान पर सुनवाई करते हुए दिए।

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से मामले में अदालती आदेश की पालना में समन्वय कमेटी गठित करने के लिए सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के आईएएस समित शर्मा को नोडल ऑफिसर बनाते हुए हैड ऑफ फॉरेस्ट डीएन पांडे, राजस्व विभाग के आरएएस श्याम सिंह शेखावत और जल संसाधन विभाग के सचिव सहित एक अधिवक्ता का नाम सुझाया। इस पर अदालत ने अधिवक्ता की जगह वाटर प्लानिंग के चीफ इंजीनियर रवि सोलंकी को कमेटी में शामिल कर कमेटी गठित की है। वहीं न्याय मित्र वीरेन्द्र डांगी और अशोक भार्गव की ओर से रिपोर्ट पेश की गई। जिसमें बताया गया कि जमवारामगढ़ के केलाकाबास ग्राम पंचायत के टोडालडी गांव के पास से गुजर रही बाणगंगा नदी में सार्वजनिक निर्माण विभाग सड़क निर्माण करा रहा है और सड़क की सुरक्षा के लिए ऊंची दीवार बनाई गई है। जिसके चलते भविष्य में पानी के बहाव में बाधा बन सकती है। इस संबंध में मुख्य सचिव को भी पत्र लिखा गया है। इसके अलावा रामगढ़ बांध तक पानी पहुंचाने वाली बाण गंगा, माधो बेणी और ताला नदी के कुल 111 किलोमीटर के बहाव क्षेत्र में तीन से चार मीटर मिट्टी है। हाईकोर्ट ने मिट्टी काटकर पानी निकास के लिए नाली बनाने को कहा था, लेकिन अभी तक सिर्फ 17 किलोमीटर से ही मिट्टी हटाई गई है। सभी पक्षों को सुनने के बाद अदालत ने मामले में कमेटी गठित कर उसे रिपोर्ट पेश करने को कहा है। गौरतलब है कि रामगढ़ बांध में अतिक्रमण और पानी नहीं पहुंचने के मामले में हाईकोर्ट ने वर्ष 2011 में स्व प्रेरणा से प्रसंज्ञान लिया था। वहीं अदालत वर्ष 2012 में मामले का निस्तारण कर राज्य सरकार और मॉनिटरिंग कमेटी से समय-समय पर पालना रिपोर्ट मांग रही है।

- अदालत ने रामगढ़ बांध क्षेत्र में अतिक्रमण को लेकर पांच सदस्यीय समन्वय कमेटी बनाई, अगले 45 दिन में कोर्ट में रिपोर्ट पेश करेगी कमेटी

एयरपोर्ट पर यात्री के सूटकेस से कारतूस बरामद

जयपुर (कासं)। जयपुर एयरपोर्ट पर सोमवार को अजीब घटनाक्रम सामने आया। दरअसल, स्पाइसजेट एयरलाइन की जयपुर से गुवाहटी जाने वाली उडान संख्या एसजी-696 में यात्रा के दौरान यात्री के पास से कारतूस बरामद हुआ।

जानकारी के मुताबिक यात्री जैसे ही एयरपोर्ट पर पहुंचा, तब बोर्डिंग से पूर्व बैगेज चैकिंग में स्केनर मशीन के जरिए बैग में गोली दिखाई दी। सूटकेस को खोलने पर सुरक्षा कर्मियों जांच करने पर पता चला कि यह कारतूस डेड हो चुका है। पड़ताल करने पर सामने आया कि यात्री चबित बर्मन असम निवासी बीएसएफ में कार्यरत है। भूलवश बैग में कारतूस ले आया था।

ARBiT
it happens here...

Mechanical Pencil Day

Mechanical pencils have so many uses in the workplace. People use pencils every day to calculate payroll, write letters, and complete their work. Students especially use them in schools to do their homework and get good grades. While much of the world has moved towards digital format, mechanical pencils make writing and design easier than ever before. Mechanical Pencil Day celebrates the history of these pencils and encourages people to celebrate mechanical pencils and their uses in our daily lives.

राष्ट्रदूत
TUESDAY
5 July 2022
A-B

#THEATER

Lapat: Igniting the Fire Within

From an oppressed young girl destined to die in flames of Sati to becoming a firebrand of revolution, the play 'Lapat' through the character of Meera highlights the conditions of India in 1857, delves into the nuances of colonization and the mental tragedy it caused to the ordinary people. For the first time in the history of JKK, a theatre production was presented by underprivileged children.

Tusharika Singh
Freelancer writer and city blogger

July 3, 2022 became a significant day in the history of Pink City's art and culture center Jawahar Kala Kendra, as for the first time a grand theatre production was presented by underprivileged children. As many as 27 children of Sitaram Nagar Kachhi Basti performed a powerful play 'Lapat' directed by theatre artiste, Mudita Choudhary, which highlighted the conditions of the country in 1857 as well as women's contribution to the fight for independence. The play was jointly organized by Jawahar Kala Kendra and Indian Women Impact NGO, the social arm of Indian Women Blog.

Celebrating the unsung warriors of freedom

Though India's freedom struggle saw a significant participation of women, many heroines of independence have remained invisible to this day - unknown and unsung. The few freedom fighters who made it into history books invariably came from elite or middle class backgrounds. However, there were innumerable ordinary women with no formal education, hailing from poverty-stricken and conservative homes, who got involved in the struggle with undaunted spirit and fierce passion. Through the character of Meera, the play's protagonist, the drama celebrates the forgotten contribution of such unheard warriors of freedom.

Based on Supriya Kelkar's novel 'Strong as Fire, Fierce as Flame', the play is a story of Meera and how her character evolves from an oppressed young girl destined to die in flames of sati to a firebrand of revolution.

Play's characters & their portrayal stuns the audience

In addition to the character of Meera (played by Anjali), who is the play's protagonist, characters like Bhavani (played by Kiran) and Charan (played by Ritu) completely won the hearts of the audience. Meera's friend Bhavani is the daughter of a martyred freedom fighter. She wants to avenge the death of her father from the British. In their fight against the British, a woman named Charan, who has been a part of British Army as a man for a long time also supports her.

The character of a quintessential white 'memsaab', deftly played by Varun, left the audience completely in splits. It was only during the cast credits at the end of the show that it was revealed that the character was actually played by a boy.

Rigorous Training Process

The children who performed in the play went through a scrupulous training process as a part of a 40-day summer camp designed for them. They learnt various aspects of theatre such as speech training, body language and voice modulation among others. Sharing her experience of being a part of the play and the training, Anjali who played the role of Meera said: "Being on such a huge stage was initially quite overwhelming and it made me anxious. But gradually I became confident and worked on my voice and body language. Now I am looking forward to participating again in theatre."

"Weekly lectures were also conducted for the children with the Head of History Department, Rajasthan University, Dr Sangeeta Sharma to help the kids immerse into the era and deliver the performance with historic accuracy."

"Some stories damage your confidence but some make you more courageous. Young girls need inspiration like Uda Devi, a Dalit woman who fought against the British East India Company. Similarly, Kamladevi Chattopadhyay and Sarojini Naidu demanded valiant roles in the Dandi March. There are no archival sources or documents in which we can find such stories so we have to make an effort to make them a part of our history books, drama and art, so that the younger generation knows that both men and women made equal contributions to various movements," says Dr Sangeeta Sharma while talking about the importance of discovering unknown women's stories from history.

The play was preceded by an exhibition of the historic portraits of women freedom fighters recreated by the children of Indian Women Impact.

'Back to School' Programme

The play was an outcome of the never-happened before summer camp under the 'Back to School' Programme. The camp gave opportunity to 250 underprivileged children from Sitaram Nagar Kachhi Basti who availed unique workshops such as theatre, robotics, personality development, Graphic Design, French Language Program, Financial Literacy, Media Lab, Science Experiments, Film making and many others.

Emperor Akbar's Anger!! (...1)

If court histories give an accurate overall picture about the severity of Akbar's punishments, it may be that his outrage at the lateness of the Rajputs at the 1578 hunt was excessive, even by the standards of the day. Certainly, the prideful readiness of Prithidip's uncle to hurt and even kill himself only served to further infuriate Akbar, so much so that the emperor demanded that an elephant should trample him to death right then and there. Father Monserrate, a Jesuit missionary who spent two years at Akbar's court, describes this as a punishment for those committing capital crimes. Dalpat Vilas's insinuation that Akbar had been cruel and unjustified in his treatment of these Rajputs might therefore reflect a viewpoint shared by others in imperial service. In any case, the uncle's refusal to submit to Akbar's chastisement was compounded, according to this text, by the elephant's refusal to obey the emperor's order. As is well known, Akbar prided himself on his ability to control war elephants, yet here again his mastery over others – whether human or non-human – was being challenged.

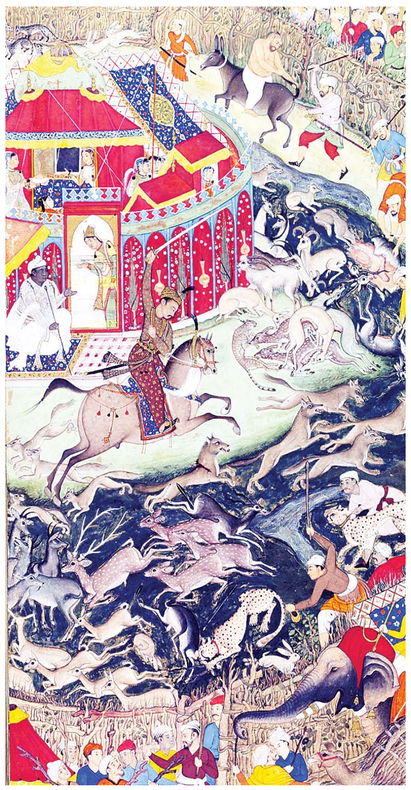

Akbar at the qamargha hunt of 1567, right-hand side.

Cynthia Talbot
Professor, PhD, University of Wisconsin-Madison

#AKBARNAMA

Anger as an emotion is seldom attributed to Akbar (1556-1605), the most admired of the Mughal emperors. Yet, on one notable day in 1578, he allegedly got so enraged that he almost lost his mind, according to Dalpat Vilas, an obscure chronicle composed in the vernacular. While the aftermath of Akbar's anger was reported in several Persian histories emanating from court circles, the royal rage itself was not. Why and how Dalpat Vilasas ascribed anger not only to the emperor but also to the local king Raja Ray Singh of Bikaner is a matter of interest. What little we know about the history of anger in pre-colonial India indicates it was an emotion that kings were advised to avoid in both Sanskrit and Persian literature. But from the more subaltern vantage point of Dalpat Vilas, written for a young Rajput warrior in a local dialect rulers did act angrily and not always justly.

One day in early May 1578, the Mughal emperor Akbar (1556-1605) got angry. His anger culminated in an unusual event that was reported in several contemporary Indo-Persian chronicles. The outcome of the emperor's wrath was considered significant enough to be illustrated in Akbarnama, the official history of his reign composed by his court poet and confidant Abu'l Fazl. Due to the insights it provides into the personality of Akbar, the secondary scholarship on this most lauded of all Mughal rulers has often mentioned the aftermath of his rage on this occasion.

Dalpat Vilas is one of a corpus of broadly historical works – genealogies, dynastic histories, battle accounts -- that were commissioned by Rajput lords of the Mughal era, who were generally granted control over their ancestral territories and regarded within them as kings. These Rajput texts have been mined for decades for their chronological and other factual details, yet rarely have other more cultural aspects of this literature has been explored in depth. Nor have they been fully accepted as legitimate forms of history-writing with their own logic and their own sensibilities.

Akbar gets angry in Dalpat Vilas

When Dalpat Vilas's narrative begins, the emperor had been encamped for two weeks in the eastern foothills of the Salt Range near the Jhelum, waiting while preparations were being made for a major hunt. In order to trap great quantities of game for the emperor's sport, his men formed a large circle and gradually forced the animals trapped within it into very smaller space. This type of ring-hunt called a qamargha in Persian was a Mughal favourite.

During the Mughal period, large entourages accompanied the emperor on his hunting expeditions, including many nobles and their armed retainers. The scale of the hunts could be enormous, resembling an army on the move. In an earlier ring-hunt of Akbar's in 1567, one chronicler estimated that as many as 50,000 men had been employed to round up the animals. Supposedly the largest qamargha ever held; this 1567 hunt entrapped all the animals within a ten-mile circumference; the captive animals said to be about 15,000 in number provided five days of active hunting for the emperor.

Things went somewhat awry during the May 1578 qamargha however which is as well known as the celebrated hunt of 1567 but for different reasons. It begins with an episode of anger in the narrative of Dalpat Vilas. On the second day of hunting Akbar had as usual gone out on his own in the morning – that is, without any of his nobles in accompaniment. When he returned to the temporary encampment where the court was staying, his lords (thakur) were playing kabaddi. Instead of joining in their sport, Akbar headed for the river and entered the water; afterwards he headed to the encampment's place of assembly (darbar). Most of the lords had in the meantime put on their clothes and paid respects to the emperor but not the Solanki clansman Dan. (Dan, like most of the men figuring in this episode, was a member of the Rajput warrior community.) When Dan finally showed up to attend to Akbar, the emperor was furious, as the text tells us.

Meanwhile Dan [the Solanki] came there. Then the Emperor asked, "Where were you until now? Why didn't you come [more quickly]?" He said, "Sir, I had to put on clothes for the sake of propriety (adab), so I erred and got delayed." Then the Emperor got angry (khijiya) and flogged him four to five times. Just then, Prithidip [Kachwaha] arrived and the emperor said to him, "Where were you?" Then he said, "Emperor, your goodhealth! My aides didn't let me come."

Then the Emperor flogged him seven-eight times. And he summoned the [Kachwaha boy's] aides and had the aides beaten. He said to them, "Why didn't you bring him?" Then they said, "His mother's brother wouldn't allow him to come. As soon as he was dressed, he fell down into a ditch. Then his mother's brother said, "Let him play". So, it's not our fault. Emperor, your good health! His mother's brother didn't let him come."

Akbar's wrath did not abate, despite the whipping of two Rajputs who had been tardy in appearing as well as some of their retainers. He next turned his attention to a more consequential target – the Kachwaha boy's uncle.

Then after summoning Prithidip's mother's brother, His Majesty got angry: "Why didn't you let him come?" He then said, "Emperor, your good health! How would it be fitting that I should stop him from coming to your excellence's presence?" The Emperor ordered a whip be used. When a cow herder had whipped him once and stood waiting, just then the mother's brother drew a dagger and stabbed himself. Once, twice, three times he thrust the dagger.

Meanwhile, the Emperor was angry and said, "Kill him, kill this bastard (haramjada)!" And he asked for an elephant that a tax collector had presented as a gift. The elephant would not advance [to trample the uncle who had stabbed himself]. Then the emperor became even more angry and went into his quarters.

> In the view of Dalpat Vilas therefore -- anger is a tool for powerful lords to wield, as a means to regulate the speech and actions of their subordinates. Just as emperor Akbar sought to control the actions of his underlings, so too did Raja Ray Singh, the second most powerful man appearing in Dalpat Vilas.

We witness an escalation of events in this scene. The first man who was tardy in attendance thereby incurring Akbar's anger was punished with four or five lashes of a whip; the second one who showed up late merited seven or eight lashes, even though he was apparently still a boy. Akbar then spread the blame for this second Rajput's tardiness to his adult caretakers and then finally to the young man's uncle. After one lash of the whip, however, the uncle retaliated not by trying to harm the emperor but rather by harming himself.

If court histories give an accurate overall picture about the severity of Akbar's punishments; it may be that his outrage at the lateness of the Rajputs at the 1578 hunt was excessive even by the standards of the day. Certainly, the prideful readiness of Prithidip's uncle to hurt and even kill himself only served to further infuriate Akbar, so much so that the emperor demanded that an elephant should trample him to death right then and there. Father Monserrate, a Jesuit missionary who spent two years at Akbar's court describes this as a punishment for those committing capital crimes. Dalpat Vilas's insinuation that Akbar had been cruel and unjustified in his treatment of these Rajputs might therefore reflect a view point shared by others in imperial service. In any case, the uncle's refusal to submit to Akbar's chastisement was compounded according to this text by the elephant's refusal to obey the emperor's order. As is well known, Akbar prided himself on his ability to control war elephants yet here again his mastery over others – whether human or non-human – was being challenged.

What happened later that evening in May 1578 suggests that the emperor regretted his actions. After everyone had retreated to their separate tents in consternation for some hours, the Kachwaha lord Man Singh, who had been away in Ajmer, arrived at the hunting site to join the entourage. The emperor ordered Man Singh, his closest and most trusted Rajput subordinate, to take charge of the situation presumably because other Rajputs were involved.

When Man Singh Kunwar touched the Emperor's feet [in greeting], he said to Man Singh, "See what this Rajput bastard did he stabbed himself in the stomach. If he's living then get the wound bound up. If he's died, then provide wood and a shroud." When the Emperor commanded thus Man Singh went to look for him. And, from behind the Emperor grumbled angrily (bajariya).

In other words, Akbar used his best friend among the Rajputs as an emissary to find out what had happened to the prideful Rajput and offer the appropriate assistance in a form of amends for his earlier anger. Unfortunately, while Man Singh was checking on him, the injured man died.

Understanding anger in the Indian context

This is by no means the end of the story of Akbar's hunt, as matters soon took a dramatically different turn. But I would like to halt the progress of the narrative momentarily in order to turn to two other issues: the question of how Indian tradition has conceptualized anger in general and more specifically the role of anger in Dalpat Vilas. In the words of the celebrated Bhagavadgita, a sermon by Lord Krishna on the eve of battle:

It is desire (kama) and anger (krodha), arising
from nature's quality of passion;
know it here as the enemy,
voracious and very evil!

The means to the supreme religious goal was by cultivating detachment and dispassion, by ridding oneself of desire and anger.

Rulers, for reasons of both righteousness and pragmatism, were expected to conduct themselves in a dispassionate manner. Ancient Sanskrit legal texts stressed that in order to be successful kings must avoid addiction to kama (desire or pleasure) and krodha (anger or wrath), and strive for self-control. The premier work on statecraft, the Arthasastra went so far as to state that 'this entire treatise boils down to the mastery over the senses'. Similarly, in India's famous martial epic the Mahabharata, king Yudhishthira is advised that a ruler's behaviour should ideally be guided by self-restraint: "The Gods and the highest seers said to him: Do without hesitation whatever is Law: having restrained yourself - having forsaken your likes and dislikes, acting the same toward every person, having put desire and anger and greed and pride far off and away."

This is not to say that anger was absent from ancient or medieval Sanskrit narratives, but the men described as angry were primarily warriors in the heat of battle and not rulers per se. Take the example of Book 10 of the Mahabharata, in which we get the most horrific episode of violence resulting from anger in the entire epic. This is when Ashvatthama, fighting on the side of the Kauravas, slaughters the sleeping warriors of the Pandava army in order to avenge the slaying of his father Drona. Ashvatthama's krodha wells up from his inner depths causing his eyes to get bloodshot and bulge out – an example of the 'pressurized container' metaphor described by Kövecses. The effects of Ashvatthama's rage are compared to what happens when a fire blows through dry grass and his own body too is 'burnt up with rage'.

> Instead of simply dismissing the actions of Akbar and Ray Singh as cruel and despotic, a more complex reading of the chronicle would note the ways in which they purportedly used royal anger to consolidate power. The late sixteenth century was a time when power was getting centralized not only in the Mughal emperor's hands, but likewise in the hands of powerful clan chiefs.

Emotion of anger in Dalpat Vilas

If Indian rulers as distinct from warriors were indeed seldom depicted in a state of wrath in premodern literature, as I have argued, how do we explain the vignette of the angry Akbar in Dalpat Vilas? Why might Dalpat Vilas be rather unusual in its depiction of anger – a quality thought to be regrettable in elite Indian culture? For one thing, it is written in the vernacular rather than in Sanskrit, at a time when historical texts written down in a North Indian vernacular were still relatively rare. John D. Smith identifies Dalpat Vilas as the oldest extant chronicle in Middle Marwari, the same language used in the more famous Khyat by Munhanot Nainsi. Secondly, it is also unusual in being composed in prose instead of verse which was far more widespread in pre-colonial Indian literature. As a prose work, Dalpat Vilas foregoes the fulsome praise and elaborate embellishment that is typical of the courtly mahakavya poems, composed in both Sanskrit and classical Hindi.

Akbar releasing captive animals, 1578.

In contrast, Dalpat Vilas favours a matter-of-fact tone, straight forward narration and a detailed account of some events. The quantity of detail on places and people sets the prose Dalpat Vilas apart from the more elaborate courtly literature in verse and has led to speculation that the author was present at the major events covered.

As its title suggests, Dalpat Vilas (Adventures of Dalpat) was intended to recount the life of Dalpat Singh, a Rajput of the Rathor lineage based in Bikaner who reigned briefly over the Bikaner kingdom in 1612-13. He was soon deposed by the Mughal emperor Jahangir due to his refusal to obey commands and was killed by another noble shortly thereafter. Because the Bikaner throne was passed on to Dalpat's brother and his descendants, Dalpat has not received much mention in later historical traditions from western India. This may explain why only one manuscript of Dalpat Vilas survives, possibly a copy made in the 1650s or 1660s, which was preserved in the library of the Bikaner royal family. That is, this text presumably composed for Dalpat Singh likely did not circulate outside a small circle and was of little interest to Rajput audiences in general. The sole extant copy is incomplete, unfortunately, for it ends abruptly in the summer of 1578 when Dalpat was only 13 years old. This means that Dalpat's male relatives and other older men often play a bigger role in the episodes narrated in the chronicle than Dalpat does himself since he was still so young. However, most of the episodes do pertain to Dalpat in some fashion – he was present at Akbar's hunting camp in 1578 and witnessed the events that transpired.

Men go places, they say or do things, and then they go elsewhere- that is the general course of the narrative. Seldom is anyone pleased or happy in this chronicle, although they occasionally experience fear; as one might expect the persons who are feared are always higher-ranking than those who are afraid. But it is noteworthy that anger is the most prominent of the few sentiments appearing in almost-uniformly emotional terrain of Dalpat Vilas. Yet it is clearly something stronger in Dalpat Vilas, where it is the most frequent of the anger like terms and the only one used in reference to Emperor Akbar's feelings toward the Rajputs he had whipped. The word is also twice applied to the Bikaner king, Dalpat's father Raja Ray Singh, when he is so infuriated by the behaviour of Kesav, a warrior attached to his brother Ram Singh that he orders his men to attack and kill Kesav:

The Raja began mustering his troops for the imperial paymaster. The Raja, Turasam Khan, and Said Hasim sat down and started watching. When Ram Singh's troops were being reviewed, Ram Singh's other Rajputs [dismounted], held onto their horses, performed the taslim salutation and came back. But Kesav remained mounted on his horse. He didn't get down, didn't do the salutation. Moving forward, he made his horse galop. The Raja observed this. Watching the Raja got infuriated (khijiya), so much so that he would have had him killed right there.

> This is not to say that anger was absent from ancient or medieval Sanskrit narratives, but the men described as angry were primarily warriors in the heat of battle and not rulers per se. Take the example of Book 10 of the Mahabharata, in which we get the most horrific episode of violence resulting from anger in the entire epic.

By refusing to dismount and salute the imperial paymaster, who was inspecting Raja Ray Singh's troops to ensure that they met the expected standards, Kesav displayed disrespect towards Bikaner's Mughal overlord and simultaneously undermined Ray Singh's authority. As a result, Ray Singh experienced an anger accompanied by violent intent denoted by the verb khijanau/khijanau, just as in the case of Akbar and his Rajput lords.

Elsewhere in the chronicle another anger is described as the rage Raja Ray Singh felt toward his son Bhopat. Relations between father and son had been tense for some time when the following episode occurred:

Then the Raja became furious (risamna) at Kunwar Bhopat. Then the Raja dispatched the Rani to summon Bhopat. Then the Rani proceeded to Bikaner, consoled Kunwar Bhopat, and fed him liquor; and when he was drunk, she seated him on a cart and took him to the Raja. Just as Bhopat touched the feet of the Raja, the Raja began to hit him on the back with a staff, with his own hand. Then Rani Jasvantde used her hands as a shield, but the blow of the stick hit her hands. Then her bangles were ruined. Meanwhile, the Munhata (minister) spoke to the Raja and intervened [so that] Bhopat was let go.

Prior to this scene Bhopat had been dispatched to Bikaner town to take care of a problem for the Raja. Although he had carried out the mission well afterwards Bhopat indulged in drink and games rather than returning promptly to Jodhpur, where his father was then stationed. When the queen brought their son to see him, the extreme anger that Ray Singh felt toward Bhopat incited him to violence, even at the cost of harming his wife along with his son.

Ray Singh Rathor was a successful leader, who governed Bikaner from 1574 until his death in 1612; and was a valued military officer in the Mughal army, serving in areas as far apart as the Punjab, Bengal, Baluchistan, Sind and the Deccan. Despite his illustrious career and extensive cultural patronage, Dalpat Vilas paints an unfavourable picture of Ray Singh as an unpleasant man who was often harsh and abusive. Raja Ray Singh's displeasure is typically focused internally, on his own family in this chronicle rather than being directed outwards towards his Rajput rivals or the empire's enemies.

Instead of simply dismissing the actions of Akbar and Ray Singh as cruel and despotic, a more complex reading of the chronicle would note the ways in which they purportedly used royal anger to consolidate power. The late sixteenth century was a time when power was getting centralized not only in the Mughal emperor's hands, but likewise in the hands of increasingly powerful clan chiefs like Raja Ray Singh. In contrast to the more egalitarian brotherhood that had earlier prevailed among the Rajput clans of western Rajasthan, Ray Singh and his counterparts elsewhere in Rajasthan favoured a hierarchical form of governance with a raja at its apex. In order to maintain his status as a ruler of Bikaner, the Raja had to rein in his brash family and followers by modifying their behaviour.

Similarly, rather than viewing Akbar as an impulsive tyrant who hurt people with little reason, we might instead regard Akbar as engaged in the disciplining of his nobles. As André Wink has pointed out, Akbarnama repeatedly employs the hunting and taming of wild beasts such as elephants as metaphors for the taming or civilizing of Akbar's rebellious Central Asian nobles. In the view of Dalpat Vilas therefore – anger is a tool for powerful lords to wield, as a means to regulate the speech and actions of their subordinates. Just as emperor Akbar sought to control the actions of his underlings, so too did Raja Ray Singh, the second most powerful man appearing in Dalpat Vilas, who strived to regulate the conduct of his family members.

To be continue....

writetoarbit@rashtradoot.com

Ashwatthama propitiates Shiva before making a night attack on the Pandava Camp.

THE WALL

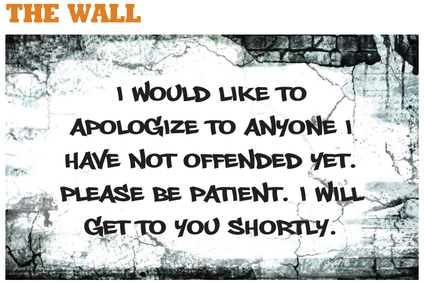

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

जानवर का बाड़े में बंद भेड़ों पर हमला, 37 को मारा

ग्रामीणों ने पैंथर द्वारा घटना को अंजाम देने की आशंका व्यक्त की है

मासलपुर, (निसं.)। मासलपुर क्षेत्र के गवदूपुरा, लखनीपुर गांव में बीती रात किसी जानवर ने बाड़े में बंद भेड़ों पर हमला बोल दिया जिससे 37 भेड़ों की मौके पर ही मौत हो गई ब 25 घायल हो गई।

घटना की जानकारी प्रात: जाग होने पर हुईं जब पीड़ित वीर सिंह पुत्र गबदू गुर्जर बाडे में अपनी भेड़ों को देखने गया। जहां भेड़ों को इधर-उधर मृतक व घायल देख हतप्रभ रह गया। घटना पर ग्रामीण, परिवार जन एकत्रित हो गए वहीं सूचना मासलपुर वन विभाग को दी गई सूचना पर क्षेत्रीय वन अधिकारी रमेश चंद मीणा के नेतृत्व में वन विभाग व चिकित्सा विभाग का दल मौके पर पहुंचा व ग्रामीणों की उपस्थिति में मौके का पंचनामा तैयार करवा कर चिकित्सकों के दल से मृतक भेड़ों का पोस्टमार्टम करवाया। वही मौके व अज्ञात जानवर के पार्गमार्क के फोटो लिए गये।

मासलपुर के निकट लखनीपुर गांव के एक बाड़े में मृत पड़ी भेड़ें।

वन विभाग का दल अज्ञात जानवर की पहचान करने की जांच में जुट गया है मृतक भेड़ों में 33 मादा व 4 नर थे। इस दौरान ग्राम पंचायत कंचनपुर सरपंच दिनेश चंद भी मौजूद रहे ग्रामीणों ने पैंथर द्वारा घटना को अंजाम देने की आशंका व्यक्त की है।

भोजलाई के ग्रामीणों ने स्कूल पर ताला जड़ा

शिक्षकों पर बच्चों को नहीं पढ़ाने का आरोप लगाया

सुजानगढ़, (निसं)। शहर से दस किलोमीटर दूर स्थित भोजलाई गांव के ग्रामीणों ने राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय के बाहर ताला जडकर प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने विद्यालय में पढाई के स्तर पर सवाल उठाते हुए कहा कि स्कूल में अध्यनरत बच्चों को खुद का नाम तक लिखना नही आता है। जिसके चलते उनके बच्चों के आठवीं कक्षा में बी व सी ग्रेड मार्क्स आए हैं, एक भी बच्चे के ए ग्रेड नहीं आई है।

गांव के मुकेश कुमार नायक ने बताया कि 26 जनवरी को देर से ध्वजारोहण करने की शिकायत करने पर अध्यापक ने कहा कि तुं कोई समटूणी लेकर आया है क्या? स्कूल के तालाबंदी की सूचना पर शिक्षक नेता भंवरलाल पाण्डर व सुधेन्द्र जोशी ने भौजलाई पहुंच कर ग्रामीणों से समझाईश कर ताला खुलवाने का प्रयास किया। इसके बाद सरपंच प्रतिनिधि करणीसिंह राठौड व पीईईओ संदीप श्योराण ने भोजलाई पहुंच कर ग्रामीणों से समझाईश की, लेकिन समाधान नहीं हुआ। इसके पश्चात सीबीईओ कुलदीप व्यास व आर.पी. कैलाश चिनिया विद्यालय पहुंचे।

उन्होने ग्रामीणों से समझाईश कर विद्यालय का ताला खुलवाया तथा अन्दर बरामदे में बैठ कर ग्रामीणों के साथ वार्ता की। वार्ता के दौरान ग्रामीणों ने विद्यालय में प्रधानचार्य द्वारा विद्यालय व्यवस्था में लापरवाही बरतने तथा उचित प्रबंधन नहीं करने का आरोप लगाते हुए प्रधानाचार्य सहित दो अध्यापकों को हटाने की मांग की। जिसके बाद सीबीईओ कुलदीप व्यास ने लिखित में विद्यालय की एसएमसी के पुर्नगठन करवाने का आश्वासन देते हुए कहा कि स्थानान्तरण की प्रक्रिया उच्चाधिकारियों के अधिकार क्षेत्र में हैं, आप की शिकायत उन तक पहुंचा दी जायेगी। जिसके बाद जांच टीम द्वारा शिकायत की जांच की जायेगी तथा दोषी पाये जाने पर विभागीय कार्यवाही की जायेगी।

सुजानगढ़ के गांव भौजलाई में ग्रामीणों के साथ वार्ता करते सीबीईओ कुलदीप व्यास।

■ ग्रामीणों ने विद्यालय में पढ़ाई के स्तर पर सवाल उठाते हुए कहा कि स्कूल में अध्यनरत बच्चों को खुद का नाम तक लिखना नहीं आता है

इस दौरान तालाबंदी की सूचना पर सदर थाना पुलिस भी मौके पर पंहूची। सब इंस्पेक्टर नारायणराम के नेतृत्व में एहतियात के तौर पर जाप्ता तैनात रहा। इस अवसर पर उपसरपंच दुर्गाराम, कानसिंह, भगाराम जाट, चन्द्राराम मेघवाल, हंसराज नायक, देवीसिंह, देवाराम, भंवरलाल, कुनणाराम, पूर्णाराम, उगाराम, समन्दरराम, राकेश, जयराम सहित अनेक ग्रामीण उपस्थित थे।

बोलेरो-ट्रक की भिड़ंत में एक की मौत

सादुलपुर, (निसं)। सादुलपुर-पिलानी राजमार्ग 709 पर गाँव नीमा के आसपास ट्रक व बोलरों के मध्य रविवार देर रात को हुई सडक दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, वहीं दो व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गए है।

मिली जानकारी के अनुसार सडक दुर्घटना में हमीरवास निवासी दिलबाग धांगड की मौत हो गई, जबकि 18 वर्षीय अंकित नामक उसका भतिजा तथा मुकेश धांगड गंभीर रूप से घायल हो गया। बताया जा रहा है कि दोनों घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों नें हिसार रेफर कर दिया, जहां दोनो उपचाराधीन हैं। वहीं ट्रकए एवं बोलेरो के मध्य हुई उक्त दुर्घटना में बोलेरो गाडी के परखच्चे उड गये। समाचार लिखे जाने तक मामला दर्ज नहीं हुआ।

नींमा गांव के पास हुई दुर्घटना में बोलेरो गाड़ी चकनाचूर हो गई।

सिलेण्डर में आग लगने से झुलसी महिला की मौत

सुजानगढ़, (निसं)। दो दिन पहले गैस सिलेण्डर के आग पकडने से झुलसी महिला की जयपुर के एसएमएस अस्पताल में मृत्यु हो गई। एसएमएस अस्पताल के ट्रोमा सेंटर में झुलसी महिला मैना देवी मौत से लडाई लडते हुए जिन्दगी की जंग हार गई। सोमवार को उनके भौजलाई बास स्थित मकान से मृतका मैना देवी की अंतिम यात्रा निकली।भौजलाई बास स्थित मोक्ष धाम में मृतका मैनादेवी का अंतिम संस्कार किया गया। सिलेण्डर हादसे में झुलसे मृतका मैनादेवी के पति चेतनराम का राजकीय बगडिया उप जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है। ज्ञात रहे कि शनिवार सुबह गैस सिलेण्डर के आग पकडने से पति-पत्नि दोनों झुलस गए थे। बाद में पत्नी को जयपुर रैफर किया।

उदयपुर हत्याकांड के बाद अजमेर में वकील की सुरक्षा की मांग

अजमेर के वकील को सिर काटने की मिली धमकी

अजमेर, (कास)। अजमेर के वकील को सिर काटने की धमकी मिलने के बाद सोमवार को जिला बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों और वकीलों ने जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर एएसपी को ज्ञापन सौंपकर सुरक्षा मुहैया करवाने और आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। अजमेर जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष मोहन सिंह राठौड़ के नेतृत्व में सोमवार को एसोसिएशन के पदाधिकारियों व वकीलों ने जिला पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान से मुलाकात कर सोशल मीडिया पर टिप्पणी करने के दौरान साथी वकील भानू प्रताप सिंह चौहान को गला काटने की धमकी देने वाले आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और सुरक्षा मुहैया कराने की मांग की।

एएसपी को दिए ज्ञापन में अध्यक्ष मोहन सिंह राठौड़ ने बताया कि साथी वकील चौहान द्वारा वर्तमान परिदृश्य में सोशल मीडिया पर डाली गई पोस्ट पर कमेंट करने के दौरान आरोपी सोहेल सैयद नामक व्यक्ति द्वारा अधिवक्ता भानु प्रताप सिंह को गला काटने की धमकी दी गई है जो कि गंभीर विषय है। ऐसे में अधिवक्ता को सुरक्षा मुहैया कराई जाए और सोशल मीडिया पर सरेआम धमकी देने वाले आरोपी के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए अन्यथा बार एसोसिएशन आंदोलन को मजबूर होगी।

एक ही परिवार की तीन नाबालिग घर से लापता

■ राजसमंद जिले के रेलमगरा उपखण्ड के मउ गांव का मामला

राजसमन्द, (निसं)। जिले में रेलमगरा उपखण्ड के मउ गांव से एक ही परिवार की तीन नाबालिग बच्चियां अचानक से गायब होने का मामला सामने आया है। मामले को लेकर परिजनों ने थाने में भी शिकायत दर्ज कराई लेकिन पुलिस ने काई कार्रवाही नहीं करते हुए लापता बालिकाओं के बारें में अभी तक कोई जानकारी नहीं मिल पाई है।

इधर, परिजनों का रो-रो का बुरा हाल हो रखा है। इसी मामले को लेकर सोमवार को अंतर्राष्ट्रीय गुर्जर गौड ब्राह्मण महासभा के पदाधिकारी एसपी ऑफिस पहुंचे। यहां राजसमंद डिप्टी बेनिप्रसाद मीणा को एसपी के नाम ज्ञापन सौंप मामले में कार्रवाई की मांग की। बच्चियों के पिता ने बताया कि अपने घर के सदस्य को 25 जून को डॉक्टर को दिखाने के लिए उदयपुर गए थे। इस दौरान उनकी दोनों बेटियां और भाई की बेटी अकेली थी। जब उदयपुर से दोबारा आए तो बच्चियां घर में नहीं थी। शाम तक तलाशी लेने के बाद भी कोई पता नहीं चला। उन्होंने बताया कि इस घटना को 10 दिन हो चुके हैं।

थाने में भी मामला दर्ज करवाया था। लेकिन, अभी तक कोई जानकारी नहीं मिल पाई है। वही भाजपा महिला मोर्चा अध्यक्ष राधा रानी राजोरा ने बताया कि उन्हें अंदेशा है कि बच्चियों को बहला-फुसलाकर कोई भगा ले गया। अन्तर्राष्ट्रीय गुर्जर गौड ब्राह्मण समाज जिलाध्यक्ष सुखलाल पंचोली, पूर्व जिलाध्यक्ष्स सीपी व्यास एवं महिला जिलाध्यक्ष सपना शर्मा ने लापता बच्चियों का पता लगाने की मांग की।

दबंगों द्वारा रोके गए दलित परिवार के घर और खेतों के रास्ते को अविलंब खुलवाने की मांग

दलित शोषण मुक्ति मंच के प्रदेश सह संयोजक के नेतृत्व में दलित बड़ी संख्या में जिला कलेक्टर से मिले

अलवर, (निसं)। दलित शोषण मुक्ति मंच (डीएसएमएम) के प्रदेश सह संयोजक डॉ.रमेश बैरवा के नेतृत्व में मुंडावर तहसील के गांव सुखमनहेड़ी के दलित बड़ी संख्या में जिला कलेक्टर से मिले। ज्ञापन सौंपकर जाति विशेष के दबंगों द्वारा अवरुद्ध किए दलित परिवार के घर और खेतों के रास्ते को अविलंब खुलवाने और मारपीट की धमकी देने वालों के खिलाफ कडी कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। इस अवसर पर पीड़ित दलित परिवार श्रीचंद, हरचंद एवं फूलचंद के परिवारजन, ग्रामीण दलित तथा डीएसएमएम से जुड़े कार्यकर्ता सहित महिलाएं भी बडी संख्या में शामिल रही।

सताए दलित जिला कलेक्टर से गुहार लगाते हुए बोले 'कलेक्टर साहब अपराधी किस्म के इन दबंगों के खिलाफ यदि तुरंत कडी कार्रवाई नहीं की गई तो हमारा मर्डर हो सकता है। हमारा परिवार बुरी तरह भयभीत है। हमारे घर और खेतों का रास्ता जाति विशेष के दबंगों ने बंद कर दिया है,जिन्हें राजनीतिक संरक्षण प्राप्त है। हम जिल्लत की जिंदगी जी रहे हैं।

हमारे बच्चे स्कूल, कॉलेज नहीं जा पा रहे हैं। उच्च अधिकारियों के आदेश के बाद भी ततारपुर पुलिस दबंगों के खिलाफ कार्यवाही नहीं कर रही है।' पीड़ितों ने कलेक्टर को वीडियो क्लीपिंग दिखाकर अपने बेहद बुरे हालातों के बारे में बताया। इस पीड़ा को जानकर कलेक्टर ने तुरंत एसडीएम मुंडावर को फोन कर आदेश दिया कि इन दलितों की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाए। मामला गंभीर है। झगड़ा हो सकता है। मर्डर भी हो सकता है। एडीएम प्रथम को भी पीड़ितों के हक में त्वरित कार्यवाही के आदेश दिए है। जिला पुलिस अधीक्षक को भी त्वरित आवश्यक कार्यवाही के आदेश दिए हैं।

उल्लेख है कि इस प्रकरण में तथ्यात्मक रिपोर्ट के लिए दलित शोषण मुक्ति मंच के प्रदेश सह संयोजक डॉ रमेश बैरवा के नेतृत्व में टीम कुछ दिन पहले गांव सुखमनहेड़ी गई थी। टीम को पीड़ितों ने बताया कि मातौर निवासी लख्खाराम जाट के पुत्र धर्मसिंह, धर्मेंद्र,वीरसिंह, अजय पुत्र धर्मेंद्र तथा सुखमनहेड़ी निवासी पतराम, मानसिंह, विजयसिंह,राजू,सुभाष जाति जाट के दबंगों ने इस दलित परिवार का जीना मुश्किल कर दिया है। इनके घर और खेत के लिए कानूनन तय 12 फीट चौड़ा सरकारी रास्ता गुंडागर्दी से बंद कर दिया। पगडंडी भी नहीं छोड़ी है,जिससे इस दलित परिवार के घर और खेतों का रास्ता बंद है। अपराधी किस्म के ये दबंग इन्हें मारपीट की धमकी दे रहे हैं। दलित परिवार असुरक्षित है। रास्ता रोके जाने से इस परिवार के सरकारी कर्मचारी ड्यूटी पर भी नहीं जा पा रहे हैं। बच्चों की पढाई बाधित हो गई है। यह एक शिक्षित और समृद्ध दलित परिवार है। जाति विशेष के इन दबंगों जिन्हें राजनैतिक संरक्षण प्राप्त है,के हौसले बुलंद होने के कारण दलित परिवार को भय,प्रताड़ना और जिल्लत की जिंदगी जीनी पड़ रही है। जाट जाति के इन दबंगों की असल नियत इस दलित परिवार को प्रताड़ित कर विस्थापित करके जमीन को हथियाने की है,जैसा कि अक्सर अन्य जगहों पर दलितों के साथ भी हो रहा है। दलित परिवार का रास्ता बंद किए जाने से गांव एवं आस पास के दलितों में गहरा आक्रोश है। हिंसा तक की संभावना है।

उदयपुर में इंटरनेट बहाल, शहर में शांति कायम, बाजार-दुकानें खुलीं

कर्फ्यू में दो घंटे की छूट और बढ़ाई अब 14 घंटे मिली ढ़ील

उदयपुर, (निसं)। उदयपुर शहर में हालात सामान्य होते जा रहे है। सोमवार को कर्फ्यू में सुबह 8 बजे से रात 8 बजे तक दी गई 12 घंटे की ढ ील के मद्देनजर शहर के बाजार व दुकानें खुली रही। वहीं शहर में शांति बनी हुई है। स्थिति पर नियंत्रण के लिए चप्पे-चप्पे पर पुलिस तैनात रही।

सोमवार को उदयपुर में आम जीवन पुन: पटरी पर आ गया। आज दोपहर 12 बजे बाद करीब 5 दिन और 16 घंटे बाद इंटरनेट भी बहाल हो गया। ज्ञातव्य है कि 28 जून शाम 5.30 इंटरनेट बंद की प्रशासन ने घोषणा की थी इसके बाद रात 8 बजे तक नेट बंद हो गया था। इस बीच जिला कलक्टर ताराचंद मीणा और नवनियुक्त एसपी विकास कुमार ने आमजन से शांति की अपील की है।

कलक्टर ताराचंद मीणा ने अपील कर कहा कि उदयपुर में हमेशा से शांति और सौहार्द की परंपरा रही है, आमजन इसे कायम रखें। गत दिनों हुई घटना के बाद आमजन ने संयम और शांति बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग किया है, जिसके लिए वे आभारी हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की है कि आने वाले वक्त में भी प्रशासन को इसी तरह स्थानीय निवासियों का सहयोग मिलेगा।

एसपी विकास कुमार ने कहा कि शांति व्यवस्था को प्रभावित करने वाले लोगों पर निगरानी रखी जाएगी एवं सख्त कार्रवाई की जाएगी। उदयपुर शहर शांतिप्रिय शहर है और अंतर्राष्ट्रीय महत्व रखता है। उन्होंने आमजन से अपील कर कहा है कि सभी शांति और आपसी भाईचारा बनाए रखें। जो भी व्यक्ति भाईचारा खराब करेगा, उस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। एसपी ने शहरवासियों द्वारा दिखाए गए संयम के लिए आभार व्यक्त किया है।

शाम को चेतक सर्कल, हाथीपोल, बडाबाजार, संतोषी माता मंदिर, अस्थल मंदिर, सूरजपोल व देहलीगेट सहित विभिन्न इलाकों से संभागीय आयुक्त राजेंद्र भट्ट, आईजी प्रफुल्ल कुमार कलेक्टर ताराचंद मीणा, एसपी विकास कुमार सहित अन्य अधिकारियों ने भारी पुलिस बल के साथ रूट मार्च निकाला।

■ इंटरनेट 5 दिन 16 घंटे बाद शुरू हुआ, पुलिस प्रशासन का रूट मार्च

इधर सोमवार को शांत वातावरण देखते हुए अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट (शहर) प्रभा गौतम ने एक आदेश जारी कर मंगलवार से कर्फ्यू में 14 घंटे की छूट प्रदान की है। इस आदेश के तहत सोमवार सुबह 6 से सायं 8 बजे तक कर्फ्यू में छूट रहेगी। एडीएम गौतम ने बताया कि शहर के धानमंडी, घंटाघर, हाथीपोल, अंबामाता, सूरजपोल, सविना, भूपालपुरा, गोवर्धनविलास, हिरणमगरी, प्रतापनगर एवं सुखेर पुलिस थाना क्षेत्रों में लागू किए गए कर्फ्यू में 14 घंटे की छूट दी गई है। उन्होंने बताया कि निर्धारित अवधि के बाद इन थाना क्षेत्रों में कर्फ्यू यथावत जारी रहेगा।

अस्थल मंदिर के महंत रासबिहारी शरण ने कहा कि शांति ही उदयपुर की खूबसूरती है। उन्होंने सभी शहरवासियों से अपील की कि प्रशासन ने जो कर्फ्यू में छूट दी है उसमें शांति व्यवस्था कायम रखते हुए अपने रोजमर्रा के काम संचालित करें। उदयपुर एक पर्यटन और धार्मिक नगरी है यहां शांति बनी रहे। सभी सनातन धर्म मानने वाले शांति बनाए रखें। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों उदयपुर ने जो संयम का परिचय दिया है वह भी एक अच्छा कदम है।

अंजुमन तालीमुल इस्लाम के सदर मुजीब सिद्दीकी एवं सेकेटरी आबिद खान पठान ने अपील जारी कर कहा है कि शहर के हालत सामान्य होने लगे हैं एवं नेटबंदी समाप्त होने के बाद सभी की जिम्मेदारी है कि सांप्रदायिक सौहार्द को कायम रखते हुए शांति बनाए रखें एवं किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान नहीं दें। सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट न करें और न ही किसी विवादित पोस्ट पर कमेंट एवं शेयर करें।

कूलर के सामने हवा ले रहे युवक की करंट से मौत

धौलपुर, (निसं.)। धौलपुर जिले के दिहोली थाना क्षेत्र के गांव अंडा पुरानी में कूलर में आए करंट की चपेट में आने से 22 वर्षीय युवक की मौत हो गई। जिला अस्पताल धौलपुर में मृत घोषित किए जाने के बाद परिजन बिना कानूनी कार्रवाई के डेड बॉडी को घर ले गए। जानकारी के मुताबिक 22 वर्षीय कान्हा पुत्र रवि निवासी अंडवा पुरानी राजाखेड़ा सुबह खेतों पर काम करने गया था।

खेतों से वापस लौट कर युवक पसीने में तर हुई अवस्था में कूलर के सामने बैठ गया था। परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार युवक का कोई अंग शरीर से टच हो गया था। जिससे वह करंट की चपेट में आ गया। घटना से परिजनों में हड़कंप मच गया। करंट की चपेट में आए युवक को गंभीर अवस्था में परिजनों द्वारा जिला अस्पताल धौलपुर लाया गया, जहां चिकित्सकों ने स्वास्थ्य परीक्षण कर मृत घोषित कर दिया। युवक को मृत घोषित किए जाने के बाद परिजन जिला अस्पताल के सामने ही दहाड़े मारने लगे और बिना पोस्टमार्टम कराए एवं बिना कानूनी कार्यवाही के ही शव को अंतिम संस्कार के लिए घर ले गए। घटना से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

भरतपुर में अनोखा मेला, लोग मुंडन के बाद मुर्गे से दिलाते हैं आशीर्वाद

बच्चों ने मुंडन कराने के बाद मुर्गे से आशीर्वाद लिया।

भरतपुर, (निसं) । भरतपुर जिले में बच्चों के मुंडन कराने व उनको नजर से बचाने के लिए कुआं वाला मेला का आयोजन हुआ। जिसमें लोग अपने बच्चों को लेकर पहुंचे और उनका मुंडन कराने के बाद मुर्गे से आशीर्वाद दिलाया।

इस दौरान भारी संख्या में महिला व पुरुष अपने छोटे बच्चों को लेकर मेले में पहुंचे और अपने बच्चों पर मुर्गा घुमवाया। जानकारी के मुताबिक बच्चों के मुंडन कराने व उन पर भूत प्रेत के साये से बचाने के लिए मुर्गे से आशीर्वाद दिलाया जाता है और यह मेला वर्ष में एक बार ही लगता है। एसपी कार्यालय के पास ही मेला लगता हैं जहाँ सैकड़ों की संख्या में महिलाएं अपने छोटे बच्चों को लेकर आती है और वहां मुर्गे वाले भी खूब कमाई करते है ।

संक्षिप्त

प्रधानमंत्री आवास बनवाने की मांग

निवाइ। प्रधानमंत्री आवास योजना में पीडित परिवार के आवास बनवाने की मांग को लेकर लोगों ने जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है। ज्ञापन में बताया कि गत वर्ष बरसात के मौसम में खाळ नाले में एम्बुलेंस बहने से दो जनों की मौत हो गई। मनीष बैरवा सिरस ने बताया कि गत वर्ष जुलाई में उसके पिता रामजीलाल बैरवा गीता का शव लेकर गांव आ रहा था। स्टेशन के पास बरसाती नाले में बहाव अधिक होने के कारण एम्बुलेंस पलटकर बह गई। इस घटना में रामजीलाल बैरवा व बालक अंकित की मृत्यु हो गई थी। पीडित परिवार ने मृतक का बेटा अपने दादा-दादी के पास रह रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना में इसके लिए अब तक आवास नहीं बनाया गया है।

सागर महाराज को श्रीफल भेंट किया

चाकसू, (निसं)। सोमवार को मुनि संघ व्यवस्था समिति एवं सकल जैन समाज चाकसू द्वारा आचार्य शशांक सागर महाराज को ससंघ चतुर्मास हेतु सामूहिक श्रीफल भेंट किया गया। जन-जन की भावना थी की इस वर्ष आचार्य श्री का चतुर्मास चाकसू धर्मपरायण नगरी में हो, सभी भक्तों की भावना एवंश्रद्धा को देखकर गुरुवर ने अपना वर्ष 2022 का चतुर्मास धर्मपरायण नगरी चाकसू में सुनिश्चित हो इसकी स्वीकृति प्रदान की। सकल जैन समाज एवम मुनि संघ व्यवस्था समिति को इस सफल उपलब्धि के लिए चाकसू के लोगों ने बहुत बहुत बधाई एवं शुभकामनायें दी है।

पवन जैन संगम महामंत्री बने

मालपुरा, (निसं)। अन्तर्राष्ट्रीय वैश्य समाज टोंक जिला अध्यक्ष रामजीलाल विजय ने मालपुरा निवासी युवा समाज सेवी पवन जैन संगम को संगठन में अतिरिक्त जिला महामंत्री पद पर नियुक्त किया। जारी नियुक्ति पत्र में संगम की समाजसेवी गतिविधियों का उल्लेख दर्शाया गया तथा देवली, मालपुरा, पीपलू में वैश्य समाज को जागरूक एवं सुदृढ़ कर संगठन की मजबूती के लिए कार्य करने की जिम्मेदारी सौंपी गई। संगम को मिली नियुक्ति पर वैश्य समाज सहित विभिन्न सामाजिक संगठनो ने संगम को बधाई दी।

मीणा प्रदेश प्रभारी नियुक्त

बौंली, (निसं)। भारतीय जनता पार्टी एवं किसान मोर्चा की ओर से पूरे राजस्थान में चलाए जाने वाले वृक्षारोपण अभियान का किसान मोर्चा के प्रदेश मंत्री एवं भाजपा मंडल अध्यक्ष रामअवतार मीणा को प्रदेश प्रभारी नियुक्त किया गया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया व किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष हरिराम रिणवा ने संगठन मंत्री चंद्रशेखर शर्मा की सहमति से वृक्षारोपण अभियान राजस्थान का प्रभारी बनाया है। संगठन की ओर से वृक्षारोपण अभियान 44 जिलों में चलाया जाएगा।

रामफूल शर्मा महामंत्री बने

निवाई। विप्र फाउण्डेशन के टोंक जिला संगठन महामंत्री पद पर रामफूल शर्मा को नियुक्त किया गया है। फाउण्डेशन के जिलाध्यक्ष अशोक शर्मा ने बताया कि प्रदेशाध्यक्ष राजेश कर्नल की अनुमति से रामफूल शर्मा को जिला संगठन महामंत्री पद पर नियुक्त किया है।

शहर की बिगड़ी व्यवस्था पर बिफरे पार्षद, धरने की चेतावनी दी

प्रशासन शहरों के संग अभियान की तैयारी के लिए आए स्वायत्त शासन विभाग के प्रमुख शासन सचिव कुंजीलाल मीणा और सचिव जोगाराम ने अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों की बैठक ली।

- सीवरेज कार्य के दौरान पूरे शहर को खोद कर शहर की दुर्दशा को लेकर दिया ज्ञापन

टोंक, (निसं)। अग्निशमन केन्द्र में राज्य सरकार की ओर से 15 जुलाई से होने वाले प्रशासन शहरों के संग अभियान की तैयारी के लिए आए स्वायत्त शासन विभाग के प्रमुख शासन सचिव कुंजीलाल मीणा और सचिव जोगाराम ने जिले की सभी नगर पालिकाओं के अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों की बैठक ली।

उन्होंने कहा कि 15 जुलाई से सभी शहरों में वार्डवाइज अभियान शुरू किया जाएगा। अभियान में पट्टे बनाने में किसी प्रकार की देरी नहीं की जाए। जो कर्मचारी जानबूझकर अभियान में लापरवाही बरतेगा उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा कि विभाग की गाइड लाइन के मुताबिक पट्टे बनाए जाए। इस दौरान जिला कलेक्टर चिन्मयी गोपाल भी मौजूद थे।

इधर टोंक शहर में सीवरेज और पानी की लाइन के कार्य से बनी अव्यवस्था के खिलाफ नगर परिषद के पार्षदों ने कुंजीलाल मीणा को शिकायत सौंपी। पार्षद सुनील बंसल, यूसुफ इंजीनियर, कमर मियां, अख्तर मियां, उपसभापति बजरंगलाल वर्मा अकील मियां ने उन्हें बताया कि शहर में सीवरेज और वाटर लाइन के कार्य में चल रही लापवाही से आमरण अनशन और धरना देने की नौबत आ गई है। बारिश के मौसम में चल रहे इस कार्य से पूरा शहर अव्यवस्थित है। कई बार जनता और जनप्रतिनिधि सीवरेज कम्पनी के अधिकारियों से बात करते हैं तो उनका व्यवहार और कार्य शैली इतनी सुस्त व अमानवीय है कि धैर्य टूट चुका है। जो भी रोड खोदते हैं तो महीनों तक इसकी सुध नहीं लेते हैं। मलबा रोड पर डाले रहते हैं, जिससे रोड ब्लॉक हो जाते हैं। कम्पनी की ओर से समाधान की जगह पुलिस की धमकियां देते हैं और झूठी रिपोर्ट दर्ज कराते हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि शहर की स्थिति में सुधार नहीं होता है तो 13 जुलाई से धरना दिया जाएगा। इसकी स्वीकृति भी पार्षदों ने प्रशासन से मांग की है।

इधर, हाशिम पठान समेत अन्य ने कुंजीलाल को शिकायत दी कि तालकटोरा क्षेत्र में बन रहे अवैध निर्माण पर नगर परिषद कार्रवाई नहीं कर रही है। जबकि इसकी लगातार शिकायतें की जा रही है। लोग सरकारी जमीनों पर कब्जे कर रहे हैं। फर्जी पट्टों की आड में निर्माण किया जा रहा है। मोतीबाग रोड निवासी मोहम्मद विकार खान ने बताया कि नगर परिषद के पास पर्याप्त संशाधन व कर्मचारी होने के बावजूद घर-घर कचरा संग्रहण के लिए नगर परिषद ने करीब 7 करोड रुपए टेंडर दिया है। इससे राजस्व को नुकसान होगा। जबकि पर्याप्त कर्मचारियों से यह कार्य कराया जा सकता है, लेकिन चहेती फर्म को फायदा व राजस्व का नुकसान के लिए टेंडर दिया जा रहा है। मोहसीन रशीद ने शिकायत सौंपी की शहर से गुजरने वाले वाहनों से कर वसूलन करने के लिए जारी टेंडर में भ्रष्टाचार है। इसमें नियमों की अनदेखी कर एक फर्म को टेंडर दे दिया, जो गलत है। इसकी जांच एसीबी से कराई जाए।

नौ सूत्री मांग पत्र सौंपा

सांभरझील। सांभर उपखण्ड क्षेत्र के राशन विक्रेताओं ने 9 सूत्री मांग को लेकर प्रधानमंत्री के नाम एसडीएम जयन्त चौधरी अभ्यावेदन सौंपा। इसके तहत राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना अन्तर्गत सभी विक्रेताओं को वर्ल्ड फूड प्रोग्राम द्वारा अनुशंसित 440 रूपये प्रति क्विण्टल के हिसाब से कमीशन की स्वीकृति प्रदान करने, हैंडलिंग लॉस के लिये बनी सहमति के आधार पर इसे लागू करने, एलपीजी सिलेण्डर की बिक्री का प्रावधान लागू करने, प्लास्टिक की बोरियों के बजाय पहले की तरह से जूट के बोरे में खाद्यान्न उपलब्ध करवाने, कोरोना माहमारी के दौरान मृतक राशन डीलरों को मुआवजा दिलवाने व कोरोना योद्धा घोषित करने, बकाया कमीशन की राशि के आदेश जारी करने आदि मांगों को रखा है।

चिकित्सा मंत्री मीणा ने जनसुनवाई की

रामगढ़ पचवारा, (निसं)। पंचायत समिति भवन में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री परसादी लाल मीणा द्वारा जनसुनवाई की गई।

वहीं इस दौरान चिकित्सा मंत्री मीणा द्वारा मुख्यमंत्री बजट घोषणा में स्वीकृत विकास कार्यों की प्रगति के बारे में संबंधित विभाग के अधिकारियों से जानकारी ली एवं जिन विकास कार्यों के टेंडर जारी हो गए हैं उन कार्यों को शीघ्र पूरा कराने के लिए निर्देशित किया गया। जनसुनवाई में मूलभूत सुविधाओं जैसे सड़क, पानी, बिजली को लेकर शिकायतें मंत्री मीणा को सौंपी गई। इस दौरान रामगढ़ पचवारा व डीडवाना में विद्युत व्यवस्था चरमराई हुई होने की शिकायत की गई। इसको लेकर चिकित्सा मंत्री ने विद्युत अधिकारी को विद्युत सप्लाई की व्यवस्था दुरुस्त करने के बिजली अधिकारियों को निर्देश दिए। क्षेत्र में व्याप्त पेयजल समस्या के मद्देनजर बिछा सरपंच विष्णु शर्मा व रामगढ़ पचवारा सरपंच उप प्रधान सूरज कटारा ने एनीकट बनाने के लिए चिकित्सा मंत्री परसादी लाल मीणा को ज्ञापन सौंपा।

क्षेत्र से आए हुए लोगों की जन समस्याओं को सुनकर संबंधित अधिकारियों को त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। इस दौरान प्रधान कौशल्य मीणा एडीएम राम खिलाड़ी मीणा सीईओ शिवचरण मीणा एसडीएम मोहर सिंह मीना, खंड विकास अधिकारी प्रियंका मीणा, तहसीलदार अमितेश मीना उप प्रधान सूरज कटारा, बीसीएमएचओ धीरज शर्मा, सरपंच घनश्याम खटीक, विष्णु शर्मा सहित विभिन्न ग्राम पंचायतों के सरपंच एव सभी विभागों के अधिकारीयो सहित जनसुनवाई में आए कई ग्रामीण मौजूद रहे।

51 कांवडियों को रवाना किया

कोटपूतली, (निसं)। गंगा नदी के उद्गम स्थल उत्तराखण्ड स्थित गौमुख धाम के लिए 51 शिव भक्त कांवडियों के जत्थे को रविवार रात्रि राजमार्ग स्थित पटेल पैट्रोल पम्प से युवा गुर्जर महासभा के तहसील अध्यक्ष शिवकुमार पटेल ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया।

गौरतलब है कि कांवडिये गौमुख से मां गंगा के पवित्र जल की कांवड़ भर कर पदयात्रा करते हुए आगामी श्रावण मास में निकटवर्ती बालेश्वर धाम में विसर्जित करेंगे। पटेल ने सभी कांवडियों को उनकी सफल पदयात्रा के लिए बधाई दी। इस दौरान छीत्तरमल कसाना, रामरतन पहलवान, प्रकाश पायला, महेश रावत, माडुराम कसाना, हरिराम कसाना, रोहिताश्व चेलवरवाल, रघुवीर पायला, महेश कसाना, धन्नाराम रावत, कृष्ण गुर्जर सहित 51 कांवडियों का जत्था रवाना हुआ।

सिंगल यूज पॉलीथिन का उपयोग स्वास्थ्य के लिए हानिकारक: जूली

अलवर, (निसं)। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता तथा कारागार विभाग केबिनेट मंत्री टीकाराम जूली ने कहा कि पर्यावरण का संरक्षण करना हम सभी का नैतिक दायित्व है। वर्तमान के ग्लोबलाईजेशन के दौर में सभी को जागरूक होकर इस दिशा में संयुक्त रूप से प्रयास करने चाहिए।

मंत्री जूली सोमवार को अशोक सर्किल पर रोटरी क्लब अलवर फोर्ट की ओर से आयोजित पॉलिथीन मुक्त अभियान के तहत आमजन को कपड़े से बने थैले वितरित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सिंगल यूज पॉलिथीन का उपयोग मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। इस दिशा में सार्थक पहल करते हुए सभी को साथ लेकर अलवर शहर को पॉलिथीन मुक्त करने के लिए अलवर को प्रदेश में आदर्श शहर बनाया जायेगा।

मंत्री टीकाराम जूली ने रोटरी क्लब अलवर फोर्ट की ओर से आमजन को कपड़े से बने थैले वितरित किये।

इस अवसर पर हराभरा अभियान के तहत मंत्री जूली ने पौधारोपण किया तथा वर्तमान समय में पानी की विकट समस्या से जूझ रहे जरूरतमंद कच्ची बस्ती के वांशिदों के लिए निःशुल्क पेयजल टैंकर को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष योगेश मिश्रा, अभिषेक तनेजा, मुकेश मीणा, आशुतोष शर्मा, अर्पित गुप्ता, अनुपम चौधरी, मधुर अग्रवाल सहित सामाजिक सरोकार की दिशा में उल्लेखनीय कार्य करने वाले युवा व गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

स्वामी टेऊराम महाराज का जन्मोत्सव मनया

खैरथल, (निस)। प्रेम प्रकाश आश्रम सतगुरु स्वामी टेऊराम महाराज का पांच दिवसीय जन्मोत्सव का सोमवार को समापन समारोह किया गया। इस अवसर पर आश्रम के प्रभारी संत हरिइंद्र प्रेमप्रकाशी ने सत्संग में प्रवचन देते हुए कहा कि गुरु ही बाहर भीतर के अंधकार को मिटाने में सक्षम है। यह संसार मिथ्या है, इसलिए राम नाम को जपकर तथा संसार को नाशवान समझकर अपना बेडा भवसागर से पार कर ले। स्वामी टेऊराम महाराज के 136 वे जन्मोत्सव के तहत सोमवार को प्रात: 8 बजे पाठो का भोग लगाकर चालीस दिवसीय पर्व चालीहा महोत्सव का आरती के साथ समापन किया गया। इस दौरान सुबह 8:30 बजे कन्या भोज कराया गया। साय 5 बजे खैरथल रेलवे स्टेशन क्षेत्र में सेकडो निर्धन लोगो साधुओं को भोजन कराया गया। साय 5 बजे से 7:30 बजे तक सत्संग प्रवचन एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

उदयपुर घटना के विरोध में कल किशनगढ़ बास बंद

- पूर्व विधायक यादव ने सर्व समाज के लोगों से खैरथल-किशनगढ़ बास बंद का समर्थन करने का आव्हान किया

किशनगढ़ बास, (निसं)। उदयपुर के व्यापारी कन्हैया लाल की निर्मम हत्या के विरोध में संयुक्त व्यापारियों ने 6 जुलाई बुधवार को किशनगढ़ बास कस्बा बंद रखने का आव्हान किया है।

सोमवार को संयुक्त व्यापार महासंघ के अध्यक्ष परमानंद लखयाणी की अध्यक्षता में व्यापारिक संगठनों ने बैठक कर घटना की कड़े शब्दों में निंदा की और 6 जुलाई बुधवार को सामूहिक निर्णय लेते हुए बाजार बंद रखने का निर्णय लिया। बैठक में संयुक्त व्यापार महासंघ के अध्यक्ष परमानंद लखयाणी, अनाज मंडी अध्यक्ष रमेश चंद्र, किराना मंडल अध्यक्ष मदनलाल, स्वर्णकार एसोसिएशन अध्यक्ष जैनेंद्र सोनी, अग्रवाल बूट हाउस अध्यक्ष ताराचंद बत्रा, वस्त्र व्यापार कमेटी नंदलाल, टेलर एसोसिएशन अध्यक्ष प्रभु दयाल, मिष्ठान भंडार अध्यक्ष प्रवीण अग्रवाल, ऑटोमोबाइल एशियन अध्यक्ष रामेश्वर दयाल गुप्ता, रेडीमेड यूनियन अध्यक्ष वेद प्रकाश, कंप्यूटर एसेशन तेज सिंह सैनी, हार्डवेयर रंग पेंट पहलाद गुप्ता लघु उद्योग संघ अध्यक्ष हरमेश खुराना मोबाइल एसोसिएशन अध्यक्ष अजय बत्रा बार एसोसिएशन श्री चंद सेन संजय संतोष अग्रवाल सिंघल जनेश भूटानी मनोज मित्तल आदि अनेक व्यापारिक संगठनों के पदाधिकारी मौजूद रहे। दूसरी ओर पूर्व विधायक रामहेत सिंह यादव ने खैरथल किशनगढ़ बास में भाजपा कार्यकर्ताओं व व्यापारियों के साथ बैठक की। बैठक में उदयपुर में व्यापारी की निर्मम हत्या की कडे शब्दों में निंदा करते हुए सर्व समाज के लोगों से खैरथल किशनगढ़ बास में बंद का समर्थन करने का आव्हान किया है।

विद्यालय में प्रवेशोत्सव व वृक्षारोपण का आयोजन

श्रीमाधोपुर। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय श्रीमाधोपुर में सोमवार को प्रवेशोत्सव के साथ पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन एचडीएफसी बैंक श्रीमाधोपुर के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य राजेश कुमार अंकुर ने की।

प्राचार्य अंकुर ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि हर छात्र को अपने और अपने अभिभावकों के जन्मदिन या उत्सवो पर पौधे जरूर लगाना चाहिए। विद्यालय परिसर में नीम के छायादार 100 से अधिक पौधे लगा रहे हैं। इसी तरह हर छात्र को अपने घर और गांव में एक पौधा जरूरी लगाना चाहिए। 50 बच्चों का प्रवेश हुआ कार्यक्रम में एचडीएफसी बैंक श्रीमाधोपुर के ब्रांच हेड सुमित गुप्ता ने बच्चों को बताया कि जब तक पर्यावरण है तब तक जीवन है अत: हमें पर्यावरण को बचाते हुए अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिए।

भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष का जन्मदिन मनाया

श्रीमाधोपुर, (निसं)। देहात व शहर युवा मोर्चा मंडल श्रीमाधोपुर द्वारा भाजयूमो प्रदेशाध्यक्ष हिमांशु शर्मा का जन्मदिन सोमवार को सेवा कार्य दिवस के रूप में मनाया, इस अवसर पर चन्द्र सैन नालोट प्रदेश सहसंयोजक आजादी का अमृत महोत्सव भाजयुमो राजस्थान के नेतृत्व में नालोट गांव में 11 छायादार पेड लगाए गए, एवं कंचनपुर स्थित गऊशाला में गायों हेतु गोस्वामणी का आयोजन करके गायों को हरा चारा एवं गुड खिलाया गया। एडविकेट कनिष्क गुर्जर अध्यक्ष श्रीमाधोपुर देहात भाजयूमो ने बताया कि युवा मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष हिमांशु शर्मा ने जन्मदिवस सेवा कार्य के रूप में मनाने का आव्हान कार्यकर्ताओं से किया था, इस अवसर पर आशुतोष कुमावत प्रदेश सहसंयोजक खेल प्रकोष्ठ भाजपा राजस्थान, प्रियम संघी अध्यक्ष भाजयूमो शहर मंडल, ललित सैन, गुलशन जांगिड, राकेश सोनी, राकेश डोई, नवीन शर्मा, गुलशन चौहान सहित दर्जनों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रथम प्रयास में ही आईएएस बने नमन गोयल का अभिनंदन किया

लालसोट, (निसं)। मंडावरी कस्बे के रहने वाले एवं प्रथम प्रयास में ही भारतीय प्रशासनिक सेवा में चयन हो ऑल इंडिया स्तर पर 30 वीं रेन्क प्राप्त कर आईएएस बने नमन गोयल एवं उनके परिवार जनों का श्री अग्रसेन सेवा समिति द्वारा साफा एवं माला पहनाकर एवं प्रतीक चिन्ह देकर सम्मान किया गया।

अग्रवाल समाज के महामंत्री दिनेश मेहरावड वाले ने बताया कि मंडावरी कस्बे के प्रथम भारतीय प्रशासनिक सेवा में चयन हुए नमन गोयल का प्रथम बार खुद के गृह क्षेत्र मंडावरी कस्बे पहुंचने पर समाज बंधुओं द्वारा सार्वजनिक अभिनंदन किया गया। महज 23 साल की उम्र में प्रथम प्रयास में ही भारतीय प्रशासनिक सेवा में अखिल भारतीय स्तर पर तीसवीं रैंक पर चयनित हुए नमन गोयल के पिता स्टेट बैंक ऑफ इंडिया महाराष्ट्र में जीएम के पद पर कार्यरत हैं एवं माता ग्रहणी है। गोयल द्वारा खुद की पढ़ाई लिखाई खुद के माता-पिता के साथ रहकर पूरी की है। इस अवसर पर पूर्व सरपंच व समाज के संरक्षक घनश्याम बजाज, अध्यक्ष सुरेश महारिया वाले ,प्रहलाद पटवारी, विमल बोरदी, मिथलेश अग्रवाल, दामोदर चौधरी, मुरारी गोयल, गोपाल गोयल, कमलेश चौधरी, दिनेश मेहरावड, शैलेंद्र बरनाला आदि मौजूद रहे।

मंडावरी में ऑल इंडिया स्तर पर तीसवीं रैंक लाने वाले नमन गोयल का सार्वजनिक अभिनंदन किया गया।

एसडीएम कार्यालय में तैनात कर्मचारी का आकस्मिक निधन

कोटपूतली, (निसं)। स्थानीय उपखण्ड कार्यालय पर तैनात चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी कमलेश कुमार शर्मा निवासी प्रागपुरा का सोमवार दोपहर करीब 3 बजे हृदयाघात से आकस्मिक निधन हो गया। वे करीब 56 वर्ष के थे एवं लम्बे समय से उपखण्ड कार्यालय पर अपनी सेवायें दे रहे थे। सहायक प्रशासनिक अधिकारी योगेश कुमार आर्य ने बताया कि अचानक तबीयत खराब होने से बेहोश होने पर उन्हें तुरन्त राजकीय बीडीएम जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। उनके पैतृक गांव में सोमवार को ही बेहद गमगीन माहौल में उनका अन्तिम संस्कार किया गया। अन्तिम संस्कार में एसडीएम ऋषभ मण्डल, तहसीलदार सूर्यकान्त शर्मा सहित बड़ी संख्या में कर्मचारियों ने उपस्थित होकर श्रद्धांजलि दी।

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
समक्ष वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश, जयपुर, (जिला जयपुर)
स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया विरूद्ध मैसर्स रीटा फैब्रिक्स एवं अन्य
वाद बाबत वसूली 2,27,763.00/-रूपये
वाद संख्या-168 सन् 2019

बनाम 1. मैसर्स रीटा फैब्रिक्स एक प्रोपराईटरशिप फर्म दुकान संख्या 288, गली नं. 5, व्यास मार्ग राजापार्क जयपुर-302004 एवं मकान संख्या 381 गुरूनानकपुरा, राजापार्क, जयपुर 302004 एवं मकानसंख्या 2/170, जवाहर नगर जयपुर 302004 जरिये प्रोपराईटर श्रीमती रीटा एलावादी 2.श्रीमती रीटा एलावादी पत्नी श्री अनिल एलावादी प्रोपराईटर मैसर्स रीटा फैब्रिक्स एक प्रोपराईटरशिप फर्म दुकान संख्या 288, गली नं. 5, व्यास मार्ग, राजापार्क जयपुर-302004 एवं मकान संख्या 381, गुरूनानकपुरा, राजापार्क जयपुर 302004 एवं मकान संख्या 2/170, जवाहर नगर जयपुर 302004 वादी बैंक ने आपके विरूद्ध वसूली के लिए वाद पंजीयत किया है आपको इस न्यायालय में दिनांक 24 माह अगस्त सन् 2022 को प्रात: 10.00 बजे दावे का उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाजिर) होने के लिए वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे सम्यक् अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों के उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे प्रश्नो का उत्तर दे सके आपको यह निर्देश दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दुस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल/ मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है, और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर,चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो, अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करे। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। यह वाद तारीख 18 माह 05 सन् 2022 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

आज्ञा से
वरिष्ठ सिविल न्यायधीश एवं मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट जयपुर जिला जयपुर
सील

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
समक्ष वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश, जयपुर जिला जयपुर
स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया
विरूद्ध रामदयाल
वाद बाबत वसूली 3,08,956.15/- रूपये
वाद संख्या-128 सन् 2018

बनाम रामदयाल पुत्र श्री गोपाल धोबी निवासी-मकान संख्या 200, पवन पुत्र कॉलोनी, करणी पैलेस रोड पांच्यावाला जयपुर-302015 वादी ने आपके विरूद्ध वसूली के लिए वाद पंजीयत किया है आपका इस न्यायालय में तारीख 21 माह जुलाई सन् 2022 को प्रात: 10.00 बजे दावे का उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाजिर) होने के लिए वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे सम्यक् अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों के उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे प्रश्नों का उत्तर दे सके आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल/ मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है, और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर,चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करे। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। यह वाद तारीख 18 माह 05 सन् 2022 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

आज्ञा से
वरिष्ठ सिविल न्यायधीश एवं मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट जयपुर जिला जयपुर
सील

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
समक्ष वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश, जयपुर जिला जयपुर
स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया
विरूद्ध नन्द किशोर शर्मा
वाद बाबत वसूली 2,00,297.70/- रूपये
वाद संख्या-112 सन् 2018

बनाम नन्द किशोर शर्मा पुत्र श्री हनुमान सहाय शर्मा निवासी : मकान संख्या यू-20, संजय नगर कच्ची बस्ती अजमेर रोड जयपुर 302020 वादी ने आपके विरूद्ध वसूली के लिए वाद पंजीयत किया है आपका इस न्यायालय में तारीख 26 माह अगस्त सन् 2022 को प्रात: 10.00 बजे दावे का उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाजिर) होने के लिए वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे सम्यक् अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों के उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे प्रश्नों का उत्तर दे सके आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल/ मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है, और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर,चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करे। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। यह वाद तारीख 18 माह 05 सन् 2022 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

आज्ञा से
वरिष्ठ सिविल न्यायधीश एवं मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट जयपुर जिला जयपुर
सील

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
समक्ष वरिष्ठ सिविल न्यायाधीश, जयपुर जिला जयपुर
स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया
विरूद्ध इकबाल
वाद बाबत वसूली 3,30,972.33/- रूपये
वाद संख्या-107 सन् 2018

बनाम इकबाल पुत्र श्री मोती खान, निवासी-मकान संख्या 3553, भिस्तियों की छोटी मस्जिद, चौकडी तोपखाना, हुजूरी, घाटगेट जयपुर वादी ने आपके विरूद्ध वसूली के लिए वाद पंजीयत किया है आपका इस न्यायालय में तारीख 26 माह अगस्त सन् 2022 को प्रात: 10.00 बजे दावे का उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाजिर) होने के लिए वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है जिसे सम्यक् अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों के उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे प्रश्नों का उत्तर दे सके आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसे सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल/ मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है, और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर,चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते है तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करे। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। यह वाद तारीख 18 माह 06 सन् 2022 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

आज्ञा से
वरिष्ठ सिविल न्यायधीश एवं मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट जयपुर जिला जयपुर
सील

हैतुक दर्शित करने के लिए सूचना
साधारण प्रारूप
व्यवहार प्रक्रिया संहिता पहली अनुसूची संख्यांक 4
न्यायालय उपखण्ड अधिकारी महोदय सांभरलेक जि. जयपुर
चुन्नीलाल वगैरह बनाम केशाराम वगैरह
प्रार्थना पत्र 9/21
प्रार्थना पत्र 251 ए.रा.टी.ऐ.

बनाम-1.सुन्दरीदेवी पत्नि कानाराम, 2. दानाराम पुत्र कानाराम, 3. पेमाराम पुत्र कानाराम, 4-कैलाश पुत्र कानाराम, 5. सरजू पुत्री कानाराम, 6. संजू पुत्री स्व.कानाराम 7. मोहनी देवी पत्नि खडका, 8. रूकमा पुत्री खडका, 9. ग्यारसी पत्नि लालू, 10. कालू पुत्र लालू, 11. फूलचन्द पुत्र लालू, 12. हनुमान पुत्र लालू, 13. भूरी पुत्री लालू, समस्त जाति कुम्हार निवासी बासडी खुर्द तहसील कि.रेनवाल जिला जयपुर राज.
उक्त प्रार्थीगण ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि अतः आपको चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के विरूद्ध हैतुक दर्शित करने के लिए दिनांक 12.7.22 को 10.00 बजे ए.एम. पूर्वान्हे में स्वयं या अपने प्लीडर द्वारा जिसे सम्यक रूप से अनुदेश किया गया हो उपसंजात हो। यदि आप ऐसा करने में असफल रहेगे तो उक्त आदेश को सुनवायी और उसका निपटारा एक पक्षीय रूप से किया जाएगा।
अतः आज दि. 29.6.22 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुद्रा से जारी किया गया।
मोहर उपखण्ड अधिकारी, सांभरलेक

DEBTS RECOVERY TRIBUNAL JAIPUR
First Floor, Sudharma-II, Lal Kothi Shopping Center, Tonk Road, Jaipur-302015
Case No.:OA/110/2022 Exh. No:5687
Summons under sub-section (4) of section 19 of the Act, read with sub-rule (2A) of rule 5 of the Debt Recovery Tribunal (Procedure) Rules,1993.
To, STATE BANK OF INDIA V/S MR. MANISH KUMAR LOYAL
(1)Mr. Manish Kumar Loyal D/W/S/O- Mr. Subhash Chand Loyal,Flat No. 608, Balaji Tower-I, Vidhyadhar Nagar, Jaipur, Raj-302039 Also At:- Siriyasar Kalyan ka Bas, Siriyasar, Jhunjhunu, Rajasthan-333041
(2) M/s Prem Sagar Infra Projects Pvt Ltd S-1, 2nd Floor, Rishi Residency, Plot No. 11, Mission Compound , Ajmer Road, Jaipur, Raj-302001
SUMMONS
WHEREAS, OA/110/2022 was listed before Hon'ble Presiding Officer on 03/06/2022. WHEREAS this Hon'ble Tribunal is pleased to issue summons/notice on the said Application under section 19(4) of the Act, (OA) filed againts you for recovery of debts of Rs.7587968/- (application along with copies of documents etc. annexed) In accordance with sub-section (4) of section 19 of the Act, You the defendants are directed as under:- (I) to show cause within thirty days of the service of summons as to why relief prayed for should not be granted: (ii) to disclose particulars of properties or assets other than properties and assets specified by the applicant under serial number 3A of the original application: (iii) you are restrained from dealing with or disposing of secured assets or such other assets and properties disclosed under serial number 3A of the original application, pending hearing and disposal of the application for attachment of properties: (iv) you shall not transfer by way of sale, lease or otherwise, except in the ordinary course of his business any of the assets over which security interest is created and/or other assets and properties specified or disclosed under serial number 3A of the original application without the prior approval of the tribunal: (v) you shall be liable to account for the sale proceeds realised by sale of secured assets or other assets and properties in the ordinary course of business and deposit such sale proceeds in the account maintained with the bank or financial institutions holding security interest over such assets. You are also directed to file the written statement with a copy thereof furnished to the application and to appear Registrar on 13/09/2022 at 10:30 A.M failing which the application shall be heard and decided in your absence. Give under my hand and seal of this Tribunal on this date:18/06/2022
Seal Registrar DEBTS RECOVERY TRIBUNAL, JAIPUR

आर्म विन्सिस टेक प्राइवेट लिमिटेड (परिसमापन में) की परिसम्पत्तियों के ई-ऑक्शन के ब्रिकी नोटिस का परिशिष्ट

यह इस समाचार पत्र में 10.06.2022 को आर्म विन्सिस प्राइवेट लिमिटेड (परिसमापन में) की परिसम्पत्तियों की बिक्री के लिये प्रकाशित बिक्री नोटिस के संदर्भ में है। बोली आवेदन प्रपत्र के साथ धरोहर राशि (ईएमडी) प्रस्तुत करने तथा ई-ऑक्शन की समय सीमायें निम्न प्रकार बढायी जाती है

बोली आवेदन प्रपत्र तथा ईएमडी के लिये अंतिम तिथि	बोली आवेदन प्रपत्र के साथ रूपये 11,00,000/- (रूपये ग्यारह लाख मात्र) की ईएमडी के प्रति डिमांड ड्राफ्ट (राशि के ऑनलाइन ट्रांसफर के सबूत, परिसमापक के कार्यालय में मंगलवार, जुलाई 12, 2022 को सायं 5.00 बजे से पहले पहुँचने चाहिये।
ई-ऑक्शन तिथी	ई-ऑक्शन गुरूवार, जुलाई 14, 2022 को अपरान्ह 2.00 बजे से सायं 4.00 बजे तक आयोजित होगा। (5 मिनिट प्रत्येक की असीमित वृद्धि के साथ)

संशोधित समयावधि के साथ यह परिशिष्ट ई-ऑक्शन प्लेटफार्म https://eauctions.co.in पर उपलब्ध है।
स्थान-दिल्ली
दिनांक-3/07/2022
ह. दीपक कुमार गर्ग, अवसायक
Reg. No. IBBI/IPA-002/IP-N00796/2019-2020/12560
पत्राचार का पता-411, एस्सल हाउस, आसफ अली रोड, दिल्ली-110002
IBBI के साथ रजिस्टर्ड पता-शान्ती निकेतन, टिबरा रोड, गली नं.4, मोदी नगर-201204 जिला-गाजियाबाद
Email ID: irp.armwinsys@gmail.com, deepakgarg07@rediffmail.com

फॉर्म-जी
अभिरूचि की अभिव्यक्ति के लिए आमंत्रण
(दिवाला और शोधन अक्षमता (कॉरपोरेट व्यक्तियों के लिए दिवाला समाधान प्रक्रिया) विनियमावली, 2016 के विनियम 36ए(1) के अधीन)

संबंधित विवरण		
1.	कॉरपोरेट देनदार का नाम	अजीत सोलर प्रा. लि.
2.	कॉरपोरेट देनदार के निगमन की तिथि	24/05/2007
3.	उस ऑथेरिटी का नाम, जिसके अधीन कॉरपोरेट देनदार निगमित / पंजीकृत है	रजिस्ट्रार ऑफ कम्पनीज़, जयपुर
4.	कॉरपोरेट देनदार की कार्पोरेट पहचान संख्या/सीमित देयता पहचान संख्या	U40106RJ2007PTC024478
5.	कार्पोरेट देनदार के पंजीकृत कार्यालय तथा प्रधान कार्यालय (यदि कोई है) का पता	पंजी. कॉर्यालयः नैशनल मोटर्स बिल्डिंग, एम.आई. रोड, जयपुर, राजस्थान-302001
6.	कॉरपोरेट देनदार के सम्बंध में दिवाला प्रारंभ होने की तिथि	26/04/2019
7.	अभिरूचि की अभिव्यक्ति हेतु आमंत्रण की तिथि	05/07/2022
8.	कोड की धारा 25(2)(एच) के अधीन रिजॉल्यूशन आवेदकों के लिए पात्रता निम्नलिखित पर उपलब्ध है:	संहिता की धारा 25(2)(एच) के तहत समाधान आवेदकों के लिए पात्रता ईमेल cirp.aspl@gmail.com पर लिखकर प्राप्त की जा सकती है।
9.	धारा 29ए के अधीन लागू अयोग्यता के मानक निम्नलिखित पर उपलब्ध है:	धारा 29ए के तहत लागू संभावित समाधान आवेदकों के लिए अपात्रता के मानदंड ईमेल cirp.aspl@gmail.com पर लिखकर प्राप्त किए जा सकते हैं। या आईबीबीआई की आधिकारिक वेबसाइट www.ibbi.gov.in से प्राप्त किया जा सकता है
10.	अभिरूचि के अभिव्यक्ति के प्राप्ति की अंतिम तिथि	20/07/2022
11.	संभावी रिजॉल्यूशन आवेदकों के अनंतिम सूची निर्गमन की तिथि	25/07/2022
12.	अनंतिम सूची के आपत्तियों को जमा करने की अंतिम तिथि	30/07/2022
13.	संभावी समाधान आवेदकों की अंतिम सूची निर्गमन की तिथि	04/08/2022
14.	संभावी रिजॉल्यूशन आवेदकों को सूचना ज्ञापन, इवैल्यूएशन मैट्रिक्स तथा समाधान योजनाओं के लिए अनुरोध के निर्गमन की तिथि	30/07/2022
15.	रिजॉल्यूशन योजना के लिए अनुरोध, इवैल्यूएशन मैट्रिक्स, सूचना ज्ञापन तथा अधिक जानकारी प्राप्त करने का तरीका	आरपी मूल्यांकन मैट्रिक्स, सूचना ज्ञापन, समाधान योजना के लिए अनुरोध और गोपनीयता उपक्रम के निष्पादन और ईओआई की अन्य शर्तों का पालन करने पर ईमेल के माध्यम से आगे की जानकारी साझा करेगा।
16.	रिजॉल्यूशन योजना को जमा करने की अंतिम तिथि	29/08/2022
17.	रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल के पास समाधान योजनाओं को जमा करने का तरीका	सीलबंद लिफाफे में पेन ड्राइव में पासवर्ड से सुरक्षित डिजिटल कॉपी और ईमेल cirp.aspl@gmail.com पर क्रम संख्या 21 में उल्लिखित पते पर डाक या हाथ द्वारा वितरण
18.	अनुमोदन के लिए न्याय निर्णयन प्राधिकारी के पास रिजॉल्यूशन योजना को जमा करने की अनुमानित तिथि	15/09/2022
19.	रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल का नाम तथा पंजीकरण संख्या	देवेन्द्र सिंह IBBI/IPA-002/IP-N00001/2016-17/10001
20.	रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल का नाम, पता तथा ई-मेल, जैसा कि बोर्ड के साथ पंजीकृत है	देवेन्द्र सिंह एसोटेक बिजनेस क्रेस्टररा, कार्यालय नं. 216, द्वितीय तल, टॉवर-1, सेक्टर-135, नोएडा, उत्तर प्रदेश-201305 ईमेल आईडी: dev_singh2006@yahoo.com
21.	रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल के साथ पत्राचार के लिए प्रयुक्त होने वाला पता तथा ई-मेल	एसोटेक बिजनेस क्रेस्टररा, कार्यालय नं. 216, द्वितीय तल, टॉवर-1, सेक्टर-135, नोएडा, उत्तर प्रदेश-201305 ईमेल आईडी: cirp.aspl@gmail.com
22.	अधिक विवरण निम्नलिखित पर या के पास उपलब्ध है	अधिक जानकारी ईमेल cirp.aspl@gmail.com पर भेजकर प्राप्त की जा सकती है
23.	फॉर्म-जी के प्रकाशन की तिथि	05/07/2022

हस्ता/-
देवेन्द्र सिंह
रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल
अजीत सोलर प्रा. लि.
पंजी नं. IBBI/IPA-002/IP-N00001/2016-17/10001
एसोटेक बिजनेस क्रेस्टररा, कार्यालय नं. 216, द्वितीय तल, टावर-1, सेक्टर-135, नोएडा, उत्तर प्रदेश-201305
ईमेल आईडी: cirp.aspl@gmail.com
तिथि: 05-07-2022
स्थानः नोएडा

संक्षिप्त

प्रशासन स्थापना समिति की बैठक

मालपुरा, (निसं)। पंचायत समिति सभागार में प्रधान सकराम चौपडा की अध्यक्षता में पंचायत समिति की प्रशासन स्थापना समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान तीन नवचयनित अध्यापकों को नियुक्ति पत्र दिया गया। पंचायत समिति के कार्यवाहक विकास अधिकारी महेन्द्र कुमार जैन, सीबीईओ गिर्राज प्रसाद गुप्ता, उप प्रधान मुलशंकर शर्मा, सीआर भंवर लाल मुवाल, विनोद कंवर, हेमराज वर्मा व संतोष कंवर की मौजूदगी में कई महत्वपूर्ण बिन्दुओं पर चर्चा की गई।

स्वामी विवेकानन्द की पुण्यतिथि मनाई

कोटपूतली। एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने भीमसिंह पायला के नेतृत्व में सोमवार को स्वामी विवेकानंद की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि दी। पायला ने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने अपनी आध्यात्मिक सोच से पूरी दुनिया को हतप्रभ कर भारतीय दर्शन, संस्कृति और शास्त्रों के ज्ञान से पूरे विश्व को परिचय कराया था। इस दौरान पूर्व छात्रसंघ उपाध्यक्ष शुभम शर्मा, अनिल सोनी, रवि गुर्जर, उदमी, अंकित, अमित सहित अन्य मौजूद थे।

35 वर्षों से बंद पड़े रास्ते को पुलिस व राजस्व टीम ने चालू कराया

लालसोट, (निसं)। उपखंड के काकरिया ग्राम में सोमवार को राजस्व विभाग की टीम एवं मंडावरी थाना पुलिस द्वारा संयुक्त कार्रवाई कर करीब 35 वर्षों से बंद पडे करीब 2 किलोमीटर लंबे आम रास्ते को अतिक्रमण हटाकर सुचारू कराया गया।

एसडीएम मोहर सिंह मीणा के निर्देशों पर तहसीलदार मदन लाल मीणा द्वारा नायब तहसीलदार जगदीश प्रसाद मीणा के नेतृत्व में गिरदावर कमलेश मीणा, छगन लाल मीणा व जिला पटवार संघ के अध्यक्ष सीताराम मीणा, वीपी सिंह मीणा, भंवरलाल जांगिड़, रूप सिंह मीणा, मुनेश कुमार मीणा आदि की राजस्व टीम के एवं मंडावली थाना अधिकारी रामपाल मीणा व अन्य पुलिसकर्मियों के सहयोग से लंबे अरसे से अतिक्रमण कर बंद किए गए आम रास्ते को चालू कराया गया। जिला पटवार संघ के अध्यक्ष सीताराम मीणा ने बताया कि इस राजीव गांधी सेवा केंद्र से बगडी गांव को जोडने वाले आम रास्ते को अतिक्रमणकारियों द्वारा अतिक्रमण कर बंद कर रखा था। इस रास्ते को अतिक्रमण हटा सुचारू करने के लिए विगत 21 जून को भी प्रयास किया गया था लेकिन पूर्ण अतिक्रमण नहीं हटने के कारण सोमवार को दोबारा से आम रास्ते को सुचारू करने के लिए राजस्व विभाग की टीम व पुलिस प्रशासन द्वारा संयुक्त कार्रवाई कर अति उपयोगी व महत्वपूर्ण इनाम राशि के अतिक्रमण को हटाकर मार्ग को सुचारू करवाया गया। उन्होंने बताया कि अतिक्रमण हटाने के दौरान जिन लोगों द्वारा अतिक्रमण कर रखा था विरोध किया गया जहां पर राजस्व टीम द्वारा लोगों को रिकॉर्ड दिखाकर समझाइश की गई। राजस्व कर्मियों की समझाइश के बाद रिकॉर्ड देखकर अतिक्रमण करने वाले विरोध कर रहे लोग शांत हुए एवं अतिक्रमण हटा रास्ता सुचारू करने के लिए राजी हुए।

- दिनभर चली अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई, विरोध करने वालों को रिकॉर्ड दिखाकर समझाया

लालसोट क्षेत्र के काकरिया ग्राम में राजस्व टीम व पुलिस प्रशासन ने 2 किलोमीटर लंबे रास्ते से अतिक्रमण हटाकर मार्ग सुचारु कराया।

कालबेलिया समाज को भूमि आवंटन करने की मांग

टोंक, (निसं)। घुमन्तु, अर्द्ध घुमन्तू एवं विमुक्त जाति परिषद टोंक ने कालबेलिया समाज को भूमि आवंटन करने की मांग को लेकर जिला कलेक्टर को ज्ञापन दिया।

परिषद के जिलाध्यक्ष रामलाल कालबेलिया, मालपुरा तहसील के ग्राम सिंधोलिया के भंवरलाल, इन्द्रा, कजोड, परमेश्वर, रामकुंवार, पतडा देवी, कल्याण, राजू, कन्हैया आदि ने दिए ज्ञापन में बताया कि ग्राम सिंधोलिया में कालबेलिया समाज के 40-50 सालों से निवास कर रहा है। इन लोगों के विद्युत कनेक्शन लगे हुए हैं, शौचालय बने हुए हैं और कच्चे मकान बने हुए हैं, 2017 में प्रधानमंत्री आवास योजना में इनके नाम आए हुए हैं, लेकिन ग्राम पंचायत सिंधोलिया द्वारा इनको आवंटन नहीं कर रहे हैं।

ग्राम पंचायत द्वारा सिवायचक भूमि बताया जा रहा है। आए दिन पंचायत प्रशासन द्वारा नोटिस देकर व जेसीबी भेजकर समाज के लोगों को बने हुए मकान को तोडने की धमकी देते है। इस बारिश की घडी में भी परेशान किया जा रहा है, जिससे गरीब परिवार के लोग व बालक परेशान है। उन्होंने मांग की है कि सरकार द्वारा जो 2017 में प्रधानमंत्री आवास योजना में भूमि आवंटन किए गए है,जो आवंटित किए जाएं।

सार-समाचार

जिला प्रमुख ने चौधरी चरण सिंह मंच को जमीन दान दी

बहरोड़/मुंडावर, (निसं)। 4 जुलाई को जिला प्रमुख बलवीर सिंह ने चौधरी चरण सिंह विकास मंच परगना जिंदोली के नाम पूर्व में घोषणा की गई एक बीघा जमीन चौधरी चरण सिंह विकास मंच समिति के अध्यक्ष एवं सदस्यों के नाम आज रजिस्ट्री करवा कर जमीन के कागजात समिति अध्यक्ष एवं प्रतिनिधियों को सौंपे। जिला प्रमुख ने मुंडावर तहसील कार्यालय में उपस्थित होकर समाज के नाम जमीन की रजिस्ट्री करवा कर कागज सौंपने का कार्य किया। गौरतलब है कि जिला प्रमुख बलबीर सिंह छिल्लर ने पूर्व में चौधरी चरण सिंह की विकास मंच के लिए पूर्व में एक बीघा जमीन दान देने की घोषणा की गई थी। इस कार्रवाई में समाज के वरिष्ठ नागरिकों और जनप्रतिनिधियों के समक्ष सर्वसम्मति से चौधरी चरण सिंह विकास मंच जिंदोली परगना समिति का गठन किया था। जिला प्रमुख बलबीर सिंह छिल्लर ने समिति को 1 माह पूर्व ही मौके पर स्वयं जमीन खोद और समतलीकरण करते हुए गुड बांटकर जमीन दान की थी। जिसकी अब अंतिम कार्यवाही जमीन की रजिस्ट्री करवा कर पूर्ण कर दी। समिति अध्यक्ष तथा उपस्थित जाट समाज के लोगों ने इस नेक कार्य के लिए समाज की ओर से आभार प्रकट किया।

एसआई व एएसआई के हुए ट्रांसफर

कोटपूतली, (निसं)। जयपुर ग्रामीण पुलिस अधीक्षक मनीष अग्रवाल द्वारा जयपुर देहात पुलिस बेडे में बडे पैमाने पर तबादले किये गये है। इनमें 11 एसआई, 36 एएसआई व 38 हैड कानि.व कानि. को ईधर-उधर किया गया है। कोटपूतली सर्किल में स्थित पुलिस थानों की बात की जाये तो प्रागपुरा थाने पर तैनात एसआई राजवीर सिंह को चौकी माधोराजपुरा, पुलिस लाईन से एसआई रविन्द्र कुमार को कोटपूतली थाना, कोटपूतली थाने पर तैनात एसआई सुशीला मीणा को फागी थाने पर लगाया गया है। सरूण्ड थाने पर तैनात एएसआई लक्ष्मण सिंह को भाबरू थाना, कोटपूतली थाने पर तैनात एएसआई बुधाराम को सरूण्ड थाने के चौकी गोरधनपुरा, प्रागपुरा थाने पर तैनात एएसआई धंवलाराम को सामोद थाना, प्रागपुरा थाने की दांतिल चौकी पर तैनात एएसआई बहादुरमल को अमरसर थाना, सरूण्ड थाने की चौकी गोरधनपुरा पर तैनात एएसआई हजारी राम को पुलिस लाईन, सामोद थाने पर तैनात एएसआई जयराम को प्रागपुरा थाना, कोटपूतली थाने पर तैनात एएसआई राकेश कुमार को अचरोल चौकी थाना चंदवाजी, अमरसर चौकी पर तैनात एएसआई हरिराम को कोटपूतली थाना, पुलिस लाईन से एएसआई राजवीर सिंह को थाना कोटपूतली, कोटपूतली थाने से एएसआई अशोक कुमार को रायसर थाना व मनोहरपुर थाने से एएसआई बहादुर सिंह को सरूण्ड थाने पर लगाया गया है।

पाटोत्सव पर हुए धार्मिक आयोजन

मालपुरा, (निसं)। शहर के पुरानी तहसील स्थित बारादरी बालाजी मंदिर प्रांगण में सोमवार को शिव परिवार का बीसवां पाटोत्सव मनाया गया। शिव परिवार की नयनाभिराम फूल बंगला झांकी सजाई गई। सत्यनारायण, जगदीश प्रसाद, श्याम सुन्दर विजय डुंगरीवालों के परिवारजनों ने शिव परिवार के बीसवें पाटोत्सव का पुण्य अर्जित किया। वैदिक मंत्रोचारण के साथ शिव परिवार का जलाभिषेक, पंचामृत स्नान, हवन यज्ञ, अखण्ड रामचरित मानस पठन एवं बाल भोग पंगत प्रसादी सहित विभिन्न धार्मिक आयोजन हुए। बारादरी रामचरित मानस मंडल की हुई बैठक में मंदिर में श्रावण मास अखण्ड रामायण पठन सहित पवित्र श्रावण मास से विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम के आयोजन को लेकर जिम्मेदारियां सौंपी गई।

भैरूजी मंदिर की दीवार टूटी

सांभरझील, (निसं)। यहां राजपथ पर पुरानी कोतवाली के अटैच प्राचीन भैरूजी मंदिर की दीवार फटने से गिरने जैसी स्थिति में आ गयी है। इस दीवार की नये सिरे से मरम्मत की खास जरूरत है, अन्यथा तेज बारिश में इस दीवार के गिरने से इंकार नहीं किया जा सकता है। बताया जा रहा है कि मंदिर परिसर के अंदर पीपल का कई दशकों पुराना पीपल का वृक्ष है, जिसकी जड़े अंदर तक जाने के कारण इस दीवार का फटना बताया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार इस वार्ड की पार्षद सुशीला शर्मा की ओर से इस प्राचीन भैरूजी मिंदर के अस्तित्व को बचाये रखने हेतु पालिका प्रशासन के माध्यम से इसकी क्षितग्रस्त दीवार को ठीक करवाये जाने का अनुरोध भी किया गया है।

प्रधान ने जनसुनवाई के दौरान विकास कार्यों की घोषणा की

बहरोड़/नीमराना, (निसं)। बहरोड़ तहसील के पंचायत समिति क्षेत्र ग्राम पंचायत ढूंढारिया में जनसुनवाई का कार्यक्रम सरोज बस्तीराम यादव प्रधान पंचायत समिति बहरोड़ के मुख्य आतिथ्य में किया गया।

प्रधान ने जन सुनवाई के दौरान सरपंच, पं. स. सदस्य व ग्रामवासियों के मांगपत्र को ध्यान में रखते हुए हरिजन कॉलोनी में वाटर कूलर, श्मशानों में दो टीन शेड, रोड से श्मशानों तक पक्का रास्ता तथा ओपन जिम आदि कार्यों को आगामी वर्ष की कार्य योजना में एक-एक करके सभी कामों को करवाने की घोषणा पंचायत समिति कोटे से की गई। ग्राम वासियों द्वारा अतिथियों का डीजे, साफा एवम फूल मालाओं से स्वागत किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता बस्तीराम यादव एडवोकेट सदस्य राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने बहरोड़ क्षेत्र का सर्वांगीण विकास करने तथा क्षेत्र में शांति कायम करने सहित कांग्रेस पार्टी को मजबूत करना प्राथमिकता बताया तथा आने वाले समय में सभी के साथ मिलकर बहरोड़ के विकास को नए आयाम का रूप देने की बात कही। बहरोड़ क्षेत्र के एमएलए को विकास कार्य रास नहीं से विकास कार्यों में बाधा डालकर विकास कार्यों को रूकवाने के में आए दिन पंचायत समिति बहरोड़ में अडंगा लगाने की नाकाम कोशिश करने में लगे रहने पर भी कमजोर नहीं चाहे कितने भी विकास अधिकारी बदलवा दे विकास कार्यों को नहीं रुकने दिया जाएगा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता सरपंच अशोक यादव द्वारा की गई। इस दौरान पूर्व उपप्रधान विक्रम सिंह यादव, कर्मवीर यादव, जोगेन्दर सिंह यादव, सरपंच सुरेश भेडी, सरपंच राव धर्मसिंह, वेद कृष्णा, जगराम प्रजापत, सरपंच कृष्ण मीणा बसई, पूर्व पं. स. सदस्य देवदत्त, भामाशाह राजाराम यादव ऐडवोकेट, एडवोकेट हितेन्द्र यादव, सुनील चौहान, संजय बोहरा, श्योताज सरपंच, डॉक्टर जयपाल, सिकन्दर यादव मनोज यादव एडवोकेट, सैकड़ों की संख्या में महिलाएं पुरुष नौजवान बच्चे व जनप्रतिनिधिगण साथ उपस्थित रहे।

योग शक्ति कार्यक्रम का तीसरा शिविर आयोजित

कोटपूतली, (निसं)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से समर्थ सशक्त अभियान के तहत विश्व योग दिवस से प्रारम्भ योग शक्ति कार्यक्रम का तीसरा शिविर कस्बे के नागाजी की गौर स्थित कान्हा मैरीज गार्डन में आयोजित हुआ। इस मौके पर अभियान संयोजक मुकेश गोयल ने कहा कि योग शक्ति कार्यक्रम मानव जीवन को स्वस्थ्य एवं खुशहाल बनाने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि योग से शारीरिक, मानसिक व आध्यात्मिक विकास होता है, हमें महज कुछ आसनों का अभ्यास करने मात्र से ही शारीरिक ताजगी व मानसिक एकाग्रता तो प्राप्त होती ही है साथ ही जीवन शैली भी प्रभावित होती है। योगाचार्य राजेश कुमार लखेरा ने योग प्राणायम व आसन का प्रशिक्षण दिया। इस दौरान विजय कुमार आर्य, रविन्द्र बाघोतिया, घनश्याम चौहान, दयाराम कुमावत, प्रफुल्ल रमन, रामजीलाल वर्मा, छीतरमल सैनी, हजारीलाल सैनी, ताराचन्द सैनी, अरविन्द कुमार सैनी, घनश्याम कुमावत सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सैनी समाज का द्वितीय सामूहिक विवाह सम्मेलन सम्पन्न

कोटपूतली, (निसं)। सैनी सभा संस्था द्वारा संचालित सामूहिक विवाह समिति के तत्वावधान में कस्बे में सैनी समाज का द्वितीय सामूहिक विवाह सम्मेलन सोमवार को डाबला रोड स्थित नारायणा मैरीज गार्डन में बडे ही धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ सम्पन्न हुआ।

सम्मेलन में नव युगल विवाह बंधन में बंधे। वहीं बड़ी संख्या में अतिथियों व जनप्रतिनिधियों ने उन्हें आशीर्वाद दिया। सम्मेलन की शुरूआत प्रात: 10.15 बजे सैनी सभा भवन नं. 01 से शुरू हुई। जहां से बारात रवाना होकर डाबला रोड स्थित श्री नारायणा मैरीज गार्डन में पहुंची। विवाह स्थल पर तोरण के बाद पाणिग्रहण संस्कार समेत अन्य वैवाहिक रस्मों का आयोजन किया गया। इस मौके पर अवध बिहारी मन्दिर के महन्त महामण्डलेश्वर डॉ. बालेश्वर दास महाराज, भोमियां मन्दिर के महन्त जानकी दास महाराज, नागाजी मंदिर के महन्त महंत मक्खन दास महाराज के द्वारा महात्मा ज्योतिबा फूले व मां सावित्री बाई फूले के चित्र के समक्ष द्वीप प्रज्जवलन कर नव विवाहित वर-वधुओं को आशीर्वाद दिया गया। संस्था अध्यक्ष राकेश सैनी व विवाह समिति अध्यक्ष रामकुमार सैनी एवं कार्यकारिणी सदस्यों ने समस्त अतिथियों का माल्यार्पण करते हुए प्रतीक चिन्ह भेंट कर व साफा पहनाकर स्वागत किया। इस दौरान भाजपा विधानसभा प्रभारी मुकेश गोयल, सैनी विकास संस्थान के प्रदेशाध्यक्ष गुड्डू सैनी शाहपुरा, पप्पू प्रधान अलवर, तिजारा नगर पालिकाध्यक्ष झब्बूराम सैनी, सैनी सभा नारनौल के अध्यक्ष भगवानदास सैनी, विराटनगर पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि पोकरमल सैनी समेत बर्डोद, थानागाजी, नारायणपुर, रसनाली, बानसूर, नांगल चौधरी आदि क्षेत्रों से सैनी समाज के प्रतिनिधियों ने शिरकत की।

सम्मेलन में नव-युगल विवाह बंधन में बंधे।

आपत्तिजनक स्टेटस लगाने पर युवक गिरफ्तार

मालपुरा, (निसं)। देश व प्रदेश में वर्तमान हालातों को मध्य नजर रख शांति व कानून व्यवस्था के साथ-साथ साम्प्रदायिक सौहार्द कायम रखे जाने के लिए पुलिस व प्रशासन द्वारा बार-बार समझाइश व अपील के बावजूद एक युवक द्वारा आपत्तिजनक स्टेटस लगाने पर युवक को गिरफ्तार किया गया।

थानाधिकारी कैलाश विश्नोई ने बताया कि क्षेत्र में साम्प्रदायिक सौहार्द कायम रखे जाने को लेकर पुलिस व प्रशासन द्वारा सोशल मीडिया पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। बार-बार आमजन से अपील भी की जा रही है। लेकिन इन सब के बावजूद एक युवक प्रधान पुत्र पन्नालाल जाट निवासी डुंगरीखुर्द ने मोबाईल पर आपत्तिजनक स्टेटस लगा समुदाय विशेष की धार्मिक भावनाएं भड़काने का प्रयास किये जाने पर युवक को गिरफ्तार कर सीआरपीसी की धारा 108,151 में मामला दर्ज किया गया।

जलभराव को लेकर महिलाओं ने प्रदर्शन किया

पावटा, (निसं)। पावटा प्रागपुरा नगरपालिका अंतर्गत वार्ड संख्या 14 में जलजमाव की समस्या खत्म होने का नाम नहीं ले रही है। शुरुआती बारिश में ही बाढ़ जैसी स्थिति पूरे वार्ड में बनी हुई है।

पानी भर जाने की वजह से महिलाओं, बुजुर्गों व बच्चों का बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। ऐसा नहीं है कि यह पहली बार हुआ है। विगत कई वर्षों से इस वार्ड में जलजमाव की समस्या है। इसे लेकर कई बार ग्रामीणों ने प्रदर्शन किया। लोगों का कहना है कि वार्ड नं 14 की शर्मा कॉलोनी में समस्याओं का अबार है। मार्ग जगह-जगह से क्षतिग्रस्त है जहां पर जल भराव होने से लोगों को आने-जाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड रहा है। वहीं सोमवार को वार्ड की महिलाओं ने नगर पालिका में आकर प्रदर्शन करते हुए इस समस्या से निजात दिलाने के लिए वार्ड में सीसी रोड व नाली निर्माण की मांग रखी।

- वार्ड संख्या 14 में जलजमाव की समस्या, स्थानीय लोग परेशान

जिस पर पावटा प्रागपुरा नगर पालिका ईओ हरिनारायण यादव ने जल्दी ही समस्या से निजात दिलाने का आश्वासन दिया। प्रदर्शन करने वालों में नीरज सैन, पूर्व वार्ड पार्षद वीरेन्द्र बंसल, विमल गर्ग, प्रकाश सिंघल, श्यामजी गुरुजी, मीना मित्तल, पूर्व वार्ड पार्षद बनारसी देवी, मीरा देवी, नीरज मित्तल, राजकुमार सैन, महेंद्र यादव, राहुल सिंघल, श्रवण बंसल सहित वार्डवासियो ने शासन प्रशासन का ध्यान इस तरफ आकृष्ट कराने की कोशिश की है।

लापता लड़की को बरामद करने की मांग

टोंक, (निसं)। गुर्जर समाज के लोगों सहित भाजपा नेताओं ने गुर्जर समाज की लड़की के लापता मामले में पुलिस अधीक्षक से मुलाकात की और लापता नाबालिग लड़की को शीघ्र बरामद करने की मांग की है। भाजपा जिलाध्यक्ष राजेन्द्र पराणा व पूर्व विधायक राजेन्द्र गुर्जर के नेतृत्व में पूर्व विधायक अजीत सिंह मेहता, भाजपा जिलाध्यक्ष राजेन्द्र पराणा, पूर्व विधायक राजेन्द्र गुर्जर, पूर्व प्रधान जगदीश गुर्जर, खेमराज मीना, रामअवतार धाभाई, गुड्डू खटीक, विष्णु चावला, जय नारायण वर्मा, नेहन लाल पटेल, गणेश गुर्जर, कैलाश गुर्जर, राजाराम गुर्जर, देवराज खाटरा, मोहन गुर्जर, हंसा गुर्जर सहित सैंकडों गुर्जर समाज के लोगों ने एसपी से मिलकर बताया कि 29 जून से सदर थाना अंतर्गत संतोष नगर से गुर्जर समाज की एक नाबालिक लडकी लापता है। जिसका अभी तक कोई सुराग नहीं लगा है।

पावटा महाविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ

पावटा, (निसं)। पावटा राजकीय महाविद्यालय में स्नातक पार्ट प्रथम (कला संकाय) में सत्र 2022-23 के लिए प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है।

प्राचार्य. डॉ रेणु माथुर ने बताया कि ऑनलाईन आवेदन 27 जून से ई-मित्र के माध्यम से भरने शुरू हो गए हैं। आवेदन भरने की अंतिम तिथि 9 जुलाई है। अंतरिम वरीयता सूची एवं प्रतीक्षा सूची का प्रकाशन 13 जुलाई को किया जाएगा। वरीयता एवं प्रतीक्षा सूची में आने वाले अभ्यर्थियों द्वारा महाविद्यालय में दस्तावेज सत्यापन एवं ई मित्र पर शुल्क जमा कराने की अंतिम तिथि 18 जुलाई है।

नोडल अधिकारी डॉ. प्रीतम राज ने बताया कि विद्यार्थियों को ऑनलाईन आवेदन करते समय पासपोर्ट साइज की फोटो, जन आधार कार्ड, बैंक खाता संख्या की प्रतिलिपि, बोनस हेतु प्रमाण-पत्र, जाति प्रमाण-पत्र (ओबीसी, एमबीसी, ईडब्ल्यूएस का प्रमाण पत्र 27 जून 2019 से पुराना नहीं हो, एक वर्ष से अधिक पुराना होने पर क्रीमीलेयर नहीं होने का शपथ पत्र प्रस्तुत करना होगा। किसी भी स्थिति में तीन वर्ष से पूर्व का जाति प्रमाण पत्र मान्य नहीं होगा। स्नातक पार्ट प्रथम के प्रवेश समन्वयक डॉ. आर के सिंह ने बताया कि स्नातक पार्ट प्रथम कला वर्ग में विद्यार्थियों को विषय संयोजन सावधानीपूर्वक भरना होगा। ऑनलाईन आवेदन के समय भरे हुए विषय संयोजन के आधार पर वरीयतानुसार विषय आवंटन किए जाएंगे। विषय संयोजन गलत भरने की स्थिति में विद्यार्थी स्वयं जिम्मेदार होगा। विद्यार्थियों को ऑनलाईन आवेदन पत्र भरने के लिए मूल अंकतालिका, टीसी एवं सी.सी की आवश्यकता नहीं है। अत: विलम्ब किए बिना ही सावधानीपूर्वक आवेदन करें।

उदयपुर हत्याकाण्ड को लेकर कोटपूतली में आक्रोश, व्यापारियों ने रैली निकाली

कोटपूतली, (निसं)। विगत दिनों उदयपुर में कन्हैया लाल टेलर की निर्मम हत्या के घटनाक्रम को लेकर कोटपूतली में आमजन के बीच निरन्तर आक्रोश व्याप्त है।

कस्बे में घटनाक्रम के विरोध में विश्व हिन्दू परिषद्, बजरंग दल, आरएसएस, भाजपा व संत समाज समेत विभिन्न संगठनों द्वारा निरन्तर कडी कार्यवाही की मांग को लेकर राज्यपाल व राष्ट्रपति को निरन्तर ज्ञापन प्रेषित किये जा रहे हैं।

इसी क्रम में सोमवार को कस्बे के व्यापारियों का भी आक्रोश देखने को मिला। नगर व्यापार महासंघ के अध्यक्ष मैथली शरण बंसल के नेतृत्व में सैकडों की संख्या में व्यापारियों ने उपखण्ड कार्यालय तक पैदल मार्च कर घटनाक्रम के विरोध में जमकर नारेबाजी की। वहीं एसडीएम ऋषभ मण्डल को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपकर कडी कार्यवाही की मांग भी की। ज्ञापन में संघ के अध्यक्ष मैथली शरण बंसल समेत रमेश किताब वाला, सुरेश मोठुका, नवल खण्डेलवाल, कृष्ण चन्द्र बंसल, नृसिंहदास अग्रवाल, धर्मपाल सोनी, हरिराम सैनी, संजय बंसल, नवीन खजांची, उमेश गुप्ता, मनोज अग्रवाल, प्रहलाद चंद, अजय बंसल, गुरूप्रसाद अग्रवाल, प्रमोद बंसल, अभिषेक अग्रवाल, होशियार कसाना, अनिल बंसल, अनूप बंसल, पार्षद प्रतिनिधि मुखिया पायला, प्रवीण बंसल, हिमांशु मिश्रा, कुलदीप बंसल, अरविन्द शरण बंसल आदि व्यापारियों ने अवगत करवाया कि व्यापारी कन्हैया लाल टेलर की जघन्य हत्याकाण्ड के दोषियों को जल्द से जल्द फांसी की सजा दी जायें। ताकि राजस्थान में सुशासन व अपराधियों में भय व्याप्त हो। घटनाक्रम में लापरवाही बरतने वाले समस्त पुलिस प्रशासन के दोषी अधिकारियों को बर्खास्त कर निष्पक्ष जाँच की जायें।

स्पष्ट है कि पुलिस द्वारा समयपूर्वक अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए कन्हैयालाल को सुरक्षा दी जाती तो ऐसी अमानवीय घटना सामने नहीं आती। व्यापार महासंघ के पदाधिकारियों ने घटनाक्रम की कडे शब्दों में निन्दा करते हुए प्रदेश की सरकार को नैतिक जिम्मेदारी लेकर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के इस्तीफे की मांग भी की।

कोटपूतली में व्यापारियों ने रैली निकालकर उपखण्ड अधिकारी ऋषभ मण्डल को ज्ञापन सौंपा।

गोविंदगढ़ कस्बा बंद का आव्हान

गोविंदगढ़ /अलवर, (निसं)। उदयपुर में हुए हत्याकांड को लेकर गोविंदगढ़ कस्बा 5 जुलाई को बंद किए जाने के आव्हान को लेकर पुलिस थाना गोविंदगढ़ में सीएलजी सदस्य एवं व्यापार मंडल की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक तहसीलदार विनोद कुमार मीणा एवं थानाधिकारी शिव शंकर शर्मा के द्वारा ली गई। जिसमें व्यापार मंडलों से वार्ता की गई साथी सीएलजी सदस्यों से भी वार्ता की गई।

सीएलजी बैठक में गोविंदगढ़ कस्बे के संयुक्त व्यापार महासंघ के अध्यक्ष अजय मेठी सहित विभिन्न व्यापार मंडल अध्यक्ष मौजूद थे। इसके अलावा कस्बे के गणमान्य नागरिक मौजूद थे। जिनसे तहसीलदार विनोद कुमार मीणा एवं थानाधिकारी शिव शंकर शर्मा के द्वारा वार्ता की गई और क्षेत्र के हालातों के बारे में जानकारी ली गई साथ ही उनके द्वारा क्षेत्र में भाईचारा और सौहार्द बनाए रखने की अपील भी की गई। बैठक के बाद तहसीलदार विनोद कुमार मीणा ने बताया कि व्यापारी विरोध स्वरूप अपने प्रतिष्ठान बंद रख सकता है बाकी किसी से जोर जबरदस्ती नहीं की जाएगी।

घर-घर कचरा संग्रहण ठेके में भ्रष्टाचार का आरोप

टोंक, (निसं)। घर-घर कचरा संग्रहण ठेके में भ्रष्टाचार कर राज्य सरकार को राजस्व हानी पहुंचाने की मांग को लेकर प्रमुख सचिव नगरीय विकास विभाग को ज्ञापन सौंपा है।

मो. विकास खान ने दिये गये ज्ञापन में बताया कि 3 जून को नगर परिषद टोंक द्वारा घर-घर कचरा संग्रहण हेतु सफाई के ठेके की निविदा जारी की गई थी, जिसमें कुल 15 जोन में वार्डों को बांटकर 46-46 लाख रुपये प्रत्येक जोन के हिसाब से टेंडर जारी किया गया है, जिसकी लागत लगभग 7 करोड रुपये है। नगर परिषद टोंक के पास कुल 469 सफाई कर्मचारी उपलब्ध है, सफाई संसाधनों में कचरा संग्रहण की 40 गाड़ियां, 6 ट्रैक्टर, 2 जेसीबी, 2 डंपर सहित 15 ट्रैक्टर किराए पर लिए हुए हैं, इसके अतिरिक्त 2 जैसीबी भी किराए पर ले रखी हैं। साथ ही कचरा बॉक्स उठाने की 3 गाडियां, 3 ई-रिक्शा और 4 जेट मशीन नगर परिषद टोंक के पास उपलब्ध है, उक्त संसाधनों के साथ 3 करोड रुपए प्रति वर्ष का व्यय कर कचरा संग्रहण किया जा रहा है, परंतु उसके बावजूद घर-घर कचरा संग्रहण करने हेतु नया टेंडर जारी किया गया, जिसमें इस टेंडर के द्वारा मात्र राजस्व हानि के अलावा और कुछ लाभ नहीं हो सकता।

- प्रमुख सचिव नगरीय विकास विभाग को ज्ञापन सौंपा

ज्ञापन में बताया कि उक्त टेंडर में मौजूदा शर्तों को देखते हुए किसी व्यक्ति विशेष या फर्म को लाभ पहुंचाने की नियत से टेंडर जारी किया गया है। उक्त टेंडर लगभग 7 करोड रुपए का है, उसके बावजूद इसका नगर परिषद बोर्ड की मीटिंग में अनुमोदन नहीं किया गया जिससे भ्रष्टाचार होना संभावित है। उन्होंने बताया कि उक्त टेन्डर के लिए प्रथम निविदा 11 जनवरी 22 को जारी की गई, जिसमें लागत प्रति जोन 70.20 लाख रुपये मानी गई थी, जबकी वर्तमान में 3 जून 22 को जारी किये गए टेन्डर में प्रति जोन लागत 46 लाख रुपये आंकी गई है। उक्त टेन्डर द्वारा एक ही फर्म को लाभ पहुंचाने की नियत से प्रथम निविदा में शर्त डाली गई की उक्त टेन्डर 10 प्रतिशत की बढोतरी के साथ वर्ष 2029 तक बढाया जा सकेगा एवं इसी नियत से वर्तमान टेन्डर को 10 प्रतिशत की बढोतरी के साथ वर्ष 2025 तक बढाया जा सकेगा। उक्त टेन्डर के लिए कुल तीन कॉपियों डाली गई है एवं तीनों फर्म एक ही व्यक्ति से संबंधित हैं एवं मुख्य निविदाकर्ता बालाजी एंटरप्राइसेस है, जिसके ही नाम पर निविदा खुलना संभावित है। उक्त टेन्डर में एक बडी फर्म को ही योग्य करार देने की गरज से उक्त टेन्डर में शर्त डाली गई की योग्य फर्म के बैंक अकाउंट में टेन्डर राशी का दो गुना राशी बैंक से जमा हो अथवा सी सी लिमिट हो साथ ही 2 वर्ष का कम से कम ओसत टर्नओवर 1.5 करोड रूपये हो। ज्ञापन में बताया कि उक्त टेन्डर से राजस्थान सरकार व नगर परिषद टोंक को लाखों रू. का नुकसान होने की उम्मीद है।

भारत ने शायद कप्तान के तौर पर पैट कमिंस और स्टोक्स की सफलता का अनुकरण करते हुए मौजूदा टेस्ट के लिए तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को कप्तान नियुक्त किया। यह एक साहसी नियुक्ति है और बुमराह के लिए बहुत कुछ है।

- इयान चैपल

पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर, जसप्रीत बुमराह के बारे में।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी — हरमनप्रीत कौर

महिला बिग बैश लीग के क्लब मेलबर्न रेनेगेड्स ने भारतीय टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर के साथ आगामी सीजन के लिये दोबारा अनुबंध किया है। रेनेगेड्स ने सोमवार को जारी एक बयान में कहा, ''महिला बिग बैश लीग के पिछले सत्र की प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट मेलबर्न रेनेगेड्स के साथ एक और सत्र के लिये जुड़ेंगी। डब्ल्यूबीबीएल-7 में हरमनप्रीत ने रेनेगेड्स के लिये सर्वाधिक रन बनाने के साथ-साथ सबसे ज्यादा विकेट भी लिये थे।दाएं हाथ की बल्लेबाज हरमनप्रीत ने 58 के औसत से 406 रन बनाए और अपनी ऑफ स्पिन गेंदबाजी से 15 विकेट भी लिये।

क्या आप जानते हैं ?... मेजबान ब्राजील ने 1950 के विश्वकप फुटबाल के आयोजन के लिए रियो डी जेनेरो में दुनिया का सबसे बड़ा स्टेडियम बनाया जिसमें दर्शक क्षमता 2,20,000 थी।

रुट और बेयरस्टो के अर्द्धशतक, इंग्लैंड को मिली जीत की सुगंध

बर्मिंघम, 4 जुलाई। जो रुट (नाबाद 76) और जानी बेयरस्टो (नाबाद 72) के शानदार अर्धशतकों तथा उनके बीच चौथे विकेट के लिए 150 रन की अविजित साझेदारी की बदौलत इंग्लैंड ने 378 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए चौथे दिन सोमवार को तीन विकेट पर 259 रन बना लिए। इंग्लैंड को यह मैच जीतने और सीरीज में 2-2 की बराबरी हासिल करने के लिए 119 रन की जरूरत है जबकि सीरीज 3-1 से जीतने के लिए भारतीय गेंदबाजों को सात विकेट निकालने की जरूरत है। मैच में इस समय इंग्लैंड का पलड़ा भारी नजर आ रहा है।

भारत ने इससे पहले चेतेश्वर पुजारा (66) और ऋषभ पंत (53) के शानदार अर्धशतकों से दूसरी पारी में 245 टीम बनाये और मेजबान टीम के सामने जीत के लिए 378 रन का लक्ष्य रखा। लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड ने चायकाल तक एक विकेट खोकर 107 रन बना लिए थे। चायकाल के बाद इंग्लैंड ने पहली ही गेंद पर ओली पॉप का विकेट गंवाया। बुमराह की गेंद पर पॉप विकेटकीपर पंत के हाथों लपके गए। एलेक्स लीज दूसरा विकेट गिरने के दो रन बाद एक सिंगल लेने की गलतफहमी में मोहम्मद शमी के थ्रो पर रवींद्र जडेजा के हाथों रन आउट हो गए। तीसरा विकेट 109 रन के स्कोर पर गिरने के बाद रुट और बेयरस्टो ने चौथे विकेट के लिए 150 रन की मजबूत अविजित साझेदारी कर इंग्लैंड को अच्छी स्थिति में पहुंचा दिया।

स्टंप्स के समय रुट 112 गेंदों में नौ चौकों की मदद से नाबाद 76 और बेयरस्टो 87 गेंदों में आठ चौके और एक छक्के के सहारे नाबाद 72 रन बनाकर क्रीज पर हैं। इंग्लैंड के तीन विकेटों में से दो भारतीय कप्तान जसप्रीत बुमराह के हिस्से में गए जबकि एक खिलाड़ी रन आउट हुआ। इंग्लैंड ने लक्ष्य का पीछा करते हुए 107 रन की ओपनिंग साझेदारी की। चायकाल से पहले कप्तान जसप्रीत बुमराह ने ओवर संभाला और ज़ैक क्रॉली को बोल्ड कर भारत को पहली सफलता दिला दी। ज़ैक क्रॉली ने 76 गेंदों पर सात चौकों की मदद से 46 रन बनाये।

इससे पहले भारत ने कल के तीन विकेट पर 125 रन से आगे खेलना शुरू किया। चेतेश्वर पुजारा ने 50 और ऋषभ पंत ने 30 रन से अपनी पारी को आगे बढ़ाया। दोनों स्कोर को 153 रन तक ले गए। पुजारा इस स्कोर पर स्टुअर्ट ब्रॉड की गेंद पर आउट हुए। पुजारा ने 168 गेंदों पर 66 रन में आठ चौके लगाए अय्यर 19 रन बनाने के बाद मैथ्यू पॉटस की गेंद पर अपना विकेट गंवा बैठे।

पंत लेफ्ट आर्म स्पिनर जैक लीच की गेंद पर रिवर्स स्वीप खेलने की कोशिश में स्लिप में आसान कैच दे बैठे। पंत ने 86 गेंदों पर 57 रन में आठ चौके लगाए। पहली पारी के शतकधारी रवींद्र जडेजा 23 रन बनाकर नौवें बल्लेबाज के रूप में आउट हुए। जसप्रीत बुमराह आखिरी बल्लेबाज के रूप में 245 के स्कोर पर आउट हुए। मोहम्मद शमी ने 13 रन बनाये।

स्कोर बोर्ड

भारत पहली पारी 416 रन

इंग्लैंड पहली पारी 284 रन

भारत की दूसरी पारी	रन	गेंद	4	6
शुभमन गिल का क्रॉली बो एंडरसन	4	3	1	0
चेतेश्वर पुजारा का लीज़ बो ब्रॉड	66	168	8	0
हनुमा विहारी का बेयरस्टो बो ब्रॉड	11	44	1	0
विराट कोहली का रूट बो स्टोक्स	20	40	4	0
ऋषभ पंत का रूट बो लीच	57	86	8	0
श्रेयस अय्यर का एंडरसन बो पॉट्स	19	26	3	0
रविंद्र जडेजा बो स्टोक्स	23	58	1	0
शार्दुल ठाकुर का क्रॉली बो पॉट्स	4	26	0	0
मोहम्मद शमी का लीज़ बो स्टोक्स	13	14	2	0
जसप्रीत बुमराह का क्रॉली बो स्टोक्स	7	20	0	1
मोहम्मद सिराज नाबाद	2	9	0	0
अतिरिक्त :	19			

कुल : 81.5 ओवर में 245

विकेट पतन : 1-4, 2-43, 3-75, 4-153, 5-190, 6-198, 7-207, 8-230, 9-236, 10-245

गेंदबाज़ी : जेम्स एंडरसन 19-5-46-1, स्टुअर्ट ब्रॉड 16-1-58-2, मैथ्यू पॉट्स, 17-3-50-2, बेन स्टोक्स 11.5-0-33-4, जैक लीच 12-1-28-1, जो रूट, 6-1-17-0

पूर्व विश्व चैम्पियन को हराकर अल्फिया ने जीता स्वर्ण

नूर सुल्तान, 4 जुलाई। मौजूदा युवा विश्व चैंपियन अल्फिया पठान और गीतिका ने कजाकिस्तान में आयोजित एलोर्डा कप में सोमवार को दमदार प्रदर्शन के साथ स्वर्ण पदक जीते, जबकि भारत की अन्य दो महिला मुक्केबाज कलाइवानी श्रीनिवासन और जमुना बोरो ने रजत पदक के साथ प्रतियोगिता समाप्त की। नागपुर की अल्फिया ने 2016 विश्व चैंपियन और खिताब की प्रबल दावेदार लज्जत कुंगेइबायेवा को महिलाओं के 81 किग्रा फाइनल में 5-0 से हराया, जबकि गीतिका ने 48 किठाा फाइनल में हमवतन कलाइवानी पर 4-1 से रोमांचक जीत दर्ज की। यह अल्फिया और गीतिका के लिए पहली सीनियर अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता भी थी।

अल्फिया मौजूदा एशियाई चैंपियन कुंगेइबायेवा के लिए बहुत मजबूत साबित हुईं। अनुभवी कजाख मुक्केबाज के पास अल्फिया के मुक्कों का कोई जवाब नहीं था, और युवा भारतीय ने अंततः जीत दर्ज की।स्वर्ण पदक जीतने के बाद उत्साहित अल्फिया ने कहा, ''विशेष रूप से विश्व चैंपियनशिप पदक विजेता के खिलाफ स्वर्ण पदक जीतना एक अद्भुत एहसास है।''

दूसरी ओर, रोहतक की रहने वाली गीतिका ने अपनी हमवतन कलाइवानी के खिलाफ फाइनल जीतकर देश को पहला स्वर्ण दिलाया।दोनों मुक्केबाजों ने आक्रामक इरादे से शुरुआत की और एक-दूसरे पर हमलावर रह।

गीतिका ने बाउट के आगे बढ़ने के साथ-साथ मुकाबले पर अपनी पकड़ मजबूत की और अंत में परिणाम को अपने पक्ष में करने में कामयाब रहीं। गीतिका ने अपनी जीत के बाद कहा, ''पहले सीनियर अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीतना बहुत अच्छा अहसास था। यह एक शुरुआत है। मैं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में सीनियर स्तर पर और पदक जीतना चाहती हूं।''

इस बीच, 2019 विश्व चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता जमुना ने उज्बेकिस्तान की निगिना उकटमोवा के खिलाफ अपना सब कुछ झोंक दिया, लेकिन वह 54 किग्रा फाइनल में 0-5 से हार गई। अंतिम दिन दो स्वर्ण और दो रजत पदक जीतने के साथ, भारतीय दल ने टूर्नामेंट के उद्घाटन संस्करण में 10 कांस्य सहित 14 पदक हासिल किये।

भारतीय महिलाओं ने दो स्वर्ण, दो रजत और छह कांस्य पदक जीते जबकि पुरुषों ने चार रजत हासिल किये।ज्योति गुलिया (52 किग्रा), साक्षी (54 किग्रा), सोनिया लाठेर (57 किग्रा), नीमा (63 किग्रा), ललिता (70 किग्रा) और बबीता बिष्ट (81 किग्रा) महिला वर्ग में कांस्य पदक विजेता रहीं। पुरुषों में कुलदीप कुमार (48 किग्रा), अनंत चोपडे (54 किग्रा), सचिन (57 किग्रा) और जुगनू (92 किग्रा) ने कांस्य पदक जीते।

अंडर-15 महिला कुश्ती टीम ने जीता एशियाई खिताब

मनामा, 4 जुलाई। भारतीय अंडर-15 महिला टीम ने सोमवार को बहरीन में आयोजित अंडर-15 एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में छह स्वर्ण और दो रजत पदक जीतकर एशियाई खिताब अपने नाम किया। भारत 210 अंक के साथ पहले, जापान 195 अंक के साथ दूसरे और किर्गिजिस्तान 149 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहा। भारत की ओर से स्वर्णिम प्रदर्शन करते हुए तनीषा ने 33 किग्रा भार वर्ग में, दीपांशी ने 39 किग्रा भार वर्ग में, एकता ने 46 किग्रा भार वर्ग में और रंजिता ने 50 किग्रा भार वर्ग में स्वर्ण पदक प्राप्त किया। नेहा ने 54 किग्रा और काजल ने 66 किग्रा भार वर्ग में स्वर्ण जीता। साथ ही मोनिका ने 42 किग्रा और रौनक ने 58 किग्रा भार वर्ग में भारत को रजत पदक दिलाये।

सुरक्षा खतरे के कारण बुलेटप्रूफ वाहन का उपयोग करते है पीसीबी प्रमुख रमीज

कराची, 4 जुलाई। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष रमीज राजा ने खेल मामलों की स्थायी संसदीय समिति (नेशनल असेंबली कमेटी) से कहा कि वह सुरक्षा खतरे की वजह से बुलेटप्रूफ वाहन का इस्तेमाल करते हैं। बोर्ड अध्यक्ष के रूप में मिलने वाले लाभ और भत्तों के बारे में पूछे गये सवाल के जवाब में रमीज ने कहा कि वह पीसीबी के लिए 'बड़ा वित्तीय बोझ नहीं है' क्योंकि कुछ अन्य चीजों के अलावा अपने चिकित्सा खर्चों का भी वह खुद ही ध्यान रखते हैं। इस बैठक की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने कहा, ''रमीज ने समिति के सदस्यों से कहा था कि सुरक्षा खतरे के कारण उन्होंने बोर्ड की बुलेट प्रूफ वाहन का इस्तेमाल किया है। वह इसके अलावा पीसीबी से कोई भी लाभ लेने से बचते रहे हैं।'' उन्होंने बताया कि समिति के किसी भी सदस्य ने सरकार बदलने के बाद रमीज से बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में उनके भविष्य के बारे में नहीं पूछा। किसी ने उसने इस्तीफ देने के बारे में भी नहीं पूछा। पाकिस्तान में आमतौर पर केन्द्र सरकार के बदलने के बाद बोर्ड का अध्यक्ष भी बदल जाता है।

भारत ने श्रीलंका को 10 विकेट से रौंदा

पल्लेकेल, 4 जुलाई। भारत ने स्मृति मंधाना (94 नाबाद) और शेफाली वर्मा (71 नाबाद) के शानदार अद्धर्शतकों की बदौलत श्रीलंका के खिलाफ सोमवार को दूसरे एकदिवसीय मुकाबले में 10 विकेट से जीत दर्ज की। श्रीलंका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत के सामने 50 ओवर में 174 रन का लक्ष्य रखा था, जिसे भारत ने 25.4 ओवर में ही हासिल कर लिया। इस जीत के साथ भारत ने तीन मैचों की एकदिवसीय श्रंखला में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है। भारत ने इससे पहले टी 20 सीरीज 2-1 से जीती थी। भारत ने टॉस जीतकर श्रीलंका को पहले बल्लेबाजी के लिये बुलाया और 11 रन के स्कोर पर ही तीन विकेट झटक लिये।श्रीलंका नियमित अंतराल पर विकेट खोती रही और कभी भी ऐसा नहीं लगा कि पारी उनके नियंत्रण में है। अमा कंचना ने अपनी टीम के लिये सर्वाधिक 47(83) रन की नाबाद पारी खेली जिसमें उन्होंने दो चौके लगाये। इसके अलावा निलाक्षी डि सिल्वा ने 32(62) रन बनाये, जबकि कप्तान चमारी अटापट्टू ने 27(45) रन जोड़े और श्रीलंका अपने 50 ओवर में 173 रन पर ऑल-आउट हो गयी। भारत की दमदार गेंदबाजी के बाद दमदार बल्लेबाजी ने ताबूत में आखिरी कील का काम किया।हरमनप्रीत कौर की टीम ने एक भी विकेट गंवाये बिना 174 रन के लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लिया। भारत के लिये स्मृति ने 83 गेंदों पर 11 चौकों और एक छक्के की बदौलत सर्वाधिक 94 रन बनाये।

आयरलैंड दौरे से पहले मिचेल सैंटनर कोरोना पॉजिटिव

ऑकलैंड, 4 जुलाई। शुक्रवार को कोरोना पॉज़िटिव पाए जाने के बाद न्यूज़ीलैंड के ऑलराउंडर मिचेल सैंटनर ने रविवार को टीम के बाक़ी सदस्यों के साथ आयरलैंड की यात्रा नहीं की है। ठीक होने और निगेटिव रिपोर्ट प्राप्त करने के लिए उन्हें कम से कम एक हफ़्ते का समय लगेगा। 10 जुलाई को पहले वनडे के साथ दौरा शुरू होगा और सैंटनर आयरलैंड, स्कॉटलैंड और नीदरलैंड्स के विरुद्ध टी20 अंतर्राष्ट्रीय सीरीज़ से पहले कप्तान का पद संभालने के लिए टीम के साथ जुड़ना चाहेंगे। आयरलैंड दौरे के लिए टीम के प्रमुख कोच शेन जर्गेंसन ने कहा, ''कोविड एक चुनौती रहा है और आगे भी रहेगा।

भारत दौरे के लिए अभी से तैयारी कर रहा है ऑस्ट्रेलिया

मेलबोर्न, 4 जुलाई। ऑस्ट्रेलिया की टीम भले ही श्रीलंका दौरे पर गई हो लेकिन उनका पूरा ध्यान अगले साल होने वाले भारत दौरे पर है। पहले टेस्ट में जीत के बाद अगले टेस्ट में ड्रॉ भी एशिया में उन्हें लगातार दूसरी सीरीज़ जिता सकता है। इससे पहले उन्होंने इसी साल पाकिस्तान को हराया था, जो कि ऑस्ट्रेलिया की एशिया में 11 साल बाद कोई पहली टेस्ट सीरीज़ जीत थी। 2004 के बाद से ऑस्ट्रेलिया भारत में कोई सीरीज़ नहीं जीत सका है।

जहां आशा के विपरीत पाकिस्तान ने तीनों टेस्ट मैच में बल्लेबाज़ों के अनुकूल पिच दी, जहां पर गेंद मुश्किल से टर्न कर रही थी। वहीं श्रीलंका ने गॉल में रैंक टर्नर पिच दी , जिसे ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज़ों ने अब तक की सबसे मुश्किल पिच कहा। हालांकि ऑस्ट्रेलियाई स्पिनरों ने इसका पूरा फ़ायदा उठाते हुए मैच में कुल 18 विकेट झटके, जिसमें पार्ट टाइम स्पिनर भी शामिल थे।

अगले साल भारत में भी ऑस्ट्रेलिया कुछ ऐसी ही पिचों की उम्मीद कर रहा है। उनके असिस्टेंट कोच डैनियल वेटोरी ने कहा, ''अलग-अलग जगहों पर परिस्थितियां अलग-अलग होंगी। अगर आप मोहाली में खेलते हैं तो विकेट पाकिस्तान जैसी फ़्लैट मिल सकती है, वहीं अगर आप वानखेड़े में खेलते हैं तो वह गॉल जैसा स्पिन करेगी। साथ ही ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज़ अब स्वीप शॉट के द्वारा ज़्यादा रन बनाने का प्रयास कर रहे हैं।। पहले टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया की लगभग 45.7 प्रतिशत बाउंड्री या तो स्वीप या रिवर्स-स्वीप के द्वारा आए थे। साल 2016 में श्रीलंका में उनकी 3-0 की हार में यह प्रतिशत 20.8 था।

वेटोरी ने कहा, ''कई मायनों में भारत में वह स्वीप करते हुए बाउंड्री बटोरने में इतना सफल नहीं होंगे। जो खिलाड़ी लोग बहुत अच्छी तरह से स्वीप करते हैं उन्होंने जितना संभव हो उतना जोर देने की कोशिश की और बाउंड्री बटोरने का प्रयास किया। ऐलेक्स कैरी ने शायद सबसे स्वीप करने का प्रयास किया था। उन्होंने कुल 12 ऐसे स्वीप शॉट मारे थे जिसमें उन्हें रन मिला था।''

कहासुनी के बाद सितसिपास, किर्गियोस पर लगा जुर्माना

लंदन, 4 जुलाई। यूनान के स्टेफानोस सितसिपास और ऑस्ट्रेलिया के निक किर्गियोस पर शनिवार को हुए तीसरे दौर के मैच के दौरान किये गये ''उल्लंघनों'' के लिये जुर्माना लगाया गया। सितसिपास ने मैच के दौरान एक गेंद दर्शक दीर्घा में मारी थी, जिसके लिये उनपर 10,000 डॉलर का जुर्माना लगाया गया। टेनिस के बैड बॉय किर्गियोस पर अपशब्द के प्रयोग के लिये 4,000 डॉलर का जुर्माना लगाया गया। विम्बलडन के तीसरे दौर के मुकाबले में किर्गियोस ने सितसिपास को मात दे दी थी, जिसके बाद दोनों ने पोस्ट-मैच प्रेस वार्ता में भी एक दूसरे पर टिप्पणियां की थीं।

टी-20 में 2000 रन और 100 विकेट पूरे करने वाले पहले खिलाड़ी बने शाकिब

ढाका, 4 जुलाई। बांग्लादेश के स्टार ऑल-राउंडर शाकिब अल हसन अंतरराष्ट्रीय टी20 में 2000 रन और 100 विकेट पूरे करने वाले पहले खिलाड़ी बन गये हैं। शाकिब ने यह कीर्तिमान रविवार को वेस्ट इंडीज के खिलाफ खेले गये दूसरे टी20 मुकाबले में हासिल किया। शाकिब ने इस मैच में 52 गेंदें खेलकर 68 रन बनाकर अंतरराष्ट्रीय टी20 में 2000 रन पूरे किये, हालांकि बांग्लादेश वेस्ट इंडीज के 193 रन का पीछा करते हुए 20 ओवर में 158 रन ही बना सकी और 35 रन से हार गयी। उन्होंने गेंदबाजी करते हुए एक विकेट भी लिया। शाकिब 98 मैचों के अपने टी20 करियर में 23.31 की औसत और 12.86 की स्ट्राइक रेट से 2005 रन बना चुके हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय टी20 में 10 अद्धर्शतक लगाये हैं। साथ ही शाकिब ने 6.7 की इकॉनमी के साथ बांग्लादेश के लिये 120 विकेट भी लिये हैं।

2021 की योजना के तहत गेंदबाजी करके हमें सफलता मिली : सिराज

बर्मिंघम, 4 जुलाई। पांचवें टेस्ट में इंग्लैंड की पहली पारी में चार विकेट लेने वाले भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने तीसरे दिन के खेल के बाद कहा कि 2021 की योजना के तहत गेंदबाज़ी करके हमें सफलता मिली।

सिराज के अनुसार भारत के पास 140 किमी प्रति घंटे की गति से गेंदबाज़ी करने वाले गेंदबाज़ों का एक अच्छा समूह है, इसी कारण भारत पिछले साल सीरीज़ में 2-1 से बढ़त बनाने में सफल रहा था। भारत ने इस मैच में भी उसी योजना के साथ गेंदबाज़ी की और उन्हें सफलता मिली। सिराज ने पहली पारी में चार विकेट झटके, जिसमें जो रूट का भी विकेट शामिल है।

मैच से पहले इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने साफ़ कह दिया था कि उनकी टीम निडर होकर बल्लेबाज़ी करने वाली है। इसी शैली के साथ बल्लेबाज़ी करते हुए स्टोक्स का विकेट भी गिरा। इसके बाद भारत 132 रनों की बढ़त लेने में सफल रहा। इंग्लैंड के बल्लेबाज़ों में सिर्फ़ जॉनी बेयरस्टो ही सफल रहे और उन्होंने शतक भी लगाया, जिसके कारण उनकी टीम एक ठीक-ठाक स्कोर तक पहुंच सकी।

सिराज ने कहा, ''एक गेंदबाज़ के तौर पर हम पूरे धैर्य के साथ गेंदबाज़ी करने का प्रयास कर रहे थे। बेयरस्टो काफ़ी बढ़िया फ़ॉर्म में हैं और लगातार रन बना रहे हैं। हमें पता था कि उनका आत्मविश्वास काफ़ी ऊपर है। हमारी योजना काफ़ी सरल थी कि अतिरिक्त प्रयास नहीं करना है। हमने जो योजना बनाई है, उसी के अनुसार गेंदबाज़ी करते रहना है। उन्हें आउट करने के लिए हमें बस एक अच्छी गेंद डालनी थी।''

लंच के बाद जसप्रीत बुमराह ने काफ़ी बढ़िया गेंदबाज़ी करते हुए सटीक लेंथ पर गेंदबाज़ी की। साथ ही उन्होंने धीमी गति से भी गेंद डाली। कुल मिला कर उन्होंने बेयरस्टो को शांत रखा। इसके बाद बेयरस्टो शमी की एक फुलर लेंथ गेंद पर स्लिप में खड़े विराट कोहली को कैच दे बैठे।

सिराज ने कहा, ''जब हमने न्यूज़ीलैंड सीरीज़ देखी तो हमने महसूस किया कि हमारा हर गेंदबाज़ 140 से अधिक की गति से गेंदबाज़ी कर सकता है और उनके गेंदबाज़ों पास यह क्षमता नहीं है। पिछले साल यही हमारी मज़बूती थी और इसलिए हमें सफलता मिली थी। पहली पारी में पिच गेंदबाज़ों को मदद कर रही थी, इसलिए हमारी योजना थी कि हमे एक एक ही क्षेत्र में लगातार गेंदबाज़ी करते रहना है। हम कहीं से भी कमज़ोर गेंद नहीं करना चाहते थे। इससे विपक्षी टीम को रन बनाने का मौक़ा मिल सकता था।''

न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ़ इंग्लैंड के बल्लेबाज़ो ने आक्रामक दृष्टिकोण के साथ बल्लेबाज़ी करते हुए आसानी से 270 से अधिक के तीन लक्ष्य का पीछा किया। इसमें कोई संदेह नहीं है कि स्टोक्स की टीम फिर से यही प्रयास करेगी।

सहज ने जीता एकल, अंकिता-प्रिस्का ने युगल खिताब

गुरुग्राम, 4 जुलाई। सहज यमलापल्ली ने द टेनिस प्रोजेक्ट के आईटीएफ डॉलर 25,000 टेनिस टूर्नामेंट के अंतिम दिन तक अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन जारी रखते हुए एकल फाइनल में तीसरी वरीयता प्राप्त विक्टोरिया मोरवायोवा को 6-3 7-6 (5) से मात देकर खिताब जीत लिया।

सहज ने टूर्नामेंट की शुरुआत गत वर्ष की चैंपियन करमन कौर थांडी को पहले राउंड में हराकर की थी। इसके बाद उन्होंने दूसरे दौर में टॉप सीड सौजन्य बाविसेट्टी सहित लगातार प्रतिद्वंद्वियों को शिकस्त देते हुए फाइनल में जगह बनायी।

सहज ने रविवार को हुए फाइनल में तीसरी वरियता प्राप्त मोरवायोवा को हराकर इस साल का अपना दूसरा एकल खिताब हासिल किया। इससे पहले वह मार्च में हुए आईटीएफ डॉलर 15,000 टूर्नामेंट में भी अपना परचम लहरा चुकी हैं। इसी बीच, प्रिस्का नुगरोहो के साथ साझेदारी में देश की नंबर एक अंकिता रैना ने डबल्स फाइनल में जापानी जोड़ी मिसाकी मात्सुदा/मोमोको कोबोरी को 3-6, 6-0 (10-6) से हराकर खिताब अपने नाम किया।

पॉवेल के तूफान में बही बांग्लादेश

डोमिनिका, 4 जुलाई। रोवमैन पॉवेल (28 गेंदों पर 61 रन) के ताबड़तोड़ अद्धर्शतक की बदौलत वेस्ट इंडीज को बांग्लादेश दूसरे टी20 में 35 रन की शिकस्त दी। वेस्ट इंडीज ने रविवार को हुए मैच में बांग्लादेश के सामने 194 रन का लक्ष्य रखा था, जिसके जवाब में बांग्लादेश छह विकेट गंवाकर 158 रन ही बना सकी।

वेस्ट इंडीज ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी चुनी। कैरिबियाई टीम की ओर से सलामी बल्लेबाज ब्रेंडन किंग (57) ने अर्धशतक जड़ा। ब्रेंडन ने 43 गेंदों की अपनी पारी में सात चौके और एक छक्का लगाया। कप्तान निकोलस पूरन ने 30 गेंदों में तीन चौके और एक छक्का लगाकर 34 रन बनाये।

13वें ओवर में बल्लेबाजी करने आये पॉवेल ने विस्फोटक रूप अपनाते हुए पारी को अंजाम तक पहुंचाया। पॉवेल ने 28 गेंदों में दो चौके और छह छक्के लगाकर 61 रन की नाबाद पारी खेली जिसकी बदौलत वेस्ट इंडीज ने अपने 20 ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर 193 रन बनाये। बांग्लादेश की ओर से शोरिफुल इस्लाम ने दो विकेट लिये जबकि महदी हसन, शाकिब अल हसन और मोसादेक हुसैन ने एक-एक विकेट अपने नाम किया। 194 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी बांग्लादेश कभी भी लय में नहीं दिखी। ओबेड मकॉय ने आठ रन के अंदर ही दोनों सलामी बल्लेबाजों को चलता किया। कुछ देर बाद ही ओडियन स्मिथ ने कप्तान महमदुल्लाह को 11 रन पर आउट किया।

बांग्लादेश 23 रन पर तीन विकेट गंवाकर संकट में लग रही थी लेकिन शाकिब ने पारी को संभाला। उन्होंने 52 गेंदों पर पांच चौकों और तीन छक्कों की मदद से 68 रन बनाए, लेकिन उनकी धीमी पारी 194 रन के विशाल लक्ष्य को हासिल करने में काम न आई। इसके अलावा बांग्लादेश के लिये अफीफ हुसैन ने 34(27) और मोसादेक ने 15(11) रन बनाये।

विंडीज के लिये रोमारियो शेफर्ड और ओबेड मकॉय ने दो-दो विकेट लिये जबकि अकील हुसैन और ओडियन स्मिथ को एक-एक विकेट हासिल हुआ। पॉवेल को उनकी जानदारी पारी के लिये मैन ऑफ द मैच चुना गया। पहला मैच बारिश में धुलने के बाद वेस्ट इंडीज ने दूसरा मैच जीतकर तीन मैच की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है।

सिंधू और प्रणय मलेशिया मास्टर्स में लय जारी रखना चाहेंगे

कुआलालंपुर, 4 जुलाई। स्टार शटलर पीवी सिंधू और एचएस प्रणय मंगलवार से यहां शुरू हो रहे मलेशिया मास्टर्स सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती की अगुवाई करेंगे। सिंधू और प्रणय को पिछले सप्ताह मलेशिया ओपन सुपर 750 के क्वार्टर फाइनल में हार का सामना करना पड़ा थाऔर ये दोनों खिलाड़ी इस सप्ताह शुरू हो रहे टूर्नामेंट में अपने खेल की खामियों को दूर कर सुधार करना चाहेंगे।

सिंधू ने इस साल सैयद मोदी इंटरनेशनल और स्विस ओपन के रूप में दो सुपर 300 खिताब जीते हैं, वहीं प्रणय खिताब जीतने के पांच साल के लंबे इंतजार को खत्म करने के लिए बेताब हैं। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधूविश्व टूर स्पर्धाओं के क्वार्टर और सेमीफाइनल में लगातार पहुंच रही हैं, लेकिन शीर्ष खिलाड़ियों के खिलाफ वह थोड़ी कमजोर दिख रही हैं।

इस साल कई टूर्नामेंटों के आखिरी के कुछ मैचों में उन्हें थाईलैंड की रत्चानोक इंतानोन, चीन की चेन यू फेई और ही बिंग जियाओ, कोरिया की आन से यंग और चीनी ताइपे की ताई जू यिंग जैसी खिलाड़ियों के खिलाफ हार का सामना सामना करना पड़ा है । इसने उनकी कमजोरियों को उजागर कर दिया है और वह आगामी राष्ट्रमंडल खेलों से पहले इसे दूर करने की कोशिश करेंगी।

पूर्व विश्व चैम्पियन सिंधू के सामने शुरुआती दौर में बिंग जियाओ की चुनौती होगी। इस खिलाड़ी ने पिछले महीने इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 में सिंधू को बाहर का रास्ता दिखाया था। बिंग जियाओ के खिलाफ सिंधू के जीत-हार का रिकॉर्ड भले ही 8-10 का है लेकिन इस भारतीय खिलाड़ी ने तोक्यो ओलंपिक समेत पिछले चार में से तीन मुकाबले जीते हैं। इस सत्र में शानदार प्रदर्शन कर रहे प्रणय पिछले साल विश्व चैंपियनशिप के बाद से लगातार क्वार्टर फाइनल में पहुंच रहे हैं। भारतीय टीम की थॉमस कप में ऐतिहासिक जीत के सूत्रधार रहे प्रणय के पास चैम्पियन बनने की काबिलियत है लेकिन वह आखिरी के कुछ मैचों की बाधा नहीं पार कर पा रहे हैं।

केरल का यह 29 साल का खिलाड़ी इंडोनेशिया सुपर 1000 में सेमीफाइनल में पहुंचा था। वह मलेशिया मेंइंडोनेशिया के शेसर हिरेन रुस्तवितो के खिलाफ अपना अभियान शुरु करेंगे। इसके बाद के दौर में उनके सामने जोनाथन क्रिस्टी की चुनौती होगी जिन्होंने इस खिलाड़ी को पिछले सप्ताह हराया था। अन्य भारतीयों में, बी साई प्रणीत पहले दौर में ग्वाटेमाला के केविन कॉर्डन से भिड़ेंगे जबकि चोट से वापसी कर रहे समीर वर्मा के सामने चौथी वरीयता प्राप्त ताइवान केचोउ टिएन चीन की मुश्किल चुनौती होगी। दो बार की राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता साइना नेहवाल कोरिया की किम गा यून के खिलाफ अपना अभियान शुरू करेंगी।

लगातार 25वां ग्रास कोर्ट मुकाबला जीतकर क्वार्टरफाइनल में पहुंचे नोवाक जोकोविच

लंदन, 4 जुलाई। विश्व के नंबर एक टेनिस खिलाड़ी, सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने अपना सातवां विम्बलडन खिताब जीतने के प्रयास में नीदरलैंड के टिम वैन रिजथोवेन को हराकर प्रतियोगिता के क्वार्टरफाइनल में जगह बनायी। जोकोविच ने रविवार को हुए चौथे दौर के मुकाबले में रिजथोवेन को 6-2, 4-6, 6-1, 6-2 से हराया। यह जोकोविच की ग्रास कोर्ट पर लगातार 25वीं जीत थी। जोकोविच ने मैच के बाद कहा, ''मुझे मैच से पहले पता था कि मिच के खिलाफ मुकाबला मुश्किल होने वाला है। मैंने उन्हें खेलते हुए देखा। ग्रास कोर्ट के लिये उनका खेलने का तरीका बहुत अच्छा है जो आज उन्होंने दिखा भी दिया। यह मुकाबला अच्छा रहा, खासकर पहले दो सेट में। उन्होंने कहा, ''कुल मिलाकर मुझे लगता है कि मैं अच्छा खेला। मैं उनकी सर्विस लय में आ गया, तीसरे और चौथे सेट में उनकी सर्विस को बेहतर तरीके से पढ़ना शुरू किया।''

महिला फुटबॉल को बढ़ावा देने के लिए नार्थ ईस्ट फुटबाल लीग का आयोजन

नयी दिल्ली, 4 जुलाई। महिला फुटबॉल को बढ़ावा देने के उद्देश्य के साथ 7 से 23 जुलाई तक नार्थ ईस्ट महिला फुटबाल लीग का आयोजन किया जा रहा है। अनंतपुरा स्पोर्ट्स इवेंट प्राइवेट लिमिटेड के चेयरमैन अमीन पठान ने सोमवार को बताया कि महिला फुटबाल को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इस लीग का आयोजन किया जा रहा है तथा युवा खिलाड़ियों को खेलो के प्रति आकर्षित करने का प्रयास किया जा रहा है।

कार्यक्रम में बॉलीवुड अभिनेता जीतू वर्मा (जोजो), भारतीय कबड्डी टीम के कप्तान दीपक हुड्डा, फुटबाल कोच राकेश कुमार तथा अंतरराष्ट्रीय कबड्डी एथलीट राजेश नरवाल मौजूद रहे। इसके साथ ही ऑल मणिपुर फुटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष रतन कुमार सिंह, सचिव एल ज्योतिर्मय रॉय, अनंतपुरा स्पोर्ट्स इवेंट प्राइवेट लिमिटेड के डायरेक्टर अनस पठान, टूर्नामेंट कोऑर्डिनेटर निर्मल व्यास सहित अन्य मेहमान मौजूद रहे।

अतिथियों ने बताया कि इस लीग का आयोजन 7 से 23 जुलाई तक किया जाएगा। नार्थ ईस्ट में फुटबॉल की लोकप्रियता को देखते हुए एवं महिला खिलाड़ियों को फुटबॉल खेलने के प्रति प्रेरित करने के उद्देश्य से इस लीग का आयोजन किया जा रहा है जोकि खिलाड़ियों के लिए एक सकारात्मक पहल है और ऐसे आयोजन समय-समय पर किए जाने चाहिएं।

अमीन पठान ने कहा, ऑल मणिपुर फुटबॉल एसोसिएशन के सानिध्य में इस टूर्नामेंट का आयोजन किया जा रहा है। देश मे खेलो को बढ़ावा देने की जरूरत है। इसके लिए सभी खेलो की अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन समय-समय पर किया जा रहा है। युवा खिलाड़ियों, खासकर महिला खिलाड़ियों, के लिए ऐसी प्रतियोगिता का आयोजन किया जाना अत्यंत आवश्यक है।'' पठान ने कहा कि निरन्तर मेहनत और लगन से प्रशिक्षण करते रहने और कभी हिम्मत न हारने के जज्बे से खेलो के क्षेत्र में किसी भी मुकाम को हासिल किया जा सकता है। इसलिए सभी खिलाड़ियों को निरंतर मेहनत करते रहना चाहिए।

कर्नाटक की 21 वर्षीय सिनी शेट्टी ने फेमिना मिस इंडिया 2022 का खिताब जीत लिया। मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में रविवार की रात आयोजित फेमिना मिस इंडिया-2022 प्रतियोगिता में राजस्थान की रूबल शेखावत प्रथम उपविजेता और उत्तर प्रदेश की शिनाता चौहान द्वितीय उपविजेता रहीं। फेमिना मिस इंडिया ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल पर लिखा, ''सिनी शेट्टी ने अपने आकर्षण, धीरज और सुंदरता से हमारे दिलों पर कब्जा कर लिया है। हमें बहुत गर्व है और हम उन्हें मिस वर्ल्ड के मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करते देखने के लिए इंतजार नहीं कर सकते।'' मिस इंडिया-2022 के लिए देश भर से 30 युवतियाँ शामिल हुईं। बॉलीवुड कलाकार नेहा धूपिया, डीनो मोरिया और मलाइका अरोड़ा, मशहूर फैशन डिजाइनर रोहित गांधी और राहुल खन्ना, कोरियोग्राफर श्यामक डावर और पूर्व भारतीय क्रिकेटर मिताली राज ग्रैंड फिनाले के लिए जूरी सदस्य थे।

देश का घाटा पिछले साल के मुकाबले जून 2022 में लगभग ढाई गुना हुआ

हालांकि, भारत के निर्यात में बढ़ोतरी हुई है लेकिन महंगी दरों पर पैट्रोलियम प्रोडक्ट खरीदने के कारण व्यापार घाटे में भारी बढ़ोतरी हुई है

- **भारत का निर्यात इस वर्ष पिछले साल के मुकाबले 16.87 प्रतिशत बढ़ गया है। आयात में अपेक्षाकृत तेज उछाल के चलते जून 2022 में व्यापार घाटा 25.63 अरब डॉलर के उच्च स्तर पर रहा, जबकि जून 2021 में व्यापार घाटा 9.61 अरब डॉलर था।**
- **रेटिंग एजेंसी इन्क्रा के अनुसार, इस साल की दूसरी तिमाही में भारत का व्यापार घाटा 30 अरब डॉलर पर पहुँच सकता है।**

नई दिल्ली , 4 जुलाई (वार्ता)। पेट्रोलियम उत्पाद, रत्न-आभूषण, इलेक्ट्रॉनिक सामान और रेडीमेड कपड़ों की विदेशों से अच्छी मांग के बीच भारत से वाणिज्यिक वस्तुओं का निर्यात जून 2022 में सालाना आधार पर 16.87 प्रतिशत बढ़कर 37.94 अरब डॉलर हो गया। पिछले वर्ष इसी माह निर्यात 32.49 अरब बिलियन डॉलर था।

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा सोमवार को जारी प्रारंभिक व्यापार आंकड़ों के अनुसार, जून 2022 में आयात 51.02 प्रतिशत उछल कर 63.58 अरब डॉलर हो गया जबकि जून 2021 में यह 42 अरब डॉलर था।

आयात में अपेक्षाकृत तेज उछाल के चलते जून 2022 में व्यापार घाटा 25.63 अरब डॉलर के उच्च स्तर पर रहा, जबकि जून 2021 में व्यापार घाटा 9.61 अरब डॉलर था।

रेटिंग एजेंसी इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के दौरान व्यापार घाटा दोगुना से अधिक हो कर 30 अरब डालर से अधिक होने जा रहा है जो पिछली तिमाही में 13 अरब डालर था।

जून में गैर-पेट्रोलियम निर्यात 30.12 बिलियन अरब डॉलर था, जो जून के 28.54 अरब डालर की तुलना में 5.53 प्रतिशत अधिक है। जून 2022 में गैर-पेट्रोलियम और गैर-रत्न और आभूषण निर्यात का 26.75 अरब डॉलर था, जो जून 2021 में 25.72 अरब डालर से चार प्रतिशत अधिक है।

वाणिज्य मंत्रालय ने कहा,'' इस दौरान पेट्रोलियम उत्पाद के निर्यात में (98.01 प्रतिशत), इलेक्ट्रॉनिक सामान (50.66 प्रतिशत) और रेडीमेड गार्मेंट सहित सभी प्रकर के वस्त्रों के निर्यात में (44.67 प्रतिशत) की अच्छी वृद्धि से जून 2022 के दौरान निर्यात में अच्छी वृद्धि का मार्ग प्रशस्त हुआ।

इस दौरान इंजीनियरिंग सामान का निर्यात में 1.57 प्रतिशत गिरकर 9.14 अरब डॉलर रहा जो कि जून 2021 में 9.29 अरब डॉलर था जो देश से वाणिज्यिक वस्तुओं के निर्यात में इंजीनियरिंग सामानों योगदान लगभग एक-चौथाई रहता है।

भारतीय इंजीनियरिंग निर्यात सवर्धन परिषद (ई.ई.पी.सी. इंडिया) के अध्यक्ष महेश देसाई ने कहा कि विश्व अर्थव्यवस्था में मंदी का मुख्य कारण रूस-यूक्रेन युद्ध से व्यापार में कमी आने की संभावना है।

उन्होंने कहा कि वैश्विक बाधाओं के नकारात्मक प्रभाव के परिणामस्वरूप इंजीनियरिंग वस्तुओं का निर्यात प्रभावित हुआ है। निर्यातकों के शीर्ष संगठन फियो के अध्यक्ष डा ए शक्तिवेल ने कहा कि इस समय उत्पन्न भू-राजनीतिक चुनौतियों में भी भारत के निर्यात में करीब 17 प्रतिशत की वृद्धि देश के निर्यात क्षेत्र की आंतिक शक्ति और जुझारूपन का प्रमाण है।

उद्धव ठाकरे को झटके पे झटका

मुंबई, 4 जुलाई (वार्ता)। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को सोमवार को एक और झटका लगा जब विधायक संतोष बांगर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के खेमे में शामिल हो गये।

मराठवाड़ा में हिंगोली जिले के कलामनुरी निर्वाचन क्षेत्र के विधायक बांगर रविवार तक ठाकरे के साथ थे और उन्होंने शिवसेना अध्यक्ष पद के उम्मीदवार राजन साल्वी के पक्ष में मतदान किया था। पिछले सप्ताह विद्रोही समूह के खिलाफ आंदोलन का नेतृत्व करने वाले बांगर को शिंदे के साथ उस समय देखा गया , जब वह विश्वास मत परीक्षण के लिए विधानसभा के लिए रवाना हुए थे। इससे पहले रविवार की रात ठाकरे समूह के पार्टी के अजय चौधरी की ग्रुप लीडर के रूप में नियुक्ति रद्द कर दी गयी। विधायी सचिवालय ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को भेजे पत्र में कहा है कि चौधरी की नियुक्ति रद्द कर दी गयी है। पत्र में कहा गया है कि मुख्य सचेतक के रूप में सुनील प्रभु की नियुक्ति रद्द कर दी गई है और उनकी जगह भारत गोगावले को यह दायित्व सौंपा गया है।

जापान में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

डेटा: टोक्यो में शनिवार को तापमान लगातार आठवें दिन 35 डिग्री सैल्सियस रहा। वर्ष 1875 में, जापान में सबसे रिकार्ड्स रखना शुरू हुआ, उसके बाद से राजधानी में ऐसी हीट वेव सिर्फ एक बार पहले आ चुकी है।

संदर्भ: हाई डिमांड अवधि में जापान, पावर ब्लैकआउट्स की संभावना ज्यादा है, क्योंकि वह अधिकतर लिक्विफाइड नैचुरल गैस (एल.पी.जी.) पर निर्भर है, जिसका भण्डार करना कठिन होता है और रूस ने गत फरवरी माह में जब से यूक्रेन पर आक्रमण किया है, तब से यह और मंहगी हो गई है।

बैठक...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इसके साथ ही विधायकों का सामूहिक भोज भी निरस्त कर दिया गया है। इस बैठक में कांग्रेस के अलावा निर्दलीय एवं कांग्रेस समर्थित अन्य विधायकों को निमंत्रण भेजा गया था। दरअसल, विपक्ष के राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार यशवंत सिन्हा नामांकन दाखिल करने के बाद लगातार अलग-अलग प्रदेशों में जाकर कांग्रेस एवं यू.पी.ए. समर्थित विधायकों एवं नेताओं से मुलाकात कर रहे हैं, इसी कड़ी में उनका 5 जुलाई को प्रदेश आगमन का कार्यक्रम तय हुआ था लेकिन वह फिलहाल कैंसिल हो गया है।

कुल्लू में बस गहरी खाई में गिरी, 13 लोगों की मौत

हादसे के पुख्ता कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है

- **राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हादसे पर गहरा शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने मृतकों के परिजनों को 5-5 लाख रुपये की सहायता राशि की घोषणा की है।**

कुल्लू, 4 जुलाई (वार्ता)। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में हुई बस दुर्घटना में एक और घायल व्यक्ति की अस्पताल में मौत होने से इस दुर्घटना में मरने वालों की संख्या 13 हो गई है।

कुल्लू के उप जिलाधिकारी प्रशांत सरकैक ने आज यहां यह जानकारी देते हुए बताया कि कुल्लू अस्पताल में हादसे में घायल एक अन्य व्यक्ति की मृत्यु हो गई है। जिसके साथ ही इस हादसे के मृतकों की संख्या 13 हो गई है।

मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर ने पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने घटनास्थल का दौरा कर प्रशासन से बस हादसे की जानकारी ली। उन्होंने प्रशासन को मौके पर राहत एवं बचाव कार्यों को लेकर उचित दिशा निर्देश जारी करते हुए कहा कि हादसे की न्यायिक जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि जांच के बाद सरकार मामले पर आगामी कार्रवाई करेगी। इस दौरान उनके साथ स्थानीय विधायक सुरेंद्र शौरी भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह हादसे के समय हैदराबाद में थे। उन्होंने फोन पर ही प्रशासन को उचित बचाव कार्य के लिए दिशा-निर्देश जारी किए।

उन्होंने बस हादसे में मारे गए लोगों के परिजनों मुलाकात कर संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि मृतकों के आश्रितों को सरकार की ओर से पांच-पांच लाख रूपये की राशि प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि बस में कुल 15 लोग सवार थे, जिसमें से 13 लोगों की मौत हो चुकी और दो लोगों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। उन्होंने पीड़ित परिवारों को आश्वासन दिया कि घायलों के परिवारों के इलाज के लिए सरकार हर संभव सहायता प्रदान करेगी।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुल्लू में हुए बस हादसे पर दु:ख प्रकट किया है। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने शोकसंतप्त परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट करते हुए ट्वीट कर कहा, हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में हुए बस हादसे में विद्यार्थियों समेत कई लोगों की मौत का दु:खद समाचार सुनकर व्यथित हूं।'' इस दुर्घटना में अपने बच्चों एवं प्रियजन को खोने वाले शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी गहन शोक संवेदनाएं मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बस हादसे पर गहरा शोक जताते हुए हादसे में मारे गए लोगों के स्वजनों को दो-दो लाख रूपये और घायलों को 50-50 हजार रूपये की फौरी राहत राशि देने की घोषणा की है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने मोदी के हवाले से ट्वीट किया, हिमाचल प्रदेश के कुल्लू में हुआ बस हादसा हृदय विदारक है। दुख की इस घड़ी में शोकसंतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं। उन्होंने कहा, मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। स्थानीय प्रशासन दुर्घटना पीड़ितों को हर संभव मद्द मुहैया करा रहा है।

'केन्द्र ने राज्यों को मनरेगा का पैसा देना भी बंद किया'

कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि, मोदी सरकार की ऐसी नीतियों के कारण कई राज्यों में आर्थिक संकट पैदा हो रहा है

- **उन्होंने कहा कि, केंद्र सरकार को राज्य सरकारों को मनरेगा का सैकड़ों नहीं बल्कि हजारों- करोड़ों रुपए का बकाया देना है। राज्यों को देशभर के श्रमिकों को 11,097 करोड़ रुपए का बकाया भुगतान देना है।**

नई दिल्ली, 4 जुलाई (वार्ता)। कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर आरोप लगाया है कि उसने पहले गरीबों की नौकरियां खत्म कर उनकी रोजीरोटी छीनी और अब मनरेगा का पैसा भी देना बंद कर दिया है।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख जयराम रमेश ने कहा कि मोदी सरकार ने कई राज्यों को मनरेगा का पैसा आवंटित नहीं किया है जिससे वहां मनरेगा श्रमिकों के समक्ष आर्थिक संकट पैदा हो गया है। उनका कहना था कि मनरेगा का केंद्र ने सैकड़ों नहीं बल्कि हजारों करोड़ रुपए का बकाया देना है।

उन्होंने ट्वीट कर कहा पहले रोजगार खत्म किया अब मनरेगा का पैसा रोक कर गरीबों की जीविका छीन रही है मोदी सरकार। देशभर के श्रमिकों के 11,097 करोड़ रुपए बकाया हैं। राज्यों को मनरेगा के हजारों करोड़ रुपए नहीं दिए जा रहे हैं। प्रधानमंत्री दुष्प्रचार छोड़िए, लोगों के असली मुद्दों पर ध्यान दीजिए।

इसके साथ ही उन्होंने एक अंग्रेजी अखबार में छपी एक खबर की क्लीपिंग पोस्ट की है जिसमें लिखा है कि सिर्फ बंगाल ही नहीं केंद्र ने अन्य कई राज्यों को मनरेगा का पैसा आवंटित नहीं किया है।

द्रौपदी मुर्मू ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आदिवासी महिला हैं, झारखंड के राज्यपाल के रूप में, ओडिशा की विधायक एवं मंत्री के रूप में तथा कॉलेज के लैक्चरर के रूप में अपनी क्षमताएं पहले ही सिद्ध कर चुकी हैं। यह सोच कि यह आदिवासी महिला इस पद के लिये सक्षम एवं लायक नहीं है, व्यक्ति की खराब मानसिकता को प्रदर्शित करता है।''

रवि ने कहा कि मुर्मू वोट माँगने के लिये 10 जुलाई को कर्नाटक जायेंगी। उन्होंने यह भी कहा कि मतदाताओं की वर्तमान संख्या के आधार पर, 18 जुलाई को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में उनकी विजय सुश्निचित है।

सिन्हा, जो चुनाव-प्रचार के सिलसिले में रविवार को बेंगलुरू में थे, यहाँ कांग्रेस विधायक दल की मीटिंग में पहुँचे तथा उन्होंने भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार पर आरोप लगाया कि सरकार राजनैतिक विरोधियों को ''परेशान'' करने के लिये ई.डी., सी.बी.आई. तथा आयकर जैसी एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है।

इस पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुये, रवि जो चिकमंगलूर से विधायक हैं, ने कहा, ''ई.डी. या आयकर विभाग ईमानदार लोगों के खिलाफ कुछ नहीं कर सकते, लेकिन भ्रष्ट लोग इनसे बच नहीं सकते। अगर कोई भ्रष्ट है तो वह चिन्तित होगा ही, ईमानदार लोगों का चिन्तित होने की जरूरत ही नहीं है और न वे चिन्तित होंगे।'' उन्होंने राष्ट्रपति चुनाव में मुर्मू को समर्थन देने की जे.डी. (एस.) की योजना का स्वागत भी किया।

फिल्म के पोस्टर में काली माता को सिगरेट पीते दिखाया

फिल्म निर्माता लीना मणिमेकलाई के खिलाफ धार्मिक भावनाओं को आहत करने का मामला दर्ज किया गया

- **फिल्म निर्माता द्वारा पोस्टर जारी करने के बाद लोगों ने अपना गुस्सा सोशल मीडिया पर भी जाहिर किया, सोशल मीडिया पर लोगों ने लीना की गिरफ्तारी की मांग की।**

नई दिल्ली, 4 जुलाई (वार्ता)। फिल्म निर्माता लीना मणिमेकलाई ने अपनी डॉक्यूमेंट्री फिल्म काली का एक पोस्टर जारी किया, जिसके बाद वह विवाद में घिर गयी। पोस्टर में देवी काली को गलत तरीके से चित्रित किया गया है।

पोस्टर देखकर हिन्दू धर्म से जुड़े लोगों की भावनाएं आहत हो गई हैं। जिसके कारण सोशल मीडिया पर विवाद खड़ा हो गया है। इसमें माँ काली का अपमान किया गया है। देवी को आपत्तिजनक स्थिति में दिखाए जाने पर यूजर्स लीना को आड़े हाथ ले रहे हैं और उनकी गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। पोस्टर में देवी काली को सिगरेट पीते हुए दिखाया गया है। साथ ही उनके पीछे एल.जी.बी.टी. समुदाय का झंडा भी दिख रहा है।

फिल्म निर्माता लीना ने पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, अपनी हालिया फिल्म के लॉन्च को आज साझा करते हुए बेहद उत्साहित हूं- आज आगा खान संग्रहालय में रिदम्स ऑफ कनाडा के हिस्से के रूप में अपने क्रू के साथ उत्साहित महसूस कर रही हूं।

फिल्म निर्माता द्वारा पोस्टर जारी करने के बाद लोगों का गुस्सा सोशल मीडिया पर दिखा। सोशल मीडिया पर लोगों ने लीना की गिरफ्तारी की मांग की। भगावा क्रांति सेना के अध्यक्ष प्राची साध्वी ने ट्वीट किया, इस ट्वीट को ज्यादा से ज्यादा रिट्वीट कीजिए और लीना की गिरफ्तारी की मांग कीजिए।

फिल्म निर्माता ने कहा, मेरे पास खोने के लिए कुछ भी नहीं है। मैं बिना डरे अपनी आवाज के साथ खड़ी रहूंगी चाहे इसके लिए मुझे अपनी जान भी क्यों न गंवाना पड़े।

पत्रकारिता...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चाहिए क्योंकि इससे पूरे मीडिया में भय का माहौल है।

प्रैस एसोसिएशन, देहली यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स, आई.जे.यू. और वर्किंग न्यूज कैमरामैन एसोसिएशन द्वारा यह मीटिंग प्रैस क्लब ऑफ इण्डिया (पी.सी.आई.) में आयोजित की गई। इसे जाने माने पत्रकार टी.एन. नैनन और ''द वायर'' के चीफ एडीटर सिद्धार्थ वरदराजन के अलावा अन्य ने संबोधित किया।

मीटिंग में पारित प्रस्ताव में मीडिया कर्मियों की मनमानी गिरफ्तारी के अलावा पी.आई.बी. अधिस्वीकरण के लिए नई सी.पी.ए.सी. गाइडलाइन्स, विशेष आधार पर करीब 3सौ पत्रकारों को पी.आई.बी. अधिस्वीकरण के नवीनीकरण से इन्कार संसद में कोविड प्रतिबंधों के जारी रहने सम्बन्धित बात कही गई। हाल ही एक मीडिया को छोड़कर शेष वीजुमल मीडिया को एन.डी.ए. के राष्ट्रपति पद के लिए मनोनीत प्रत्याशी का फोटो लेने की अनुमति नहीं दी गई।

निकट भविष्य में ऑयल...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

क्योंकि तेल की कीमतें तेजी से बढ़ी हैं तथा कम मात्रा में निर्यात करने पर भी, तेल निर्यात से होने वाली उसकी कमाई पर कोई नकारात्मक असर नहीं हुआ है।

जो भी है, रूस की कमाई अपेक्षाकृत बढ़ गई है और केवल तेल-निर्यात ही उसके लिए शत्रुता तथा युद्ध की स्थिति को जारी रखने के लिये पर्याप्त है। तेल और गैस की कीमतों की वर्तमान स्थिति में, रूस अपने तेल-उत्पादन में 50 लाख बैरल प्रतिदिन की कमी करके भी अपना काम चला सकता है।

- **यह प्रतिद्वंद्विता भारत की इकॉनमी को भारी संकट में डाल सकती है, क्योंकि भारत अपनी खपत (डिमाण्ड) का 75-80 प्रतिशत हिस्सा आयात करता है और ऑयल की कीमत में भारी उछाल, भारत की इकॉनमी को जरजरा देगा।**

उसका यह कदम यूक्रेन के पश्चिमी समर्थकों के लिये एक कड़ी सजा सिद्ध हो सकता है।

रूस ने यूरोपीय देशों तथा खास तौर से जर्मनी को होने वाली गैस की सप्लाई में उल्लेखनीय कमी कर दी है। इस देश ने इतनी ऊँची कीमतों का रूबल्स में भुगतान करने से इनकार कर दिया है तथा एक प्रकार ईंधन की राशनिंग भी लागू कर दी हैं।

पश्चिमी देश, अर्थात यूरोपीय संघ के सदस्य तेल पर एक प्रकार की ''प्राइस कैप'' लगाये जाने पर विचार कर रहे हैं। इस धमकी का मुकाबला करते हुये, रूस अपने तेल एवं गैस उत्पादन में तथा अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में सप्लाई देने में और भी ज्यादा कटौती करने की धमकी दे रहा हैं।

रूस तथा यूरोपीय संघ दोनों के रूखों में आ रही और भी सख्ती के फलस्वरूप तेल और गैस की कीमतें सभी के लिये समान रूप से और भी बढ़ सकती हैं।

'कांग्रेस के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बढ़ेगा और पार्टी को ताकत भी मिलेगी। सोलंकी ने यह भी कहा कि ''डिजायर सिस्टम के चलते बहुत से पुराने कांग्रेस जन अपने परिजनों के तबादले कराने से वंचित रह जाते हैं और उनका मनोबल टूटता है। इसलिए मैं हमेशा कहता रहा हूं कि ऐसे लोगों के लिए डिजायर की आवश्यकता नहीं होनी चाहिए।''

इसी के साथ जब उनसे पूछा गया कि मुख्यमंत्री की ओर से पहले सचिन पायलट को और फिर केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को निकम्मा बोला गया, तो उन्होंने कहा कि ''मुख्यमंत्री ने किस संदर्भ में किसको बोला, यह अलग बात है, लेकिन राजनीति में मुख्यमंत्री ने इतना समय लिया है जितनी हमारी उम्र भी नहीं है। ऐसे में आप लोग अपना अपना मतलब लगाने के लिए स्वतंत्र हैं। साथ ही सोलंकी ने यह भी कहा कि हालांकि राजनीति में एक भाषा की गरिमा जरूर होनी चाहिए और हमारी पार्टी के नेता भी सब कुछ बोलें, लेकिन सभी बातों पर हम सहमत हो यह जरूरी नहीं है।''

रूस ने यूक्रेन के एक और शहर पर कब्जा जमाया

- **यूक्रेन की सेना ने पुष्टि की है कि, देश के पूर्वी शहर लिसिचांस्क पर रूस की सेना ने अपना नियंत्रण कर लिया है।**

कीव, 4 जुलाई (वार्ता)। यूक्रेन की सेना ने पुष्टि की है कि देश के पूर्वी शहर लिसिचांस्क पर रूस की सेना ने अपना नियंत्रण कर लिया है। बीबीसी ने सोमवार को अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी।

यूक्रेनी सेना के जनरल स्टाफ ने कहा, लिसीचांस्क में भारी संघर्ष हमारे रक्षा बलों को अपने कब्जे वाले स्थानों से हटने के लिए मजबूर होना पड़ा। यह कदम यूक्रेनी रक्षकों के जीवन को संरक्षित करने के लिए उठाना पड़ा।

इससे पहले रूस के रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु ने कहा था कि उनकी सेना ने लिसिचांस्क पर कब्जा कर लिया है और लुहांस्क क्षेत्र पर पूर्ण नियंत्रण कर लिया है।

इस बीच यूक्रेनी राष्ट्रपति वलोडिमिर ज़ेलेंस्की ने कहा कि उनकी सेना अपनी रणनीति और आधुनिक हथियारों की आपूर्ति में वृद्धि के साथ लिसिचांस्क को फिर से अपने कब्जे में ले लेगी।

रूसी शहर बेलगोरोड में यूक्रेन के हवाई हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर पांच हो गई है। मृतकों में एक ही परिवार के दो सदस्यों के शव मिले हैं। मृतकों के रिश्तेदार ने सोमवार को स्पूतनिक को यह जानकारी दी।

यूक्रेन ने शनिवार को बेलगोरोड के रिहायशी इलाके को क्लस्टर वारहेड्स से लैस तीन टोचका-यू मिसाइलों से निशाना बनाया गया, लेकिन सभी तीन मिसाइलों को रूसी वायु रक्षा प्रणालियों द्वारा हवा में नष्ट कर दिया गया। यूक्रेनी मिसाइलों में से एक के टुकड़े एक घर पर गिर गए।

परिवार के एक सदस्य ने कहा, मृतकों में ओलेग, उनकी पहली पत्नी ओल्गा, उनके दो बच्चे तथा ओल्गा की मां शामिल है। उन्होंने कहा कि बाद के दो के शव रविवार शाम को मिले।

बेलगोरोड के गवर्नर व्याचेस्लाव ग्लैडकोव ने शुरू में कहा था कि हमले के परिणामस्वरूप चार लोग मारे गए।

'वैभव...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

फैसला लिया गया है। इसके साथ ही पुराने खिलाड़ियों को दी जाने वाली पेंशन की शुरूआत की पूरी रूपरेखा तैयार कर ली गई है, जिसे जल्दी ही कार्यक्रम आयोजित कर जल्द शरू कर दिया जाएगा।

उन्होंने बताया कि राजस्थान की क्रिकेट प्रतिभा को आगे बढ़ाने के लिए राजस्थान प्रीमियर लीग पर काम किया जा रहा है। फिलहाल बीसीसीआई को प्लान बनाकर भेजा गया है। बीसीसीआई से परमिशन मिलने का इंतजार है, जैसे ही वहां से हरी झंडी मिलेगी तो आरपीएल को लेकर आगे की रणनीति बनाई जाएगी, जिससे राजस्थान के खिलाड़ियों को नैशनल स्तर पर मौका मिल सके।

टाटा ने सरकारी कंपनी नीलाँचल इस्पात का अधिग्रहण किया

- **टाटा ग्रुप ने नीलाँचल इस्पात निगम लिमिटेड को खरीदने के लिए करीब 12 हजार करोड़ रु. सरकार को अदा किये हैं। यह कम्पनी बीते कुछ वर्षों से लगातार घाटे में चल रही थी।**

नई दिल्ली, 4 जुलाई (वार्ता)। इस्पात क्षेत्र की कंपनी नीलांचल इस्पात निगम लिमिटेड (एन.आई.एन.एल.) का टाटा संस की कंपनी टाटा स्टील लाँग प्रोडक्टस लिमिटेड ने 12100 करोड़ रुपये में अधिग्रहण कर लिया है। कंपनी ने 93.71 प्रतिशत हिस्सेदारी ली है।

कंपनी ने 12100 करोड़ रुपये के भुगतान के साथ ही आज एन.आई.एन.एल. का नियंत्रण अपने पास ले लिया। एन.आई.एन.एल. चार सरकारी उपक्रमों एम.एम.टी.सी. 49.78 प्रतिशत, एम.एम.डी.सी. 10.10 प्रतिशत, मेकॉन 0.68 प्रतिशत और भेल 0.68 प्रतिशत के साथ ही ओडिशा सरकार की दो कंपनियों ओ.एम.सी. 20.47 प्रतिशत और आई.पी.आई.सी.ओ.एन. 12 प्रतिशत हिस्सेदारी वाला संयुक्त उपक्रम है।

आधिकारिक जानकारी के अनुसार इस रणनीतिक विनिवेश के लिए टाटा संस की यह कंपनी सबसे बड़ी बोलीकर्ता के रूप में सामने आयी थी। इसके बाद दो फरवरी को इस संबंध में पत्र जारी किया गया और 10 मार्च को शेयर खरीद अनुबंध किया गया था। इस अनुबंध के तहत टाटा की कंपनी द्वारा दी गयी 12100 करोड़ राशि का उपयोग कर्मचारियों के बकाये चुकान, परिचालन कर्जदारों के ऋण भुगतान, सुरक्षित वित्तीय ऋणदाताओं को भुगतान किये जाने है। इसमें से शेयरधारकों को भी हिस्सेदारी दी जायेगी।

यह कम्पनी बीते कुछ वर्षों से लगातार घाटे में चल रही थी।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908